

Division 100
7 Accs No. 100-1-100
Date of Accs 18/10/75
Date of Transfer
Checked

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

280

2

सं० 40]

No. 40]

दिल्ली, शनिवार, 4 अक्टूबर, 1975/आश्विन 12, 1897

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 4, 1975/ASVINA 12, 1897

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रजन संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)

मंत्रिमण्डल सचिवालय

(कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1975

का० प्रा० 4245.—इष्ट प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उरकार बम्बई के एडवोकेट श्री पी० धार० नामजोशी को, स्पेशल-जज, गोवा के न्यायालय में विशेष पुलिस स्थापना बम्बई के रेगुलर-केस नंबर 1/75—सरकार बनाम श्री एंगेला मार्टिन डिगूजा, भूतपूर्व हार्बर-मास्टर, मारमुगांव पोर्ट ट्रस्ट, गोवा—के प्रयोजनार्थ, एतद्वारा विशेष लोकप्रभियोजक नियुक्त करती है।

[सं० 225/42/75-एडवोकेट-2]

बी० सी० खजानी, प्रवर सचिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 18th September, 1975

S.O. 4245.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure.

1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri P. R. Namjoshi, Advocate, Bombay, as a Special Public Prosecutor for the purposes of Regular Case No. 1/75, Special Police Establishment, Bombay, in Government Vs. Shri Angelo Martin D'Souza, Ex-Harbour Master, Marmugao Port Trust, Goa, in the Court of Special Judge, Goa.

[No. 225/42/75-AVD. II]

B. C. VANJANI, Under Secy.

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1975

का० प्रा० 4246.—यह, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 68-जवालाबाद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम विनायक, ग्राम मथरा धर्मपुर, झाकखाना कलान, जिला शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असमर्थ रहे है;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राम बिलास को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० सं०/६४/७४ (138)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 1st September, 1975

S.O. 4246.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Bilas, Village Sathra Dharampur, Post Kalan, District Shahjahanpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 64-Jalalabad assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Bilas to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/64/74(138)]

आदेश

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1975

का० प्रा० 4247.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 26-नजीबाबाद (अ०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री हर गोविन्द सिंह, ग्राम समसपुर सादो, डाकखाना हरगनपुर, जिला बिजनोर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों की कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई सन्तोषजनक कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री हरगोविन्द सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० सं०/21/74(142)]

ORDER

New Delhi, the 4th September, 1975

S.O. 4247.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Har Govind Singh, Village Samaspur Saddoo, P.O. Harganpur, District Bijnor, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 21-Najibabad (SC) assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any satisfactory reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Har Govind Singh to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/21/74(142)]

आदेश

का० प्रा० 4248.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 52-बरेली सिटी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मुहम्मद आदिल, 291-पंजाबपुरा, बरेली, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मुहम्मद आदिल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० सं०/52/79(144)]

ORDER

S.O. 4248.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Mohammad Adil, 291-Punjabpura, Bareilly, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 52-Bareilly City assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Mohammad Adil to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of

the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/52/74(144)]

आदेश

कां०प्र० 4249.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 33-मुरादाबाद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोपीचन्द छावड़ा, मोहल्ला सगर सराय, डाकखाना ब जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गोपीचन्द छावड़ा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/33/74(143)]

ORDER

S.O. 4249.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gopi Chand Chhawra, Mohalla Sagar Sarai, P.O. and District Moradabad, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 33-Moradabad assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gopi Chand Chhawra to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/33/74(143)]

आदेश

कां०प्र० 4250.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिये 380-डिबाई सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लाल सिंह गौतम, निवासी सुरजाबली, पोस्ट सालनेर, जिला बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, श्री लाल सिंह गौतम को जारी की गई सूचना अपरिचित बापस प्राप्त हो गई है क्योंकि अग्रगर्थी का ठीक ठिकाना विहित नहीं है,

और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री लाल सिंह गौतम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/380/74(145)]

ORDER

S.O. 4250.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lal Singh Gautam, Village Surjawali, Post Lalner, District Bulandshahr, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 380-Debai Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the notice issued to Shri Lal Singh Gautam has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lal Singh Gautam to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/380/74(145)]

आदेश

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1975

कां०प्र० 4251.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 142-मसौली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नन्दू, ग्राम ब डाकखाना बरेल, जिला बाराबंकी, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री नन्दू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/142/74(143)]

ORDER

New Delhi, the 5th September, 1975

S.O. 4251.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nandoo, Village and P.O. Bareil, District Bara Banki,

Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 142-Masauli assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nandoo to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/142/74(146)]

आदेश

का०आ० 4252.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 143-नवाब गंज निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भारथ, ग्राम नांद कर्ई, डाकखाना शाहपुर, भगौली, जिला बाराबंकी, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री भारथ को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

आदेश से

[सं०उ०प्र०-वि०स०/143/74(147)]

ORDER

S.O. 4252.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bharath, Village Nandkai, P.O. Shahpur Bhagauli, District Bara Banki, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 143-Nawabganj assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bharath to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/143/74(147)]

आदेश

का०आ० 4253.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 145-राम नगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती बचाना, ग्राम ब डाकखाना छेदा, जिला बाराबंकी, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती बचाना को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं०उ०प्र०-वि०स०/145/74(148)]

ORDER

S.O. 4253.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Bachana, Village and P.O. Chheda, District Bara Banki, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 145-Ramnagar assembly constituency, has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Bachana to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

By Order,

[No. UP-LA/145/74(148)]

आदेश

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1975

का०आ० 4254.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के निर्वाचन के लिये 420-रुड़की सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जय पाल सिंह निवासी ग्राम ब पोस्ट भगवानपुर, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः श्री जय पाल सिंह को जारी की गई सूचना अवगिस्त आपस प्राप्त हो गई है क्योंकि अध्यायों का ठौर ठिकाना विवृत नहीं है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री जय पाल सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने

जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० सं०/420/74(149)]

ORDER

New Delhi, the 6th September, 1975

S.O. 4254.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jaipal Singh, Village and Post Bhagwanpur, District Saharanpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 420-Roorkee Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the notice issued to Shri Jaipal Singh has been received back undelivered as the whereabouts of the candidate are not known, and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure,

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jaipal Singh to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/420/74(149)]

आदेश

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1975

का० आ० 4255.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 230-मोहम्मदाबाद निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री केशव राम, ग्राम सुल्तानपुर खास, ढाकवर कुन्देसर, जिला गाजीपुर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल है;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उक्त सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा, सफटीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री केशव राम को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० सं०/230/74(150)]

आदेशसे,

ए० एन० सैन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th September, 1975

S.O. 4255.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kesheo Ram, Village Sultanpur Khas, P.O. Kundesar, District Ghazipur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the U.P. Legislative Assembly from 230-Mohammadabad assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri-Kesheo Ram to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/230/74(150)]

By Order,

A. K. SEN, Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नोटिस

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1975

का० आ० 4256.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटरीज रूलस), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री जे० सी० मेहता, एडवोकेट, 11-ए/1, पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली-60 ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, दिल्ली संघ शासित क्षेत्र में लेख्य प्रमाणक (नोटरीज) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाण के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हो तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जाएं।

[सं० 22/31/74-न्याय]

आर० एल० प्रदीप, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & CO. AFFAIRS

(Department of Justice)

NOTICE

New Delhi, the 19th September, 1975

S.O. 4256.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri J. C. Mehta, Advocate, 11-A/1, Old Rajinder Nagar, New Delhi-60 for appointment as a Notary to practise in the Union Territory of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/31/74-Jus.]

R. L. PARDEEP, Competent Authority

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1975

का० आ० 4257.—मशीन एसाइड माहनिंग कापोरेशन, गुर्गापुर के मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री एम० सैन ने 5 मई, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय घो गिक सुरक्षा बल में पवेन के कमांडेंट रूप में कार्य करना छोड़ दिया।

[सं० ई० 17017/5/75-प्रशासन-1(पर्म)-I]

पी० के० जी० काश्मल, अधीन सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 12th September, 1975

S.O. 4257.—Shri M. Sen, Chief Security Officer, Machine Allied Mining Corporation, Durgapur, ceased to function as Ex-officio Commandant, Central Industrial Security Force with effect from the Afternoon of 5th May, 1975.

[No. E-17017/5/75-Ad. I(Pers. I)]

P. K. G. KAIMAL, Under Secy.

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्यविभाग)

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1975

शुद्धि पत्र

का.आ. 4258.—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 1727, दिनांक 18 जून, 1974 के नियम 1 के उप-नियम (1) में "संशोधन" के स्थान पर "(दूसरा संशोधन)" पढ़िये।

[सं. एफ. 14(4)-एन. एस. 73]

ए. बी. श्रीनिवासन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 9th July, 1975

CORRIGENDUM

S.O. 4258.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 1727, dated the 18th June, 1974, in sub-rule (1) of rule 1, for "Amendment", read "(Second Amendment)".

[No. F. 14(4)-NS/73]

A. V. SRINIVASAN, Under Secy.

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1975

आयकर

का.आ. 4259.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 138 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेशक, सतर्कता और

अव्यवहार निवारण, मद्रास के उक्त उपखण्ड के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. 1056 (फा.सं. 403/113/75-आई टी सी सी)]

वी. पी. मित्तल, उप-सचिव

(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 23rd August, 1975

INCOME-TAX

S.O. 4259.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 138 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies, for the purposes of the said sub-clause, Director of Vigilance and Anti-Corruption, Madras.

[No. 1056 (F. No. 403/113/75-ITCC)]

V. P. MITTAL, Dy. Secy.

आचार्य

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1975

स्टाम्प

का. आ. 4260.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उस शुल्क से जो हिमाचल प्रदेश वित्तीय निगम, शिमला द्वारा जारी किए जाने वाले सत्ताइस लाख, पचास हजार रुपये मूल्य के डिबेन्चरों के रूप में बन्ध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य, हैं, छूट देती है।

[सं. 42/स्टाम्प/फा. सं. 471/79/75-सीमाशुल्क-7]

डी. के. आचार्य, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 25th September, 1975

STAMPS

S.O. 4260.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of debentures of the value of twenty seven lakhs and fifty thousand rupees, to be issued by the Himachal Pradesh Financial Corporation, Simla, are chargeable under the said Act.

[No. 42/75-Stamp-F. No. 471/79/75-Cus. VII]

D. K. ACHARYA, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

भारतीय रिज़र्व बैंक

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1975

क्रा०प्र० 4261-... भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में सितम्बर 1975 के दिनांक 5 को समाप्त हुए सप्ताह के लिये लेखा

इशू विभाग

देयताएं	रुपये	रुपये	प्रास्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	5,14,90,000		सोने का सिक्का और बुलि-यन :—		
संचलन में नोट	6298,98,69,000		(क) भारत में रखा हुआ	182,52,56,000	
जानी किये गए कुल नोट		6304,13,59,000	(ख) भारत के बाहर रखा हुआ		
			विवेशी प्रतिभूतियाँ	121,73,97,000	
			जोड़		304,26,53,000
			रुपये का सिक्का		14,47,53,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियाँ		5985,39,53,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र		
कुल देयताएं		6304,13,59,000	कुल प्रास्तियाँ		6304,13,59,000

दिनांक 11 सितम्बर, 1975

के० आर० पुरी, गवर्नर

5 सितम्बर, 1975 को भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	प्रास्तियाँ	रुपये
1	2	3	4
शुक्ता पूंजी	5,00,00,000	नोट	5,14,90,000
भारक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	2,63,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का	4,71,000
(बीर्षकालीन प्रवर्तन) निधि	334,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल :	
राष्ट्रीय कृषि ऋण :		(क) देशी	42,14,52,000
(स्थिरीकरण) निधि	140,00,00,000	(ख) विदेशी	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण :		(ग) सरकारी खजाना बिल	1033,31,18,000
(बीर्षकालीन प्रवर्तन) निधि	390,00,00,000	विवेशों में रखा हुआ बकाया*	630,99,31,000
जमा राशियाँ :—		निवेश**	569,82,42,000
(क) सरकारी		ऋण और अधिम :—	
(i) केन्द्रीय सरकार	60,22,79,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	
(ii) राज्य सरकारें	11,88,27,000	(ii) राज्य सरकारों को	52,22,00,000
(ख) बैंक :		ऋण और अधिम :	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	534,18,51,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ×	58,33,50,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	16,93,00,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को × ×	301,37,96,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,47,25,000	(iii) दूसरों को	10,85,36,000

व्ययताएं	रुपये	प्राप्तियां	रुपये
(iv) ग्रन्थ बैंक	86,31,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (बीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश (क) ऋण और अग्रिम :— (i) राज्य सरकारों को (ii) राज्य सहकारी बैंकों को (iii) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों को (iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	69,63,80,000 12,73,40,000 .. 87,20,00,000
(ग) ग्रन्थ	1146,18,90,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	10,60,13,000 ..
रेय बिल	168,89,55,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (बीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश :	93,61,39,000
ग्रन्थ देयताएं	686,81,88,000	(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/ डिबेंचरों में निवेश	322,13,36,000 ..
		ग्रन्थ प्राप्तियां	346,25,89,000
	3646,46,46,000		3646,46,46,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (बीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (बीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

†राष्ट्रीय कृषि ऋण (बीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये स्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल हैं।

× भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4) (ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी विलों पर अग्रिम दिये गये 35,97,00,000 रुपये शामिल हैं।

× × राष्ट्रीय कृषि ऋण (बीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

के० आर० पुरी, गवर्नर

दिनांक : 11 सितम्बर, 1975

[सं० फ० 10 (i)/75-बी०ओ० 'ii]

च० व० मीरबन्सानी, अवर सचिव

DEPARTMENT OF BANKING

RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi, the 15th September, 1975

S.O. 4261.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 5th day of September, 1975.

ISSUE DEPARTMENT

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	5,14,90,000		Gold Coin and Bullion :—		
Notes in circulation	6298,98,69,000		(a) Held in India	182,52,56,000	
Total notes issued		6304,13,59,000	(b) Held outside India	..	
			Foreign Securities	121,73,97,000	
			Total		304,26,53,000
			Rupee Coin	14,47,53,000	
			Government of India	5985,39,53,000	
			Rupee Securities		
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper	..	
Total Liabilities		6304,13,59,000	Total Assets		6304,13,59,000

Dated the 11th September, 1975

K. R. RPI, Governor.

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 5th September, 1975.

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
1	2	3	4
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes Rupee Coin	5,14,90,000 2,63,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Small Coin	4,71,000
		Bills Purchased and Discounted :—	
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	334,00,00,000	(a) Internal	42,14,52,000
		(b) External	
		(c) Government Treasury Bills	1033,31,18,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	140,00,00,000	Balances Held Abroad*	630,99,31,000
		Investments**	569,82,42,000
		Loans and Advances to :—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	390,00,00,000	(i) Central Government	..
		(ii) State Governments@	52,22,00,000
		Loans and Advances to :—	
Deposits :—		(i) Scheduled Commercial Banks†	58,33,50,000
(a) Government		(ii) State Co-operative Banks††	301,37,96,000
(i) Central Government	60,22,79,000	(iii) Others	10,85,36,000
(ii) State Governments	11,88,27,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund.	
(b) Banks		(a) Loans and Advance to :—	
(i) Scheduled Commercial Banks	534,18,51,000	(i) State Governments	69,63,80,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	16,93,00,000	(ii) State Co-operative Banks	12,73,40,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,47,25,000	(iii) Central Land Mortgage Banks	..
(iv) Other Banks	86,31,000	(iv) Agricultural Refinance Corporation	87,20,00,000
(c) Others	1146,18,90,000	(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	10,60,13,000
Bills Payable	168,89,55,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
Other Liabilities	686,81,88,000	Loans and Advances to State Co-operative Banks	93,61,39,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	322,13,36,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
		Other Assets	346,25,89,000
Rupees	3646,46,46,000	Rupees	3646,46,46,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

†Includes Rs. 35,97,00,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 11th day of September, 1975.

R. K. Puri, Governor.

[No. 10(1)/75—BOI]

C.N. Mirchandani, Under Secy

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1975

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1975

का० भा० 4262.—बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10ख की उपधारा (1) और (2) के उपबन्ध नारंग बैंक आफ इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली पर 31 दिसम्बर, 1975 अथवा उक्त बैंक के पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति में जो भी पहले हो उम तारीख तक लागू नहीं होंगे।

[सं० 15(11)-बी० भा० III/75]

मे० भा० उपायुक्त, प्रवर सचिव

New Delhi, the 10 h September, 1975

S.O. 4262.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-sections (1) and (2) of section 10B of the said Act, shall not apply to the Narang Bank of India Ltd., New Delhi, till the 31st December, 1975 or till the next appointment of a whole-time Chairman of that bank, whichever is earlier.

[No. 15(11)-B.O. III/75]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 16 जून, 1975

आय-कर

का० भा० 4263.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अपने पूर्वतर आदेश संख्या 102 (फा० संख्या 261/14/72-आई० टी० जे०) तारीख 2 जून, 1972 का आंशिक रूप से उपान्तरण करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश करता है कि उक्त अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में धनबाद रेंज के अधीन उसके स्तम्भ 3 में आय-कर अधिकारी नियुक्ति, धनबाद मद (5) के रूप में जोड़ा जाएगा और भागलपुर रेंज के अधीन कम संख्या 5 में मद (iii), आय-कर अधिकारी नियुक्ति, मुंगेर, का लोप किया जाएगा।

यह अधिसूचना 16-6-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 936 ए०—फा० संख्या 261/14/75-आई० टी० जे०]

(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 16th June, 1975

INCOME-TAX

S.O. 4263.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf and in partial modification of its earlier order No. 102 (F. No. 261/14/72-ITJ) dated the 2nd June, 1972 the Central Board of Direct Taxes hereby directs that in the schedule annexed thereto in sl. 7 under Dhanbad Range, I.T.O. Survey, Dhanbad shall be added as item (V) in column 3 thereof and that item (iii) in sl. 5 under Bhagalpur Range, I.T.O. Survey, Monghyr shall be deleted.

This notification shall have effect from 16-6-75.

[No. 936A—F. No. 261/14/75-ITJ]

का० भा० 4264.—आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्वतर अधिसूचनाओं को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), उसके स्तम्भ (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय कर सिकलें, बाई और जिलों में आय-कर या अधिकार से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे:—

अनुसूची

क्रम संख्या	रेंज	आय-कर सिकल, बाई और जिले
1	2	3
1. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), फ-रेंज, जयपुर		1. आ और ग बाई, जयपुर। 2. संग्रहण बाई, जयपुर। 3. बैंक सिकल, जयपुर। 4. सम्पदा-शुल्क-एवं आय-कर सिकल जयपुर। 5. (i) अलवर (ii) सवाई माधोपुर के सभी बाई/सिकल।
2. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), केन्द्रीय रेंज, जयपुर		1. केन्द्रीय सिकल, जयपुर। 2. विशेष बाई, जयपुर। 3. कम्पनी सिकल, जयपुर।
3. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), ख-रेंज, जयपुर		1. उपर्युक्त सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), फ-रेंज, जयपुर और सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) केन्द्रीय रेंज, जयपुर के सामने विनिर्दिष्ट से भिन्न जयपुर के सभी बाई/सिकल। 2. भीलवाड़ा के सभी बाई/सिकल।
4. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), बीकानेर रेंज, बीकानेर		1. (क) बीकानेर (ख) श्रीगंगानगर (ग) नागौर (घ) जूना (ङ) हनुमानगढ़ (च) झुंझु (छ) सीकर
5. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), जोधपुर रेंज, जोधपुर।		1. (क) जोधपुर (ख) बाड़मेर के सभी बाई/सिकल।
6. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), अजमेर रेंज, अजमेर।		1. (क) अजमेर (ख) ब्यावर (ग) पासी (घ) सिराही (ङ) जालोर के सभी बाई/सिकल।

1	2	3
7. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), उदयपुर रेंज, उदयपुर।	1. (क) उदयपुर (ख) चित्तौड़गढ़ के सभी वार्ड/सर्किल।	
8. सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), कोटा रेंज, कोटा।	1. (क) कोटा (ख) भरतपुर (ग) बुंदी (घ) झारवाड़ के सभी वार्ड/सर्किल।	

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सर्किल/वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तर्गत हो गया हो वहाँ उस आय-कर सर्किल/वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल/वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष लाम्बित थीं, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसका उक्त सर्किल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को अन्तर्गत कर दी जाएगी, जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 14 जुलाई, 1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 958—फा० सं० 261/3/75-आई० टी० जे०]

पी० मिश्र, अवर सचिव

New Delhi, the 8th July, 1975

INCOME-TAX

S.O. 4264.—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that Appellate Assistant Commissioner of Income tax of the Ranges, specified in column 1 of the Schedule below, shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to income tax or Supertax in the Income-tax Circles/Wards and districts specified in the corresponding entry in column 2 thereof;

SCHEDULE

S. No.	Range	Income-tax Circles/Wards & Districts
1	2	3
1.	Appellate Asstt. Commissioner of Income-tax, A-Range, Jaipur.	1. B and C Wards, Jaipur. 2. Collection Wards, Jaipur. 3. Salary Circles, Jaipur. 4. Estate Duty—Cum I.T. Circle, Jaipur. 5. All Wards/Circles at (i) Alwar. (ii) Sawaimadhopur.
2.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Central Range, Jaipur.	1. Central Circles, Jaipur. 2. Special Wards, Jaipur. 3. Company Circle, Jaipur.
3.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax B-Range, Jaipur.	1. All Wards/Circles at Jaipur other than those specified against AAC, A-Range, Jaipur and AAC, Central Range, Jaipur. 2. Above. 2. All Wards /Circles at Bhilwara.

1	2	3
4. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Bikaner Range, Bikaner.	1. All Wards/Circles at : (a) Bikaner. (b) Sriganganagar. (c) Nagaur. (d) Churu. (e) Hanumangarh. (f) Jhunjhunu. (g) Sikar.	
5. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Jodhpur Range, Jodhpur.	1. All Wards/Circles at : (a) Jodhpur. (b) Barmer.	
6. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Ajmer Range, Ajmer.	1. All Wards/Circles at : (a) Ajmer. (b) Beawar. (c) Pali. (d) Sirohi. (e) Jalore.	
7. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Udaipur Range, Udaipur.	1. All Wards/Circles at : (a) Udaipur. (b) Chittargarh.	
8. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Kota Range, Kota.	1. All Wards/Circles at : (b) Bharatpur. (c) Buldi. (d) Jhalwar.	

Where an Income-tax Circles/Wards or District or part thereof stands transferred by his Notification from one Range to another Range, appeal arising out of assessments made in that Income-tax Circle/Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income tax of the Range from whom that Income-tax Circle/Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range to whom the said Circles/Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 14th July, 1975.

EXPLANATOR NOTE 1

The amendment has become necessary on account of creation of I.T. Wards/Circles at Buda & Jhalawar, within the Commissioner's charge.

(The above note does not form part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 958—F.No. 261/3/75-ITJ]

P. MISHRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जून, 1975

आय-कर

फा० सं० 4265.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अपनी अधिसूचना संख्या 754 (फा० संख्या 261/12/74-आई० टी० जे०) तारीख 31-10-1974 का आंशिक रूप से उपान्तरण करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि उक्त अधिसूचना

को अनुसूची में क्रम संख्या 7 8 और 9 पर प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी :—

अनुसूची

क्रम सं०	रेंज	आय-कर सफिल, वार्ड और जिले
1	2	3
7. रेंज-I, मेरठ		(i) क और ख वार्ड, मेरठ। (ii) मुजफ्फर नगर सफिल। (iii) क-वार्ड, सफिल-I, मेरठ। (iv) ख-वार्ड, सफिल-II, मेरठ। (v) सफिल-I (I), मेरठ। (vi) सफिल-II (I), मेरठ।
8. रेंज-II, मेरठ		(i) क, ख और ड० वार्ड, मेरठ को छोड़कर मेरठ सफिल। (ii) क और ख वार्ड, मेरठ और सफिल I(i) और I(3), मेरठ को छोड़कर सफिल-I, मेरठ। (iii) ख-वार्ड, सफिल II, मेरठ और सफिल-II(I), मेरठ को छोड़कर सफिल-II, मेरठ।
9 रेंज-III, मेरठ		(i) विशेष सर्वेक्षण सफिल, मेरठ और विशेष वार्ड, सफिल-I, मेरठ। (ii) परियोजना सफिल, मेरठ। (iii) ड०-वार्ड, मेरठ। (iv) वेतन सफिल, मेरठ। (v) हापुड़-सफिल। (vi) गाजियाबाद सफिल। (vii) ड०-वार्ड, सफिल-I, मेरठ। (viii) सफिल-I(3), मेरठ।

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर सफिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तर्गत हो गया हो वहाँ उस आयकर सफिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आयकर सफिल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष सम्मिलित थीं, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सफिल वार्ड या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयकर आयुक्त, (अपील) को अन्तर्गत कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 16-6-1975 से प्रभावी होगी।

[संख्या 936-फ० सं० 261/1/75-आई०टी०जे०]

New Delhi, 16th June, 1975

INCOME-TAX

S.O. 4265 :—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of Section 122 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of notification No. 754 (F. No. 261/12/74-ITJ) dated 31-10-1974, the Central Board of Direct Taxes hereby

direct that the entries at Sl. Nos. 7, 8 and 9 in the Schedule to the said Notification shall be substituted by the following entries :—

SCHEDULE

S. No.	Range	Income-tax Circles, Wards and Districts
1	2	3
7. Range-I, Meerut		(i) A & B Wards, Meerut. (ii) Muzaffarnagar Circle. (iii) A-Ward, Circle-I, Meerut. (iv) B-Ward, Circle-II, Meerut. (v) Circle-I(I), Meerut. (vi) Circle-II(I), Meerut.
8. Range-II, Meerut		(i) Meerut Circle excluding A, B & E-Wards, Meerut. (ii) Circle-I, Meerut excluding A & B-Wards, Meerut and Circle-I(I) & I(3), Meerut. (iii) Circle-II, Meerut excluding B-Ward, Circle-II, Meerut and Circle-II(I), Meerut.
9. Range-III, Meerut		(i) Special Survey Circle, Meerut and Special Ward, Circle-I, Meerut. (ii) Project Circle, Meerut. (iii) E-Ward, Meerut. (iv) Salary Circle, Meerut. (v) Hapur Circle. (vi) Ghaziabad Circle. (vii) E-Ward, Circle-I, Meerut. (viii) Circle-I(3), Meerut.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessment made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax the range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner or Income-tax of the Range to whom that said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

The Notification shall take effect from 16-6-75.

EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary consequent on re-designation of various sub-charges in Circle I & II Meerut.

[No. 936-F. No. 261/1/75 ITJ]

नई दिल्ली, 30 जून, 1975

आय-कर

क्र० प्र० 4266:—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग

करने हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अपनी अधिसूचना सं० 748 (फा० संख्या 261/7/74-आई० टी० जे०), तारीख (10 अक्टूबर, 1974 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करता है:

1. सहायक आयुक्त (अपील), विशेष रेंज, जबलपुर, के सामने, क्रम संख्या 5 में, स्तम्भ 3 के अंशों अर्थात् वाले "7-आय-कर अधिकारी, क-वार्ड, सागर," अंक और शब्दों को हटा दिया जाएगा और उसके पश्चात् क्रमानुसार अर्थात् वाले विद्यमान "(8), (9), (10) और (11)," अंक और कोष्ठकों का क्रमशः "(7), (8), (9), और (10)" के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जाएगा।

2. सहायक आयुक्त (अपील), जबलपुर रेंज, जबलपुर (क्रम संख्या 6) के सामने स्तम्भ संख्या 3 के अन्तर्गत निम्नलिखित जोड़ा जाएगा:

"(25) आय-कर अधिकारी, क-वार्ड, सागर"

3. (क्रम संख्या 4) के सामने, स्तम्भ संख्या 3 के अन्तर्गत निम्नलिखित जोड़ा जाएगा:

"आय-कर अधिकारी, वेतन सचिव, भोपाल।"

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सचिव, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तर्गत हो गया हो वहां उस आय-कर सचिव, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सचिव, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थीं, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सचिव, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को अन्तर्गत कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 1-7-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 946-फा० संख्या 26/11/75-आई० टी० जे०]

New Delhi, the 30th June, 1975

INCOME-TAX

S.O. 4266.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby make the following further amendments in the Schedule appended to its Notification No. 748 (F. No. 261/7/74-ITJ) dated the 10th October, 1974, as amended from time to time:

1. The figure, bracket, letters and words "7-ITO, A-Ward, Sagar" appearing against the A.A.C., Special Range, Jabalpur, at S. No. 5, under Col. No. 3, shall be deleted and the existing figures and brackets "(8), (9), (10) and (11)" appearing serially thereafter shall be re-numbered as "(7), (8), (9) and (10)" respectively and serially.

2. Against A.A.C., Jabalpur Range, Jabalpur (S. No. 6) there shall be added the following under Col. No. 3:

"(25) ITO A-Ward, Sagar".

3. Against (S. No. 4) there shall be added the following under Col. No. 3:

"I.T.O. Salary Circle, Bhopal".

2. Where an I.T. Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range appeals arising out of assessments made in that IT Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the

A.A.C. of the Range from whom that I.T. Circle Ward or District or Part thereof is transferred shall from the date this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the A.A.C. of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-7-75.

EXPLANATORY NOTE

The amendment has been made with a view to ensure equitable distribution of work load between the A.A.Cs Special Range & Jabalpur Range, Jabalpur because of the creation one new office at Bhopal viz. the I.T.O., Salary Circle, Bhopal with effect from 1-7-75.

(This does not form part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 946-F. No. 261/11/75-ITJ]

नई दिल्ली, 7, जून 1975

आय-कर

क्र० आ० 4267.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रयत्न शक्तियों और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड समय-समय पर यथासंशोधित अपनी अधिसूचना सं० 728 (फा० संख्या 261/5-74 आई० टी० जे०), तारीख 30 सितम्बर, 1974 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अनुसूची में विशेष रेंज-II, III, IV और ख-रेंज, छ-रेंज, ज-रेंज, ट-रेंज और ट-रेंज, नई दिल्ली के सामने स्तम्भ 3 में की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

क्रम संख्या	रेंज	आय-कर सचिव/वार्ड/जिले
1	2	3
1.	विशेष रेंज-II	(i) कम्पनी सचिव I, IV, VI, IX XXI और XXII, नई दिल्ली। (ii) च-II, जिला, नई दिल्ली। (iii) वकील सचिव, नई दिल्ली।
2.	विशेष रेंज-III	(i) कम्पनी सचिव III, X, XV, नई दिल्ली। (ii) विशेष सचिव IV और IV (प्रतिरिक्त), नई दिल्ली। (iii) चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट सचिव, नई दिल्ली।
3.	विशेष रेंज-IV	(i) कम्पनी सचिव V, VII, नई दिल्ली। (ii) विशेष सचिव 1, 1 (प्रतिरिक्त) और VII, नई दिल्ली।
4.	'ख' रेंज, नई दिल्ली	(i) जिला III (19), (20), (21), (22), और (23), नई दिल्ली। (ii) जिला VII (1), (2), (3) और (4) नई दिल्ली।

1	2	3
		(iii) विशेष सफिल VIII और VIII (अतिरिक्त) नहीं दिल्ली।
		(iv) विशेष अनुभाग, नहीं दिल्ली
		(v) प्रतिदाय सफिल, नहीं दिल्ली
		(vi) डॉक्टर सफिल, नहीं दिल्ली
		(vii) जिला VII बाईं क, क(1) और ख, नहीं दिल्ली
		(viii) जिला III बाईं क, क (अतिरिक्त), क (अतिरिक्त), 1 'प' और 'ख' (अतिरिक्त) नहीं दिल्ली।
		(ix) जिला ख-I, ख-I(1), ग-I(1) ग-II, और ग-III, नहीं दिल्ली।
5. 'छ' रेंज, नहीं दिल्ली		(i) कम्पनी सफिल XI, XVII और XVIII, नहीं दिल्ली।
		(ii) विशेष सफिल, II, II (अतिरिक्त) और IX नहीं दिल्ली
		(iii) न्यास सफिल, नहीं दिल्ली।
6. 'ज' रेंज, नहीं दिल्ली		(i) जिला VI (1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (10) (अतिरिक्त), (11), (12), (13), (14) और (15) नहीं दिल्ली।
		(ii) आय-कर-एवं-सम्पदा शुल्क सफिल, नहीं दिल्ली
		(iii) अतिरिक्त सम्पदा-शुल्क-एवं-आय-कर सफिल, नहीं दिल्ली
		(iv) जिला VI, बाईं क, क (अतिरिक्त), क(I), क(II), ख(अतिरिक्त) ग, ग (अतिरिक्त), ग(I), ग(I) (अतिरिक्त), घ और ऊ, नहीं दिल्ली।
7. 'ट' रेंज, नहीं दिल्ली		(i) जिला V (7), (8), (9), (10), (11), (11) (अतिरिक्त) (12), (12) (अतिरिक्त) (13), (13) (अतिरिक्त), (14), (15), 15 (अतिरिक्त), (16), (16) (अतिरिक्त), (17), (17) (अतिरिक्त) (18), (19) और (20), नहीं दिल्ली।
		(ii) ख-XII और ख-XV जिले, नहीं दिल्ली।
		(iii) जिला V बाईं क, क (अतिरिक्त), क(1), ख, ख (अतिरिक्त), ख(1) ग, ग(1), (घ), ऊ, घ, घ (1), च (1) (अतिरिक्त),

1	2	3
		त्र(3) और छ, नहीं दिल्ली।
		(iv) आयकर एवं-धन-कर सफिल IX और X नहीं दिल्ली।
		(v) ठेकेदार सफिल, नहीं दिल्ली।
8. 'ड' रेंज, नहीं दिल्ली।		(i) जिला III (25), 25 (अतिरिक्त), (27), (28), (29), (30), (31), (32), (32) (अतिरिक्त), (33), (34) और (35) नहीं दिल्ली।
		(ii) सर्वेक्षण सफिल, नहीं दिल्ली।
		(iii) परिवहन सफिल, नहीं दिल्ली।
		(iv) जिला III बाईं ज, झ, ज, ट, ठ, क(1), ग(1), क (1) छ(1), झ(1), और ट (1), नहीं दिल्ली।
		(v) विशेष सहायक सफिल I, II, III, VI, VII, VIII और X नहीं दिल्ली।
		(vi) विशेष सर्वेक्षण सफिल II, III, IV और IX, नहीं दिल्ली।
		(vii) आय-कर एवं धन-कर सफिल II, नहीं दिल्ली।
		(viii) ख-6, ख-7, ख-8 (अतिरिक्त) ख-9 और ख-9 (अतिरिक्त), नहीं दिल्ली।

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सफिल/बाईं या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तर्गत हो गया हो वहाँ उस आय-कर सफिल/बाईं या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सफिल/बाईं या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थीं; इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसकी उक्त सफिल, बाईं या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) को अन्तर्गत कर दी जाएगी, जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 7-7-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 956-फ० सं० 261/4/75-आई० टी० जे०]

के० आर० रायचन, सचिव

New Delhi, the 7th July, 1975

INCOME TAX

S.O.4267.—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of Section 122 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the schedule appended to its notification No. 728 (F. No. 261/5/74-ITJ) dated the 30th September, 1974 as amended from time to time.

In the said schedule the entries in column 3 against Spl. Range II, III, IV & B-Range, G-Range, H-Range, K-Range and L-Range, New Delhi shall be substituted by the following :—

S. No.	Ranges	Income-tax Circles/Wards/Districts
1	2	3
1. Spl. Range-II.		(i) Companies Circles I, IV, VI, IX, XXI, & XXII, New Delhi. (ii) D-II, Distt., New Delhi. (iii) Lawyer's Circle, New Delhi.
2. Spl. Range-III		(i) Companies Circles III, X, XV, New Delhi. (ii) Spl. Circles IV & IV (Addl.) New Delhi. (iii) Chartered Accountant's Circles, New Delhi.
3. Spl. Range-IV		(i) Companies Circles V & VIII, New Delhi. (ii) Special Circles I, I(Addl.) & VII, New Delhi.
4 'B' Range, New Delhi		(i) Distt. III(19), (20), (21), (22) & (23) New Delhi. (ii) Distt. VII(1), (2), (3) & (4) New Delhi. (iii) Special Circles VIII & VIII(Addl.) New Delhi. (iv) Foreign Section, New Delhi. (v) Refund Circle, New Delhi. (vi) Doctor's Circle, New Delhi. (vii) Distt. VII Wards A, A(I) & B, New Delhi. (viii) Distt. III, Wards A, A(Addl.), A(Addl. I) 'O' & 'O' (Addl.) New Delhi. (ix) Distt. B-I, B-I(I), C-I, C-I(I), C-II & C-III, New Delhi.
5. 'G' Range, New Delhi		(i) Companies Circles XI, XVII & XVIII, New Delhi. (ii) Special Circles, II, II (Addl.) & IX New Delhi. (iii) Trust Circle, New Delhi.
6. 'H' Range, New Delhi		(i) Distt. VI(1), (2), (3), (4), (5), (6), (7), (8), (9), (10), (10)(Addl.), (11), (12), (13), (14), & (15) New Delhi. (ii) Income-tax-cum-Estate Duty Circle, New Delhi. (iii) Addl. Estate Duty-Cum-Income-tax Circle New Delhi. (iv) Distt. VI, Wards A, A(Addl.), A(I), A(II), B(Addl.), C, C(Addl.), C(I), C(I)(Addl.), D&E, New Delhi.
7. 'K' Range, New Delhi.		(i) Distt. V(7), (8), (9), (10), (11), (11)(Addl.), (12), (12)(Addl.), (13), (13)(Addl.), (14), (15), (15)(Addl.), (16), (16)(Addl.), (17), (17)(Addl.), (18), (19), & (20), New Delhi.

1	2	3
		(ii) B-XII & B-XV Distt. New Delhi.
		(iii) Distt. V, Wards A, A(Addl.), A(I), B, B(Addl.), B(I), C, C(I), D.E.F., F(I), F(I)(Addl.), F(III) & G, New Delhi.
		(iv) Income-tax-cum-Wealth tax Circles IX & X New Delhi.
		(v) Contractor's Circle, New Delhi.
8. 'L' Range, New Delhi.		(i) Distt. III(25), (25)(Addl.), (27), (28), (29), (30), (31), (32), (32) (Addl.), (33), (34) & (35), New Delhi. (ii) Survey Circle, New Delhi. (iii) Transport Circle, New Delhi. (iv) Distt. III, Wards, H, I, J, K, L, A(I), C(I), E(I), G(I), I(I), & K(I), New Delhi. (v) Special Asstt. Circles I, II, III, VI, VII, VIII & X, New Delhi. (vi) Special Survey Circle II, III, IV & IX, New Delhi. (vii) Income-tax-cum-Wealth tax Circle, II, New Delhi. (viii) B-VI, B-VII, B-VII(Addl.) B-IX & B-IX(Addl.) New Delhi.

Where an Income-tax Circle Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges from whom that Income-tax Circle Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 7-7-75.

EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary consequent upon the creation of five new circles i.e. Chartered Accountant's Circle Lawyer's Circle, Transport Circle, Contractor's Circle and Doctor's Circle and also because of light work left with A.A.C. G-Range.

(The above note does not form a part of notification but is intended to be merely clarificatory).

[956/F No. 261/4/75-ITJ]

K.R. RAGHAVAN, Secy.

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1975

आय-कर

क्रा० प्रा० 4268.— आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त इसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अपनी अधिसूचना सं० 746 (फा० सं० 261/19/74-आई० टी० जे०) तारीख 10-10-1974, सं० 781 फा० सं० 261/19/

74-आई टी जे) तारीख 25-11-1974 सं० 813 (फा० सं० 261/19/74-आई टी जे) तारीख 9-1-1975 से उपायुक्त अनुसूची और तारीख 20-2-1975 के गृह-पत्र में निम्नलिखित संशोधन करता है।

उक्त अनुसूची में निम्नलिखित परिवर्तन किया जाएगा।

क्रम सं० रेंज जोड़ा गया आय-कर सकिल/वाड़ें

6. ए०ए०सी० रेंज-6, अहमदाबाद एस आई सी 1 से 9, अहमदाबाद के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा।

(i) (क) कम्पली सकिल 1 से 8, अहमदाबाद।

(ख) एस० आई सी० 1, 2, 8 और 9, अहमदाबाद।

यह अधिसूचना 21-7-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 976/फा० सं० 261/15/75-आई० टी० जे०]

New Delhi, the 19th July, 1975

INCOME-TAX

S.O. 4268.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 and of all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the schedule appended to its Notification No. 746 (F. No. 261/19/74-ITJ) dated 10-10-1974 No. 781 (F. No. 261/19/74-ITJ) dated 25-11-1974 No. 813 (F. No. 261/19/74-ITJ) Dated 9-1-1975 and corrigendum dated 20-2-1975.

In this said schedule the following alteration shall be made.

Sl. No.	Range	Income-tax Circle/Ward added
1	2	3
6.	A.A.C. Range-VI, Ahmedabad.	The following shall be substituted in place of SIC. I to IX, Ahmedabad. (i)(a) Companies Circle-I to VIII, Ahmedabad. (b) SIC. I, II, VIII & IX, Ahmedabad.

This notification shall take effect from 21-7-1975.

EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary consequent upon the nomenclature of some of the circles and jurisdictions over some circles has been changed with effect from 2-6-1975.

(The above note does not form a part of notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 976/F No. 261/15/75-ITJ]

फा० सं० 4269.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त इसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा

बोर्ड की अधिसूचना सं० 790 (फा० सं० 261/3/74-आई० टी० जे०) तारीख 13 दिसम्बर, 1974 का आंशिक उद्घाटन करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नोबे की सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट रेंज के सहायक आय-कर आयुक्त (अपील), उसके स्तम्भ (3) में की तत्संबंधी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर सकिलों, वाड़ों और जिलों में आय-कर या अधिकार के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों की बाबत अपने कृत्यों का पालन करेंगे:—

अनुसूची

क्रम सं०	रेंज	आय-कर वाड़ें/सकिल और जिला
8.	ज-रेंज, मुम्बई	1. ए-1 वाड़ें 2. ए-बी वाड़ें और 3. टी० पी० सकिल

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सकिल वाड़ें या जिला या उसका भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तर्गत हो जाता है, वहां उस आय-कर सकिल वाड़ें या जिला या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सकिल, वाड़ें, या जिला या उसका भाग अन्तर्गत हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लंबित अपीलें, उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होगी, उस रेंज के जिसे उक्त सकिल, वाड़ें या जिला या उसका भाग अन्तर्गत हुआ है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तर्गत कर दी जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी।

यह अधिसूचना 19-7-1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 977/फा० सं० 261/9/75-आई० टी० जे०]

एस० रामा स्वामी, अवर सचिव

S. O. 4269.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act 1961, (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of the Board's Notification No. 790 (F. No. 261/3/74-ITJ) dated the 13th December, 1974, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Range specified in column (2) of the schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts, specified in the corresponding entry in column (3) thereof:—

SCHEDULE

Sl. No.	Range	Income-tax Ward/Circles & District
1	2	3
8.	H-Range, Bombay.	1. A-I Ward 2. A-V Ward and 3. T.P. Circle

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward, or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioners of Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof

is transferred shall, from the date this Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 19-7-1975.

EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary consequent on creation a new circle namely "T.P. Circle".

(The above does not form a part of notification but is intended to be merely clarificatory.)

[No. 977-F. No. 261/9/75-ITJ]

S. RAMASWAMY, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1975

आय-कर

का० प्रा० 4270.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 का० सं० 187/2/74-2 (ए० I) तारीख 20 जुलाई, 1974 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

(क) आय-कर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल, IV से संबंधित क्रम सं० 23ग के सामने, स्तम्भ 3 में, 'हुंडी सर्किल, कलकत्ता' को 'जिला 8, कलकत्ता' के रूप में पुनः नामकरण किया जाएगा।

(ख) आय-कर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल VII से संबंधित क्रम सं० 23ग के सामने, स्तम्भ 3 में "5 न्यास सर्किल कलकत्ता" के पश्चात् "पोर्टेड एकाउण्टेन्ट सर्किल कलकत्ता" जोड़ा जाएगा।

यह अधिसूचना 8 अगस्त 1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 1011 का० सं० 187/12/75-आई०टी० (ए० I)]

New Delhi, the 2nd. August, 1975

INCOME-TAX

S.O. 4270.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 679 (F. No. 187/2/74-II(AI), dated the 20th July, 1974 as amended from time to time:—

(a) Against Sl. 23C relating to Commissioner of Income-tax, West Bengal-IV, in column 3 Hundi Circle, Calcutta, shall be re-named as Dist. VIII, Calcutta.

(b) Against Sl. 23F relating to Commissioner of Income-tax, West Bengal-VII, in Column 3, add "6 Chartered Accountants Circle, Calcutta" after "5. Trust Circle, Calcutta."

This notification shall take effect from 8th of August, 1975.

[No. 1011-F. No. 187/12/75-IT(AI)]

81 GI/75—3.

(आय-कर)

का० प्रा० 4271.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समय-समय पर यथासंशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 (का० सं० 187/2/74-2 (ए० I) तारीख 29 जुलाई, 1974 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:

क्रम संख्या 9 के सामने, स्तम्भ (1) (2) और (3) के नीचे की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी।

1	2	3
दिल्ली (केन्द्रीय) नई दिल्ली	(i) दिल्ली स्थित केन्द्रीय सर्किल 1 से 15 तक।	
	(ii) मेरठ स्थित केन्द्रीय सर्किल 1 से 4 तक।	

यह अधिसूचना 4 अगस्त, 1975 से प्रभावी होगी।

[सं० 1012-का० सं० 187/2/74-आई टी (ए-I)]

टी० पी० हुनजुनवाला, सचिव

INCOME-TAX

S.O. 4271.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the schedule appended to its Notification No. 679 (F. No. 187/2/74 —IT (AI) dated the 29th July 1974), as amended from time to time:

Existing entries under column (1), (2) and (3) against serial No. 9 shall be substituted by the following entries.

1	2	3
Delhi (Central)	New Delhi	(i) Central Circles I to XV at Delhi, and
		(ii) Central Circles I to IV at Meerut.

This Notification shall take effect from the 4th August, 1975.

[No. 1012—F. No. 187/2/74-IT(AI)]

T. P. JHUNJHUNWALA, Secy.

(आयकर आयुक्त कार्यालय, पटियाला-I.)

पटियाला, 22 अगस्त, 1975

आयकर

का० प्रा० 4272.—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अधीन ऐसे करवालाओं, व्यष्टियों तथा हिन्दू अविभक्त कुटुम्बों की सूची जिनकी आय वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान 1 लाख रुपये तथा उससे अधिक निर्धारित की गई है — (i) हैमियन के लिए, आई (I) व्यष्टि के लिए, एच (H) हिं० अवि० कुटु० के लिए (ii) निर्धारण वर्ष के लिए, (iii) दो गई ग्राम विवरणी/निर्धारित आय के लिए, (iv) करवाला द्वारा संदेय कर/करवाला द्वारा संवत् कर के लिए है।

1. श्री एच० आर० मोदी मार्फत पटियाला फ्लोर मिल्स (प्रा०) लि०, पटियाला (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,38,080/1,38,080, (iv) 85,896/85,896.
2. श्री चमन लाल मार्फत मैसर्ज आर० एन० गुप्ता एण्ड क०, लुधियाना (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,02,350/1,02,350 61,534/61,534.
3. श्री हरबंस लाल मार्फत मैसर्ज कस्तूरी लाल हर लाल, लुधियाना, (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,16,860/1,16,860 (iv) 70,711/70,711.
4. श्री कस्तूरी लाल मार्फत मैसर्ज कस्तूरी लाल हर लाल, लुधियाना, (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,21,060/1,21,060, (iv) 79,175/79,175.
5. श्रीमती कृष्णा शाम लाल मार्फत मैसर्ज घाकी मल हुकुम चन्द, लुधियाना, (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,02,538/1,03,070, (iv) 60,622/60,622.
6. श्री राज कुमार मार्फत मैसर्ज आर० एन० गुप्ता एण्ड क०, लुधियाना (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,10,162/1,11,940, (iv) 69,376/69,376.
7. श्री रामनाथ मार्फत यथोपरि (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,15,240/1,15,240, (iv) 66,871/66,871.
8. श्री रोशन लाल मार्फत यथोपरि (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,05,790/1,05,790, (iv) 66,765/66,765.
9. श्री शाम लाल मार्फत मैसर्ज घाकीमल हुकुम चन्द, लुधियाना (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,15,107/1,15,107, (iv) 74,099/74,099.
10. मास्टर चेतन मार्फत मैसर्ज किरण सिनेमा, सेक्टर 22, चण्डीगढ़ व्यष्टि (i) 1973-74, (iii) 1,62,856/1,62,856, (iv) 1,17,630/1,17,630.
11. श्री हीरा लाल सिब्बल, एडवोकेट, सेक्टर-4, चण्डीगढ़ (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,20,300/1,23,470, (iv) 81,393/81,393.
12. श्री जगन्नाथ काशाल, एडवोकेट, चण्डीगढ़ (i) व्यष्टि, (ii) 1972-73, (iii) 1,16,655/1,21,850, (iv) 82,738/82,738.
13. श्री जय भगवान गुप्ता मार्फत मैसर्ज मेटल प्रोडक्ट्स आफ इण्डिया, 145, इण्डियन एरिया, चण्डीगढ़ (i) व्यष्टि, (ii) 1971-72, (iii) 2,668/1,74,617, (iv) 6,038/5,720.
14. श्री जयप्रकाश गुप्ता मार्फत यथोपरि (i) व्यष्टि, (ii) 1971-72, (iii) 6,769, (सति)/1,70,212, (iv) 3,886/4,220.
15. मैसर्ज दयानन्द एण्ड सन्ज मार्फत मैसर्ज मुन्जल सेल्स कारपोरेशन, जी० टी० रोड, लुधियाना (i) हिन्दू प्रवि० कु०, (ii) 1973-74, (iii) 1,27,560/1,28,730, (iv) 86,232/86,232.
16. श्रीमती सुदर्शन कुमारी मार्फत यथोपरि (i) व्यष्टि, (ii) 1973-74, (iii) 1,05,230/1,06,390, (iv) 65,679/65,679.
17. श्रीमती वैद्य बती मार्फत यथोपरि (i) व्यष्टि, (ii) 1971-72, (iii) 1,02,605/1,09,570, (iv) 69,201/69,201.
18. श्री बाबू राम भगवान, लुधियाना (i) हि० प्रवि० कु०, (ii) 1964-65, (iii) 72,237/1,46,880 (iv) 80,046/26,472 1965-66 (iii) 1,61,310/7,50,003, (iv) 3,96,966/631,67.

19. श्री रमेश कुमार, लुधियाना (i) व्यष्टि, (ii) 1965-66, (iii) 55,541/2,62,250, (iv) 1,13,581/16,193.

20. श्री शिव कुमार, लुधियाना (i) व्यष्टि, (ii) 1965-66, (iii) 55,541/2,62,250, (iv) 1,13,581/गुन्म

21. श्री मंगल राय, लुधियाना (i) व्यष्टि, (ii) 1964-65, (iii) 68,990/1,31,730, (iv) 70,861/22,454, (ii) 1965-66, (iii) 1,58,080/7,46,400, (iv) 3,95,004/61,954.

22. श्री इन्दर मोहन सिंह ब्रेवाल, रतन बिल्डिंग, सिविल लाइन्ज, लुधियाना, (i) व्यष्टि, (ii) 1971-72, (iii) 95,732/1,00,350, (iv) 58,000/58,000.

[[फा० सं० रैक/प्रकाशन) संख्या I]

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Patiala, the 22nd August, 1975

Income-Tax

S.O. 4272.—List of assessee, individuals, and HUFs assessed on an income of Rs. 1 lakh of and above during the financial year 1973-74 u/s 287 of the Income-tax Act, 1961—(i) is for status, 'I' for individual, 'H' for HUF, (ii) for assessment year, (iii) for income returned/income assessed, (iv) for tax payable by the assessee/tax paid by the assessee.

1. Sh. H. R. Modi C/o Patiala Flour Mills (P) Ltd., Patiala, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,38,080/1,38,989, (iv) 85,896/85,896.
2. Sh. Chaman Lal C/o M/s. R. N. Gupta & Co., Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,02,350/1,02,350, (iv) 61,534/61,534.
3. Sh. Harbans Lal C/o M/s. Kasturi Lal Har Lal, Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,16,860/1,16,860, (iv) 70,711/70,711.
4. Sh. Kasturi Lal C/o M/s. Kasturi Lal Har Lal, Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,21,060/1,21,066, (iv) 79,175/79,175.
5. Smt. Krishna Sham Lal C/o M/s. Ghaki Mal Hukam Chand Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,02,538/1,03,070, (iv) 60,622/60,622.
6. Sh. Raj Kumar C/o M/s. R. N. Gupta & Co., Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,10,162/1,11,940, (iv) 69,376/69,376.
7. Sh. Ram Nath C/o above, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,15,240/1,15,240, (iv) 66,871/66,871.
8. Sh. Roshan Lal C/o above, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,05,790/1,05,790, (iv) 66,765/66,765.
9. Sh. Sham Lal C/o M/s. Ghaki Mal Hukam Chand, Ludhiana, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,15,107/1,15,107, (iv) 74,099/74,099.
10. Master Chetan C/o M/s. Kiran Cinema, Sector 22, Chandigarh, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,62,856/1,62,856, (iv) 1,17,630/1,17,630.
11. Sh. Hira Lal Sibbal, Advocate, Sector 4, Chandigarh, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) 1,20,300/1,23,470, (iv) 81,393/81,393.
12. Sh. Jagan Nath Kaushal, Advocate, Chandigarh, (i) I, (ii) 1972-73, (iii) 1,16,655/1,21,850, (iv) 82,738/82,738.
13. Sh. Jai Bhagwan Gupta C/o Metal Products of India, 145, Industrial Area, Chandigarh, (i) I, (ii) 1971-72, (iii) 2,668/1,74,617, (iv) 6,038/5,729.

14. Sh. Jai Parkash Gupta C/o above. (i)I, (ii) 1971-72, (iii) 6,769 (Loss)/1,70,212, (iv) 3,886/4,220.
15. M/s. Daya Nand & Sons C/o M/s. Munjal Sales Corporation, G. T. Road, Ludhiana, (i)H, (ii) 1973-74, (iii) 1,27,560/1,28,730, (iv) 86,232/86,232.
16. Smt. Sudershan Kumari C/o above, (i)I, (ii) 1973-74, (iii) 1,05,230/1,06,390, (iv) 65,679/65,679.
17. Smt. Ved Wati C/o above, (i)I, (ii) 1971-72, (iii) 1,02,605/1,09,570, (iv) 69,201/69,201.
18. Sh. Babu Ram Aggarwal, Ludhiana, (i)H, (ii) 1965-65, (iii) 72,236/1,46,880, (iv) 80,046/26,472. (ii) 1965-66, (iii) 1,61,310/7,50,003, (iv) 3,96,966/63,167.
19. Sh. Ramesh Kumar, Ludhiana, (i)I, (ii) 1965-66, (iii) 55,541/2,62,250, (iv) 1,13,581/16,193.
20. Sh. Shiv Kumar, Ludhiana, (i)I, (ii) 1965-66, (iii) 55,541/2,62,250, (iv) 1,13,581/NIL.
21. Sh. Mangat Rai, Ludhiana, (i)I, (ii) 1964-65, (iii) 68,990/1,31,730, (iv) 70,861/22,454, (ii) 1965-66, (iii) 1,58,080/7,46,400, (iv) 3,95,004/61,954.
22. Sh. Inder Mohan Singh Grewal, Rattan Building, Civil Lines, Ludhiana, (i)I, (ii) 1971-72, (iii) 95,732/1,00,350, (iv) 58,000/58,000.

[F. No. Rec/Publication No. 1]

भायकर

का० प्रा० 4273.—भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अधीन ऐसी सभी फार्मों, व्यक्तिगत तथा कम्पनियों की सूची, जिनकी आय वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान 10 लाख रुपये से अधिक निर्धारित की गई है—

(i) हैसियत के लिए क. (COY) कम्पनी के लिए, 'क' फर्म के लिए (ii) निर्धारण वर्ष के लिए (iii) बी गई धन विवरणी/निर्धारित धन के लिए (iv) करदाता द्वारा संदेयकर/करदाता द्वारा संदत्त कर के लिए है।

1. मैसर्स नेशनल सोरियल्स प्रोडक्ट्स लि०, सोलन (i) कम्पनी (ii) 1973-74 (iii) 10,27,190/10,32,340 (iv) 5,94,543/5,94,543.

2. मैसर्स मोहन मेकन बीब्रेरीज लि०, सोलन (i) कम्पनी (ii) 1972-73 (ii) 2,11,30,600/2,16,64,290 (iv) 1,22,14,059/1,22,14,059

3. मैसर्स गिर्सन कनिटिंग वर्क्स, सबन बाजार, लुधियाना (i) फर्म (ii) 1965-66 (iii) 4,27,242/20,17,290 (iv) 2,82,690/53,722.

4. मैसर्स पानीपत वूलन एण्ड जनरल मिल्स (प्रा०) लि० खरड़ (समापन के अधीन) (i) कम्पनी (ii) 1971-72 (iii) 12,86,819 (भति)/17,45,550 (आय) (iv) 11,21,167/शून्य।

[का० सं० रेक/प्रकाशन सं० 2]

INCOME-TAX

S.O. 4273.—List of all Fines, AOPs and companies assessed on an income over Rs. 10 lakhs during the financial year 1973-74 under section 287 of the I.T. Act, 1961—

(i) is for status, 'Coy.' for company, 'F' for firm, (ii) for assessment year, (iii) for income returned/income assessed, (iv) Tax payable by the assessee/Tax paid by the assessee.

1. M/s. National Cereals Products Ltd., Solan (i) Coy. (ii) 1973-74, (iii) 10,27,190/10,32,340, (iv) 5,94,543/5,94,543.

2. M/s. Mohan Meakins Breweries Ltd., Solan, (i) Coy. (ii) 1972-73, (iii) 2,11,30,600/2,16,64,290, (iv) 1,22,14,059/1,22,14,059.

3. M/s. Girson Knitting Works, Saban Bazar, Ludhiana, (i) 'F', (ii) 1965-66, (iii) 4,27,242/20,17,290, (iv) 2,82,690/53,722.

4. M/s. Panipat Woollen & General Mills (P) Ltd., Kharar (Under Liquidation) (i) Coy, (ii) 1971-72, (iii) 12,86,819/(Loss)/17,45,550 (Income), (iv) 11,21,167/Nil.

[F. No. Rec/Publication No. 2]

भायकर

का० प्रा० 4274.—भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अधीन ऐसे करदाताओं की सूची जिन पर वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान आय की विवरणी (Return) न फाइल करने अथवा लेखा बहियों को प्रस्तुत करने के कारण 5 हजार रुपये से अधिक की शास्ति लगाई गई है, (i) हैसियत के लिए, 'प्राई' (I) व्यष्टि के लिए, 'एच' (H) हि० अवि० कुटु० के लिए एफ 'F' फर्म के लिए (ii) निर्धारण वर्ष के लिए (iii) शास्ति की रकम के लिए है।

1. श्री बाबू राम अग्रवाल, तालाब मण्डी रोड, लुधियाना (i) हि० अवि० कुटु० (ii) 1967-68 (iii) 11,600

2. मैसर्स गिर्सन कनिटिंग वर्क्स, सबन बाजार, लुधियाना (i) फर्म (ii) 1969-70 (iii) 7,990/-

3. श्री जय भगवान, मैसर्स मेटल प्रोडक्ट्स प्राफ इण्डिया के भारतीय, 145, इण्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़, (i) व्यष्टि (ii) 1968-69 (iii) 14,175.

4. मैसर्स मेटल प्रोडक्ट्स प्राफ इण्डिया, इण्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ (i) फर्म (ii) 1967-68 (iii) 19,567.

5. श्री शिव कुमार गुप्ता मार्फत यथोपरि. (i) व्यष्टि (ii) 1967-68 (iii) 15,115 (ii) 1968-69 (iii) 8,938.

भायकर

[का० सं० रेक/प्रकाशन सं० 3]

INCOME-TAX

S.O. 4274.—List of assessee on whom a penalty of not less than Rs. 5 thousand was imposed for failure to file returns of income or to produce books of account during the financial year 1973-74 u/s 287 of I.T. Act, 1961—(i) Stands for status, 'I' for individual, 'H' for HUF, 'F' for Firm, (ii) for assessment year, (iii) for amount of penalty.

1. Sh. Babu Ram Aggarwal, Talab Mandi Road, Ludhiana, (i)H, (ii) 1967-68, (iii) 11,600.

2. M/s. Girson Knitting Works, Saban Bazar, Ludhiana, (i)F, (ii) 1969-70, (iii) 7,990.

3. Sh. Jai Bhagwan M/s. Metal Products of India, 145, Industrial Area, Chandigarh, (i)I, (ii) 1968-69, (iii) 14,175.

4. M/s. Metal Products of India, 145, Industrial Area, Chandigarh, (i)F, (ii) 1967-68, (iii) 19,567.

5. Sh. Shiv Kumar Gupta C/o above, (i) I, (ii) 1967-68, (iii) 15,115, (ii) 1968-69, (iii) 8,938.

[F. No. Rec/Publication No. 3]

आयकर

INCOME-TAX

का० प्रा० 4275.—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अधीन ऐसे करदाताओं की सूची जिन पर वित्तीय वर्ष 1973-74 के दौरान भ्राम छिपाने के कारण पांच हजार रुपये से अत्युन्न शास्ति लगाई गई थी (i) हेसियत के लिए, एक (F) फर्म के लिए, एक (H) हि० अधि० कुटु० के लिए (ii) निर्धारण वर्ष के लिए (iii) शास्ति की रकम के लिए है।

1. मैसर्स बन्ता सिंह करतार सिंह, मण्डी गोबिन्दगढ़, (i) फर्म (ii) 1966-67, (iii) 32,188.
2. मैसर्स मेटल प्रोडक्ट्स आफ इण्डिया, 145, इन्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ (i) फर्म (ii) 1966-67, (iii) 12,000.
3. श्री बाबू राम अग्रवाल, तालाब मण्डी रोड, लुधियाना (i) हि० अधि० कुटु० (ii) 1967-68 (iii) 7,250 (ii) 1968-69 (iii) 54,526 (ii) 1969-70 (iii) 15,000.
4. मैसर्स गिरीन निर्दिष्ट बक्स, सबन बाजार, लुधियाना (i) फर्म (ii) 1968-69 (iii) 24,000 (ii) 1969-70 (iii) 17,437.
5. मैसर्स राम प्रसाद कियार नाथ, सबन बाजार, लुधियाना, (i) फर्म (ii) 1967-68 (iii) 5,000 (ii) 1968-69 (iii) 7,050 (ii) 1969-70 (iii) 5,300.

[का० सं० रेक/प्रशासन सं. 4]

वी० पी० गुप्ता, आयुक्त

S.O. 4275.—List of assesseees of whom a penalty of not less than Rs. 5 thousand was imposed for concealment of income during the financial year 1973-74 under section 287 of I.T. Act, 1961—(i) stands for status, 'F' for firm, 'H' for HUF, (ii) stands for assessment year, (iii) for amount of penalty.

1. M/s. Banta Singh Kartar Singh, Mandi Gobindgarh, (i) F, (ii) 1966-67, (iii) 32,188.
2. M/s. Metal Products of India, 145, Industrial Area, Chandigarh, (i), (ii) 1966-67, (iii) 12,000.
3. Sh. Babu Ram Aggarwal, Talab Mandi Road, Ludhiana, (i) H, (ii) 1967-68, (iii) 7,250, (ii) 1968-69 (iii) 54,526, (ii) 1969-70, (iii) 15,000.
4. M/s. Girson Knitting Works, Saban Bazar, Ludhiana, (i) F, (ii) 1968-69, (iii) 24,000, (ii) 1969-70, (iii) 17,437.
5. M/s. Ram Parshad Kidar Nath, Saban Bazar, Ludhiana, (i) F, (ii) 1967-68, (iii) 5,000, (ii) 1968-69, (iii) 7,050, (ii) 1969-70, (iii) 5,300.

[F. No. Rec/Publication No. 4]

V. P. GUPTA, Commissioner.

सम्पदा कर आयुक्त कार्यालय विषय एवं मराठवाडा

नागपुर, 10 सितम्बर, 1975

का० प्रा० 4276.—भूकिकेन्द्रीय सरकार की राय में यह आवश्यक और उचित है कि 1973-74 से प्रारम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष में और उससे आगे की अवधि में जिन निर्धारितियों की 10 लाख रुपये से अधिक की निवल सम्पदा पर सम्पदा कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत कर निर्धारण किया गया हो उनके नाम और उनसे सम्बन्धित अन्य व्योरे, जिनका इसके आगे उल्लेख किया गया है, लोकहित में प्रकाशित किये जाएं :

भूकिकेन्द्रीय सरकार ने अपने तारीख 7-1-75 के आदेश से इन व्योरो को प्रकाशित करने का प्राधिकार तथा निर्देश दिया है।

अब, अतः, सम्पदा कर आयुक्त विषय एवं मराठवाडा. नागपुर एतद्वारा उन निर्धारितियों के नाम और उनसे सम्बन्धित अन्य व्योरे प्रकाशित करते हैं जिनकी 10 लाख से अधिक सम्पदा पर वित्तीय वर्ष 1974-75 के दौरान नीचे दिए अनुसार कर निर्धारण किया गया है :—

क्रम संख्या	निर्धारितों का नाम और पता	हेसियत	निर्धारण वर्ष	विवरणों में दिखाई गई सम्पदा	निर्धारित की गई सम्पदा	अदायगी योग्य कर	अदा किया गया कर
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	बजाज विमलदेवी श्री मती वर्धा	व्यष्टि	1973-74	1057400	1056900	16707	16707
2.	बजाज मधुरकुमार, वर्धा	वही	1971-72	1665730	1710100	37404	37404
3.	-वही-	वही	1972-73	1733040	1733100	48643	48643
4.	-वही-	वही	1973-74	2028100	2028400	72248	72248
5.	बजाज शेखरकुमार वर्धा	वही	1971-72	1302000	1337100	24113	24113
6.	-वही-	वही	1972-73	1373100	1373000	26190	26190
7.	बजाज शेखरकुमार वर्धा	व्यष्टि	1973-74	1608200	1608200	38656	38656
8.	बजाज शिविरकुमार, वर्धा ।	वही	1972-73	1826000	1826000	56080	56080
9.	-वही-	वही	1973-74	2218200	2218300	87464	87464

1	2	3	4	5	6	7	8
10.	बजाज कमलनयन, वर्धा	हिन्दु अविभक्त परिवार	1973-74	1200500	1201200	21036	21015
11.	-वही-	-वही	1974-75	1458900	1458900	61713	61713
12.	बजाज रामकृष्णा, वर्धा	वही	1973-74	120200	1201200	21036	21036
13.	-वही-	वही	1974-75	1437800	1437800	60024	60024
14.	बजाज रुप रानी श्रीमती वर्धा	व्यष्टि	1972-73	1133100	1133800	19014	18993
15.	-वही-	वही	1973-74	1449000	1450000	28500	27924
16.	वही	वही	1972-74	1676600	1677300	44184	44126
17.	बजाज राहुलकुमार वर्धा	वही	1972-73	1913500	1913500	63080	63080
18.	वही	वही	1973-74	2471500	2471500	107720	107720
19.	वही	वही	1974-75	2697700	2697700	125816	125816
20.	बजाज राहुलकुमार वर्धा ।	हिन्दु अविभक्त परिवार	1974-75	1120200	1120200	34616	34616
21.	मधुकान्त, लक्ष्मीचन्द्र सेखू ।	व्यष्टि	1972-73	895330	1470000	29100	12907
22.	वही	वही	1974-75	958900	1650000	42000	14178
23.	मणिकान्त लक्ष्मीचन्द्र, सेखू ।	व्यष्टि	1972-73	905230	1650000	42000	13105
24.	वही	वही	1974-75	935500	1650000	42000	13710
25.	रत्नीलाल पदमसोरी सेखू ।	हिन्दु अविभक्त परिवार	1972-73	709840	1900000	62000	9196
26.	वही	वही	1974-75	535460	2000000	70,0000	11153

[सं० प्रकाशन/सम्पदा कर/42-ए/74-75]

(Office of the Commissioner of Wealth-tax, Vidarbha and Marathawada)
Nagpur, the 10th September, 1975

S.O. 4276.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assessee who have been assessed under the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year commencing from 1973-74 and onwards;

And whereas the Central Government has authorised and directed to publish such particulars by their order dated 7-1-75;

Now, therefore, the Commissioner of Wealth-tax, Vidarbha and Marathwada, Nagpur hereby publishes the names and other particulars relating to assessee who have been assessed on a net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year 1974-75 as under:—

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Assmt. Year	Wealth returned	Wealth assessed	Tax payable	Tax paid
1	2	3	4	5	6	7	8
				Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.	Bajaj Vimaladevi Smt., Wardha	Indl.	1973-74	10,57,400	10,56,900	16,707	16,707
2.	Bajaj Madhurkumar, Wardha	Do.	1971-72	16,65,730	17,10,100	37,404	37,404
3.	Do.	Do.	1972-73	17,330,040	17,33,100	48,643	48,643
4.	Do.	Do.	1973-74	20,28,100	20,28,400	72,248	72,248
5.	Bajaj Shekharkumar, Wardha	Do.	1971-72	13,02,000	13,37,100	24,113	24,113
6.	Do.	Do.	1972-73	13,73,100	13,73,000	26,190	26,190
7.	Do.	Do.	1973-74	16,08,200	16,08,200	38,656	38,656
8.	Bajaj Shishirkumar, Wardha	Do.	1972-73	18,26,000	18,26,000	56,080	56,080
9.	Do.	Do.	1973-74	22,18,200	22,18,300	87,464	87,464
10.	Bajaj Kamalnayan, Wardha	H.U.F.	1973-74	12,00,500	12,01,200	21,036	21,015
11.	Do.	Do.	1974-75	14,58,900	14,58,900	61,713	61,713
12.	Bajaj Ramkrishna, Wardha	Do.	1973-74	12,01,200	12,01,200	21,036	21,036
13.	Do.	Do.	1974-75	14,37,800	14,37,800	60,024	60,024

1	2	3	4	5	6	7	8
14. Bajaj Ruparani Smt., Wardha	.	Indl.	1972-73	11,33,100	11,33,800	19,014	18,993
15. Do.	.	Do.	1973-74	14,49,000	14,50,000	28,500	27,924
16. Do.	.	Do.	1974-75	16,76,600	16,77,300	44,184	44,126
17. Bajaj Rahulkumar, Wardha	.	Do.	1972-73	19,13,500	19,13,500	63,080	63,080
18. Do.	.	Do.	1973-74	24,71,500	24,71,500	1,07,720	1,07,720
19. Do.	.	Do.	1974-75	26,97,700	26,97,700	1,25,816	1,25,816
20. Do.	.	H.U.F.	1974-75	11,20,200	11,20,200	34,616	34,616
21. Madhukant Laxmichand, Sailu	.	Indl.	1972-73	8,95,330	14,70,000	29,100	12,907
22. Do.	.	Do.	1974-75	9,58,900	16,50,000	42,000	14,178
23. Manikant Laxmichand, Sailu	.	Do.	1972-73	9,05,230	16,50,000	42,000	13,105
24. Do.	.	Do.	1974-75	9,35,500	16,50,000	42,000	13,710
25. Ratilal Padamsey, Sailu	.	H.U.F.	1972-73	7,09,840	19,00,000	62,000	9,196
26. Do.	.	Do.	1974-75	5,35,460	2,00,000	70,000	11,153

[No. Publication/WT/42-A/74-75]

का० आ० 4277.—चूंकि केन्द्रीय सरकार की राय में लोकहित में यह आवश्यक और उचित है कि वित्तीय वर्ष 1974-75 के दौरान निम्न-लिखित प्रकार के निर्धारितियों के नाम और अन्य व्यौरों, जिनका इसके भागे उल्लेख किया गया है, प्रकाशित किए जाएं :—

(1) व्यष्टि या हिन्दू अविभक्त परिवार, जिनकी आय 1 लाख रुपये से अधिक निर्धारित की गई हो, और

(2) फर्म, कम्पनियां या अन्य व्यक्ति संगम जिनकी आय 10 लाख रुपये से अधिक निर्धारित की गई हो।

और चूंकि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 287 (1961 का 43) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा अन्य ऐसी सभी शक्तियों द्वारा जिनसे इसके लिए उसको समर्थ किया गया हो, प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग से केन्द्रीय सरकार ने इन व्यौरों को प्रकाशित करने का प्राधिकार और निर्वण विधा है ;

अथ, अतः आयकर आयुक्त, विविध एवम् मराठवाडा, नागपुर एतद्द्वारा यहां संलग्न की गई अनुसूची i और ii के अनुसार ऐसे निर्धारितियों के नाम और उनसे सम्बन्धित अन्य व्यौरों प्रकाशित करते हैं :—

अनुसूची—I

ऐसे सभी विनिष्ट और हिन्दू अविभक्त परिवारों के नाम जिनकी आय वित्तीय वर्ष 1974-75 के दौरान 1 लाख रुपये से अधिक निर्धारित की गई है।

क्रम सं०	निर्धारितों का नाम और पता	वैसयत	निर्धारण वर्ष	विवरणों में दिखाई गई आय	निर्धारित की गई आय	निर्धारितों द्वारा प्रदायगी योग्य कर	निर्धारितों द्वारा दिया गया कर
1	2	3	4	5	6	7	8
				र०	र०	र०	र०
1.	श्री अविनी कुमार पटेल, कुडवा साइन, गोंविया	व्यष्टि	1974-75	1,33,754	1,34,200	80305	80305
2.	श्री अशोक कुमार पटेल, कुडवा साइन, गोंविया अविभक्त परिवार गोविया	वही	1974-75	1,38,020	138470	87550	87550
3.	श्री असगर अली हुसन घली, नागपुर	व्यष्टि	1972-73	174070	192744	142450	142450
4.	श्री अजय मधुर कुमार [वर्धा]	वही	1973-74	162470	162480	117281	117281
5.	श्री अजय राहुलकुमार वर्धा।	वही	1973-74	218280	218280	169638	169638
6.	श्री अजय भिरिकुमार वर्धा।	[वही]	1973-74	119280	119280	77537	77537
7.	श्री अजय शेखरकुमार वर्धा।	वही	वही	123140	123140	81089	81089
8.	श्री फकुहीन मो० अली प्रोप० मैसर्स जनरल इंजीनियरिंग मिल, स्टोअर्स, नागपुर।	वही	1972-73	66135	107570	87311	कुछ नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8
				₹०	₹०	₹०	₹०
9.	श्री हाजी सलार, मार्फत मैसज हाजी सलीफ गनी अच्छी नागपुर।	व्यष्टि	1973-74	262775	264890	213036	211092
10.	श्री हाजीबली मोहं रंगारी मोहल्ला, धोराजी।	वही	1973-74	251430	253343	202237	199946
11.	श्री हाजी गफार रंगारी मोहल्ला, धोराजी	वही	1973-74	258425	257719	206223	206223
12.	श्री हीरालाल एन० हिरानी, वणी।	वही	1972-73	73548	103980	68941	6800
13.	श्री इकबाल हुसेन अंस गरधली, मानिसार स० अस्लाबकी एण्ड सस, इतबारा, नागपुर।	वही	1973-74	106730	106730	65875	65875
14.	श्री बन्धुकांत मोर, तुमसर	हिन्दू अभिषक्त परिवार	1955-56	63904	325252	243134	कुछ नहीं
15.	श्री मोर जमनाधर, तुमसर।	व्यष्टि	1968-69	68095	101946	73036	7070
16.	श्री मोर रामनारायण तुमसर	वही	1955-56	47789	421076	319084	कुछ नहीं
17.	श्री रामनारायण मोर स्व० फतेचन्द मोर के विधि प्रतिनिधि, तुमसर	वही	1955-56	6109	334156	248625	कुछ नहीं
18.	श्री फडके एम० एन० सिद्धिल लाबन, नागपुर	वही	1974-75	144930	147935	113282	100993
19.	श्री रावजी भाई धोरी भाई रेल टोली, गोविया	वही	1973-74	218870	218870	173781	170245
20.	वही	वही	1974-75	106175	106730	66637	66637
21.	मैसस रामकृष्ण राम नाथ, कामडी	हिन्दू अभिषक्त परिवार	1956-57	152054	631010	316215	कुछ नहीं
22.	वही	वही	1957-58	108537	1500760	935454	कुछ नहीं
23.	सकीनाबाई, पत्नी मुकुं अली, श्रीमती नागपुर	व्यष्टि	1973-74	111100	118566	77574	68230
24.	श्री वाडेरा बुधीलाल, हिरजी कार्टेगे साईन गोविया	वही	1974-75	162950	162980	118921	118921
25.	श्री उमिल बेबर, बल्लारपुर	वही	1974-75	344080	712660	660092	660092

अनुसूची-II

ऐसे सभी फर्मों, व्यक्ति संगमों, (एग्रीजिएशन आफ पर्सन और कम्पनियों के नाम जिनकी आय वित्तीय वर्ष 1974-75 के दौरान दस लाख रुपय से अधिक निर्धारित की गई है।

क्रम संख्या	निर्धारित का नाम और पता	हैसियत	निर्धारण वर्ष	विवरण में दिखाई गई आय	निर्धारित की गई आय	निर्धारित द्वारा प्रदायणी योग्य कर	निर्धारित द्वारा दिया गया कर
1	2	3	4	5	6	7	8
				कुछ	नहीं		

S.O. 4277—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assesseees:

(i) being Individuals, or Hindu Undivided Families, who have been assessed on an income of more than one lakh of rupees, and

(ii) being Firms, Companies, or other Association of persons, who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees during the financial year 1974-75 ;

And whereas in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling them in this behalf the Central Govt. has authorised and directed to publish such particulars;

Now, therefore, the Commissioner of Incometax, Vidarbha and Marathwada, Nagpur hereby publishes the names and other particulars relating to such assesseees as in Schedule-I and II hereto annexed:—

SCHEDULE I

Names of all Individuals and Hindu Undivided Families assessed on income of over Rs. 1 lakh during the financial year 1974-75

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Asstt Year	Income returned	Income assessed	Tax payable by the assessee	Tax paid by the assessee
1	2	3	4	5	6	7	8
				Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1.	Shri Ashwanikumar Patel, Kudwaline Gondia	Indl.	1974-75	1,33,754	1,34,200	80,305	80,305
2.	Shri Ashokkumar Patel, Kudwaline, Gondia	H.U.F.	1974-75	1,38,020	1,38,470	87,550	87,550
3.	Shri Ashgarali Hasanali, Nagpur	Indl.	1972-73	1,74,070	1,92,744	1,42,450	1,42,450
4.	Bajaj Madhukumar, Wardha	Do.	1973-74	1,62,470	1,62,480	1,17,281	1,17,281
5.	Shri Bajaj Rahaulkumar, Wardha	Do.	1973-74	2,18,280	2,18,280	1,69,638	1,69,638
6.	Shri Bajaj Shishirkumar, Wardha	Do.	1973-74	1,19,280	1,19,280	77,537	77,537
7.	Shri Bajaj Shekharkumar, Wardha	Do.	1973-74	1,23,140	1,23,140	81,089	81,089
8.	Shri Fakruddin Mohd. Ali, Prop. M/s. General Engg. Mill, Stores Nagpur	Do.	1972-73	66,135	1,07,570	87,311	Nil.
9.	Shri Haji Sattar, C/o. M/s. Haji Latif Gani Kachhi, Nagpur	Do.	1973-74	2,62,775	2,64,690	2,13,036	2,11,092
10.	Shri Haji Wali Mohd. Rangari Mohalla, Dhoraji	Do.	1973-74	2,51,430	2,53,343	2,02,237	1,99,946
11.	Shri Haji Gaffar, Rangari Mohalla, Dhoraji	Do.	1973-74	2,58,425	2,57,719	2,06,223	2,06,223
12.	Shri Hiralal N. Hirani, Wani	Do.	1972-73	73,548	1,03,980	68,941	6,600
13.	Shri Iqbal Hussain Asgharali, M/s. Allabuxji & Sons, Itwari, Nagpur	Do.	1973-74	1,06,730	1,06,730	65,875	65,875
14.	Shri Chandrakant, Mor, Tumsar	H.U.F.	1955-56	63,904	3,25,252	2,43,134	Nil.
15.	Shri Mor Jannadhar, Tumsar	Indl.	1968-69	68,095	1,01,946	73,036	7,070
16.	Shri Mor Ramnarayan, Tumsar	Do.	1955-56	47,789	4,21,076	3,19,084	Nil.
17.	Shri Ramnarayan Mor-L/Representative of Late Shri Fatechand Mor, Tumsar	Do.	1955-56	6,109	3,34,156	2,48,625	Nil.
18.	Shri Phadke, M.N., Civil Lines, Nagpur	Do.	1974-75	1,44,930	1,47,935	1,13,282	1,00,993
19.	Shri Raojibhai Dhoribhai, Railtoly, Gondia	Do.	1973-74	2,18,870	2,18,870	1,73,781	1,70,245
20.	Do.	Do.	1974-75	1,06,175	1,06,730	66,637	66,637
21.	M/s. Ramkrishna Ramnath, Kamptee	HUF	1956-57 (—)	1,52,054	6,31,010	3,16,215	Nil.
22.	Do.	Do.	1957-58 (—)	1,08,537	15,00,760	9,35,454	Nil.
23.	Sakinabai W/o. Yusufali, Smt. Nagpur	Indl.	1973-74	1,11,100	1,18,566	77,574	68,230
24.	Shri Wadera Chunnilal Hirji, Katangi-Line, Gondia	Do.	1974-75	1,62,950	1,62,980	1,18,921	1,18,921
25.	Shri Emil Webar, Ballarpur	Do.	1974-75	3,44,080	7,12,660	6,60,092	6,60,092

SCHEDULE II

Names of all firms, Association of persons and Companies assessed on income of over Rs. 10 lakhs during the Financial year 1974-75

Sl. No.	Name & address of the assessee	Status	Asstt. Year	Income returned	Income assessed	Tax payable by the assessee	Tax paid by the assessee
1	2	3	4	5	6	7	8
—NIL—							

[No. SIB/287/1/74-75]

का० प्रा० 4278.—चूंकि केन्द्रीय सरकार की राय में यह आवश्यक और उचित है कि जिन निर्धारितियों पर 1 वत्सीय वर्ष 1974-75 के दौरान कम से कम 5,000 रु० का अर्थ वण्ड लगाया गया था, उनके नाम और उनसे सम्बन्धित अन्य व्योरे, जिनका इसके प्रागे उल्लेख किया गया है, प्रकाशित किए जाएं।

और चूंकि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा, 287 (1961 का 43) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा अन्य ऐसी सभी शक्तियों द्वारा, जिनसे की उसके लिए उनको समर्थ किया गया हो, प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग से केन्द्रीय सरकार ने इन व्योरों को प्रकाशित करने का प्राधिकार और निर्देश दिया है।

अब, अब, आयकर आयुक्त, विदर्भ एवम् मराठवाडा, नागपुर यहां संयुक्त अनुसूची के अनुसार ये व्योरे प्रकाशित करते हैं :-

अनुसूची

क्रम सं०	निर्धारित का नाम और पता	हैसियत	निर्धारण वर्ष	दण्ड की राशि	धारा जिसके अन्तर्गत दण्ड लगाया गया
1	2	3	4	4	6
1.	मैसर्स बलाराम तोलूराम कर्ता आर० एस० सेठ, गोपी कपिलन अग्रवाल, तुमसर।	हिन्दू अविमक्त परिवार	1971-72	रु० 27,000	271(1)(सी)
2.	मैसर्स लोहिया ब्रदर्स, कामठी	रजिस्टर्ड फर्म	1970-71	रु० 30,457	271(1)(ए)
3.	—वही—	—वही—	1970-71	रु० 10,000	140ए(3)
4.	मैसर्स रामकृष्ण राम नाथ, कामठी	हिन्दू अविमक्त परिवार	1952-53	रु० 20,000	271(1)(सी)
5.	—वही—	—वही—	1953-54	रु० 40,000	271(1)(सी)
6.	—वही—	—वही—	1954-55	रु० 10,000	271(1)(सी)
7.	श्री डी० एम० श्रीपाद स्व० बी० एम० श्रीपाद के विधि उत्तराधिकार, नागपुर	व्यष्टि	1970-71	रु० 6,000	271(1)(सी)

[सं० एस०आई०बी०/287/2/74-75]

कलवंतराय, आयुक्त

S.O. 4278—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient to publish the names and the other particulars hereinafter specified relating to assesseees on whom penalty of not less than Rs. 5000 was imposed during the financial year 1974-75;

And whereas in exercise of the powers conferred by the Section 287 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling them in this behalf the Central Government has authorised and directed to publish such particulars;

Now, therefore, the Commissioner of Incometax, Vidarbha and Marathwada, Nagpur publishes such particulars as in the Schedule hereto annexed :—

SCHEDULE

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status	Asstt. Year	Amount of penalty	Sec. under which the penalty was imposed.
1	2	3	4	5	6
				Rs.	
1.	M/s. Balaram Toluram Karta R.S. Seth Gopikisan Agarwal, Tumsar.	H.U.F.	1971-72	27,000	271(1)(c)
2.	M/s. Loiya Brothers, Kamptee	R.F.	1970-71	30,457	271(1)(a)
3.	Do.	Do.	1970-71	10,000	140A(3)
4.	M/s. Ramkrishna Ramnath, Kamptee	H.U.F.	1952-53	20,000	271(1)(b)
5.	Do.	Do.	1953-54	40,000	271(1)(b)
6.	Do.	Do.	1954-55	10,000	271(1)(b)
7.	Shri D.M. Shripad-Legal Heir of late B.M. Shripad, Nagpur	Indl.	1970-71	6,000	271(1)(c)

[No. SIB/287/2/74-75]

KALWANT RAI, Commissioner

वाणिज्य संचालन

उपाध्व 1

आदेश

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1975

का०मा० 4279.—केन्द्रीय सरकार की नियति (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है कि निर्यात से पूर्व रोजिन का निरीक्षण किया जाय।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें नियति (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम II के उपनियम (2) द्वारा यथा-अपेक्षित निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है:

अतः केन्द्रीय सरकार अथ, उक्त उप-नियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनका उनसे प्रभावित होना सम्भाव्य है।

2. यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में, कोई आक्षेप या सुझाव देने की इच्छा रखने वाला कोई व्यक्ति, इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से तीस दिन के भीतर, उन्हें निर्यात निरीक्षण परिषद् 'बल्ड ट्रेड सेंटर', 14/1-बी, एडमरा स्ट्रीट, (सातवीं मंजिल), कलकत्ता-1 को भेज सकेगा।

प्रस्ताव

(1) यह अधिसूचित करना कि निर्यात से पूर्व रोजिन का निरीक्षण करना होगा;

(2) (क) इस आदेश के उपाध्व-1 में दिए गए रोजिन के लिए विनिर्देशों को, रोजिन के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना।

(ख) निर्यात संविदा में विनिर्देशों को मान्यता देना बशर्ते कि ऐसे विनिर्देश उक्त उपाध्व में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं से कम न हों;

(3) इस आदेश के उपाध्व 2 में दिए गए रोजिन के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1975 के प्रारूप के अनुसार निरीक्षण की रीति को निरीक्षण की ऐसी रीति के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो कि ऐसे रोजिन पर लागू होगी;

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में ऐसे रोजिन के निर्यात का तब तक निषेध करना, जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अन्तर्गत स्थापित, निर्यात निरीक्षण अधिकरणों में से किसी एक द्वारा दिया गया इस आशय का प्रमाण-पत्र न हो कि रोजिन पूर्वोक्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है।

2. इस आदेश की कोई भी बात भू-मार्ग, जल-मार्ग या वायु-मार्ग द्वारा रोजिन के नमूनों के भारी श्रेताओं को किए गए निर्यात को लागू नहीं होगी, परन्तु परेण का पीत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य 120 रुपए से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण:

इस आदेश में रोजिन से ऐसा पदार्थ अभिप्रेत है, जो उसका कुछ भी नाम हो, जो खीड़ के तेलीय राल से प्राप्त हो जो पारदर्शी या छोटे-छोटे पारभासी कच्चे पिण्ड के रूप में हो सकेगा और कांच के समान टूटने वाला होगा।

1. प्रकार—सामग्री का निम्न तीन में से कोई एक वर्ण होगा:—

- (क) पीला
(ख) मध्यम, तथा
(ग) गहरा

2. श्रेणी—सामग्री के तीन प्रकारों के अन्तर्गत सामग्री निम्नलिखित भाग में से किसी भी एक वर्ण की होगी, वर्णों के मानक निम्नलिखित वर्णों के लोबी बाण्ड कांचों के वर्ण के समान के होंगे और वे कनाडा बालसम से आपस में जुड़े होंगे:—

वर्ण	श्रेणी	लोबी बाण्ड वर्ण मान		
		सास	पीला	नीला
(क) पीला	एकस	1.35	13.0	—
	डब्ल्यू-डब्ल्यू	1.85	19.5	—
	डब्ल्यू जी	2.6	30.0	—
	एन	3.6	41.0	—
(ख) मध्यम	एम	4.9	51.0	—
	के	6.2	60.0	—
	एच	12.0	100.0	—
(ग) गहरा	डी	75.0	160.0	—

3. ध्वनशीलता—सामग्री अल्कोहल, ईथर, पेट्रोलियम हाइड्रो-कार्बन विलायक तथा तारपीन के तेल में थोड़ा सा ही गर्म करने पर पूरी तरह घुल जाएगी।

4. सामग्री नीचे की सारणी में दी गई अपेक्षाओं के अनुरूप भी होगी:—

क्रम सं०	विशेषताएं	प्रकार के लिए अपेक्षा		
		पीली	मध्यम	गहरी
(1) वर्ण		सम्बन्धित लोबी बाण्ड वर्ण मान 3.2 के अनुरूप या सम्बन्धित स्थायी कांच मानक से मेल खाते हुए।		
(2) झुककर झिन्टु °से०		60-75	60-75	60-75
(3) सम्बन्धित घनत्व 30°/30°से०		1.05 से 1.08	1.05 से 1.08	1.05 से 1.10
(4) न्यूनतम अम्ल मात्रा		160	155	155
(5) वाष्पशील पदार्थ के भार का अधिकतम प्रतिशत		2.00	2.00	2.00
(6) राख के घंघा के भार का अधिकतम प्रतिशत		0.05	0.20	0.5
(7) टोल्युइन में अम्लनशील पदार्थ के भार का अधिकतम प्रतिशत		0.10	0.40	1.00
(8) भसावनीकरणीय पदार्थ का भार के अनुसार अधिकतम प्रतिशत		6.0	8.0	6.0

उपबंध 2

नियति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) को द्वारा 1917 के अन्तर्गत बनाए जाने वाले प्रस्तावित प्राकृतिक नियम ।

1. संक्षिप्त नाम :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम रोजिन निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1975 है ।

2. परिभाषा :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से, अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ।

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से कोई अभिकरण अभिप्रेत है ।

(ग) 'रोजिन' से चीज से प्राप्त वह पेशीय राल अभिप्रेत है, जो पारदर्शी या छोटे-छोटे पारभासी पिण्ड के रूप में हो सकेगा और कांच समान टूटने वाला हो ।

3. निरीक्षण का आधार :—रोजिन का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के विचार से किया जाएगा कि वह, अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है ।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) रोजिन के निर्यात करने की इच्छा रखने वाला व्यक्ति, ऐसा करने के अपने आशय की सूचना लिखित रूप में संबंधित निर्यात निरीक्षण अभिकरण को देगा तथा ऐसी सूचना के साथ निर्यात संविदा या आदेश की एक प्रति अभिकरण के निकटतम कार्यालय को देगा जिससे वह नियम 3 के अनुसार निरीक्षण कर सके ।

(2) उप-नियम (1) के अन्तर्गत प्रत्येक सूचना पोत-खान की प्राथमिक तारीख से कम से कम सात दिन पहले दी जाएगी ।

(3) उप-नियम (2) के अन्तर्गत सूचना के प्राप्त होने पर, अभिकरण, नियम 3 तथा परिषद द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के अनुसार निरीक्षण होगा ।

(4) यदि निरीक्षण के पश्चात्, अभिकरण ने अपना यह समाधान कर लिया है कि निर्यात किए जाने वाले रोजिन का पोषण नियम 3 की अपेक्षाओं के अनुरूप है, तो वह उप-नियम (2) के अन्तर्गत सूचना प्राप्त होने के सात दिन के भीतर, निर्यातकर्ता को यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र देगा कि पोषण निर्यात योग्य है ;

परन्तु यदि, जहाँ अभिकरण ने अपना इस प्रकार का समाधान नहीं किया है, तो वह उक्त सात दिनों की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण पत्र देने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की सूचना उसके कारण सहित निर्यातकर्ता को देगा ।

5. निरीक्षण का स्थान :—इन नियमों के अन्तर्गत प्रत्येक निरीक्षण या तो विनिर्माता के परिसरों पर या उा परिसरों पर, जहाँ निर्यातकर्ता द्वारा माल प्रस्तुत किया गया है, उस वृत्त में किया जाएगा जबकि वहाँ इस प्रयोजन के लिए पर्याप्त सुविधाएँ हों ।

6. निरीक्षण फीस :—इन नियमों के अन्तर्गत प्रत्येक पोषण के लिए 50 रुपए की अधिकतम सीमा में रहते हुए सामग्री के प्रति किलोग्राम के लिए दो पैसे की दर से फीस निरीक्षण फीस के रूप में दी जाएगी ।

7. अपील :—(1) नियम (4) के उप-नियम (4) के अधीन निरीक्षण अभिकरण के प्रमाण पत्र देने से इंकार करने से व्यक्ति कोई व्यक्ति उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर कम से कम तीन किन्तु सात से अधिक ऐसे विशेषज्ञों के पैनल की अपील कर सकेगा जिसे केन्द्रीय सरकार ने इस प्रयोजन के लिए नियुक्त किया हो ।

(2) पैनल में, विशेषज्ञों के पैनल की कुल संख्या के कम से कम दो तिहाई गैर सरकारी-सदस्य होंगे ।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन से होगी ।

(4) अपील प्राप्ति से 15 दिनों के भीतर निपटा दी जाएगी ।

[सं० 67(17)/74-नि०नि० तथा श०सं०]

के० बी० बालसुब्रह्मण्यम, उप निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 4th October, 1975

S.O. 4279.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do for the development of the export trade of India, that rosin should be subject to inspection prior to export ;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 ;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within thirty days of the date of publication of this Order in the official Gazette to the Export Inspection Council, 'World Trade Centre', 14/1B, Ezra Street (7th floor), Calcutta-1.

PROPOSALS

(1) To notify that rosin shall be subject to inspection prior to export ;

(2) to recognise—

(a) the specifications for rosin as set out in Annexure-1 to this Order, as the standard specifications for rosin ;

(b) the specifications in the export contract, provided that such specifications do not fall below the requirements specified in the said Annexure ;

(3) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Rosin (Inspection) Rules, 1975, set out in annexure II to this Order as the type of inspection which would be applied to such rosin ;

(4) to prohibit the export in the course of international trade of such rosin, unless the same is accompanied by a certificate, issued by any of the Export Inspection Agencies, established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the rosin conforms to the aforesaid standard specifications.

2. Nothing in this Order shall apply to the export by land, sea or air of samples of rosin to the prospective buyers provided the F.O.B. value of the consignment does not exceed rupees one hundred and twenty five.

Explanation :

In this Order 'Rosin' means the material by whatever name called, derived from oleoresin of pine which may be in the form of transparent or slightly translucent brittle lumps with a glassy fracture.

ANNEXURE-I

(1) Type—The material shall be one of the following 3 types :—

- (a) Pale.
- (b) Medium, and
- (c) Dark.

(2) Grades—The material shall be any one of the following 8 colour grades under the 3 types of the material, the colour standards being equivalent to Lovibond glasses of the following colour values and cemented together with Canada balsam.

Lovibond colour value

	1	2	3	4	5
	Lovibond colour value				
Type	Grade	Red	Yellow	Blue	
(a) Pale	X	1.35	13.0	—	
	WW	1.85	19.5	—	
	WG	2.6	30.0	—	
	N	3.6	41.0	—	
(b) Medium	M	4.9	51.0	—	
	K	6.2	60.0	—	
	H	12.0	100.0	—	
(c) Dark	D	75.0	160.0	3.0	

(3) Solubility—The material shall be wholly soluble in alcohol, ether, petroleum hydrocarbon solvent and oil of turpentine under slight warming.

(4) The material shall also comply with the requirements given in the Table below :—

TABLE
(Requirements for Rosin)

Sl. No. Characteristics	Requirement for Type		
	Pale	Medium	Dark
(1) Colour	Equivalent to corresponding Lovibond colour value 3.2 or matching colour of corresponding permanent glass standard.		
(2) Softening point °C	60-75	60-75	60-75
(3) Relative density 30°/30°C	1.05 to 1.08	1.05 to 1.08	1.05 to 1.10
(4) Acid value, Min	160	155	155
(5) Volatile matter, percent by weight, Max	2.00	2.00	2.00
(6) Ash content, percent by weight, Max	0.05	0.20	0.5
(7) Matter insoluble in toluene, percent by weight Max	0.10	0.40	1.00
(8) Unsaponifiable matter, percent by weight, Max	6.0	6.0	6.0

ANNEXURE-II II

(Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963))

1. Short title:—These rules may be called the Export of Rosin (Inspection) Rules, 1975

2. Definitions:—In these rules unless the context otherwise requires—

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
- (b) "Agency" means any one of the Export Inspection Agencies, established under section 7 of the Act.
- (c) "Rosin" means the material derived from oleoresin of pine which may be in the form of transparent or slightly translucent brittle lumps with a glassy fracture.

3. Basis of inspection—Inspection of rosin shall be carried out with a view to ensuring that the quality of the same conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act.

4. Procedure of inspection—(1) The exporter intending to export rosin shall give intimation in writing of his intention so to do to the concerned Export Inspection Agency and submit along with such intimation a copy of the export contract or order to the nearest office of the Agency to enable it to carry out the inspection in accordance with rule 3.

(2) Every intimation under sub-rule (1) shall be given not less than seven days before the expected date of shipment.

(3) On receipts of the intimation under sub-rule (2) the Agency shall carry out the inspection in accordance with rule 3 and instructions issued by the Council from time to time.

(4) If after the inspection, the Agency is satisfied that the consignment of rosin to be exported complies with the requirements of rule 3, it shall, within seven days of the receipts of the intimation under sub-rule (2) issue a certificate to the exporter declaring the consignment as export-worthy;

Provided that where the Agency is not so satisfied, it shall within the said period of seven days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefor.

5. Place of inspection—Every inspection under these rules shall be carried out either at the premises of the manufacturer or at the premises at which the goods are offered by the exporter provided adequate facilities for the purpose exist therein.

6. Inspection fee—Subject to minimum of Rs. 50 for each consignment a fee at the rate of two paise for each kilogram of the material shall be paid as inspection fee under these rules.

7. Appeal—(1) Any person aggrieved by the refusal of the inspection agency to issue a certificate under sub-rule (4) of rule 4, may, within ten days of receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of not less than three but not more than seven such experts as may be appointed for the purpose by the Central Government.

(2) At least two-thirds of the total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

[No. 6(17)/74-EI & EP.]

K. V. BALASUBRAMANIAN, Dy Director

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आवेश

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1975

का० आ० 4280.—राज्य व्यापार निगम को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से निम्न घनत्व वाले पॉलिथिलीन मोल्डिंग पाउडर का आयात करने के लिए 75000 रुपये मूल्य का एक लाइसेंस सं० जी/टी/1060869 दिनांक 10-7-73 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति उनके द्वारा खो गई है। लाइसेंसधारी ने आगे यह बताया है कि उक्त लाइसेंस भारत के किसी भी प्लान पर पंजीकृत नहीं कराया गया है।

अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। निम्नहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० जी/टी/1060869 दिनांक 10-7-73 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश दिया है कि उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति उक्त लाइसेंसधारी को प्रदान की जानी चाहिए। उक्त

लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को इस के द्वारा रद्द किया जाता है।

लाइसेंस सं० जी/टी/1060869 दिनांक 10-7-73 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की प्रतिलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या एम टी सी/विधि-289-298/73-74/आर एम सेल]

के० आर० श्रीनिवासन, उप-मुख्य नियंत्रक

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

ORDER

New Delhi, the 15th September, 1975

S.O. 4280.—The S.T.C. of India Ltd., New Delhi were granted licence No. G/T/1060869 dated 10-7-73 for the import of Low Density Polyethylene Moulding Powder from G. C. A. to the value of Rs. 75,000. They have requested for the issue of duplicate Exchange Control Copy of the above licence on the ground that the original Exchange Control copy of the above licence has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence has not been registered with any port in India.

In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that Exchange Control copy of licence No. G/T/1060869 dated 10-7-73 has been lost and direct that Exchange Control copy of the said licence should be issued to them. The Exchange Control copy of the licence is hereby cancelled.

Exchange Control copy of the licence No. G/T/1060869 dated 10-7-73 is being issued separately.

[File No. STC/Misc-289-298/73-74/RM Cell]

K. R. SRINIVASAN, Dy. Chief Controller

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1975

क्र० आ० 4281.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मलाया पत्तन से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय तेल निगम लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

उक्त भूमि में हितरक्ष कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय तेल निगम लिमिटेड, मलाया कोयली/मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, "डोली"/33/बी, हरिहर सोसाइटी, राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तालुका : आनन्द	जिला : खेदा	राज्य : गुजरात
गाँव	मर्वेशन नं०	तक
		एच ए वर्गमील
वासदा	876	0-09-14
	1+2+3	
	878	0-05-10

[सं० 12017/4/74एल० एण्ड एल०/1]

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

New Delhi, the 16th September, 1975

S.O. 4281.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/Mathura Pipeline Project, "DOLI" 33-B, Harihar Society, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Anand	Dist : Kheda	State : Gujarat
Village	Survey No.	Extent
		H.A. Sq. M
Vasad	867	0-09-14
	1+2+3	
	878	0-05-10

[No. 12017/4/74/L&L/I]

शुद्धि-पत्र

क्र० आ० 4282.—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत गुजरात राज्य के जिला खेदा, तालुका आनन्द के लिये भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3(ii) के पृष्ठ संख्या 2525 से 2532 तक दिनांक 12-7-75 को प्रकाशित क्र० आ० संख्या 2203 के द्वारा भारत सरकार, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 12017/4/74-एल एण्ड एल/1 दिनांक 20-6-75 के साथ संलग्न अनुसूची के स्थान पर अब से इसके साथ संलग्न अनुसूची को पढ़ें।

अनुसूची

गांव : वडोद तालुका : आनन्द जिला : खेदा गुजरात राज्य
के लिए पढ़ें

क्रमांक	तक	क्रमांक	तक
एच ए वर्गमील		एच ए वर्गमील	
456/2	0-07-08	456/2	0-07-08
461	0-04-32	463	0-04-32
गांव : हेडगुड तालुका : आनन्द जिला : खेदा गुजरात राज्य			
29/2	0-04-00	29/1/2	0-04-00
29/1	0-01-60	29/1/1	0-01-60
गांव : बकरोल तालुका : आनन्द जिला : खेदा गुजरात राज्य			
2136/2	0-00-96	2135/2	0-00-96

[संख्या 12017/4/74-एल० एण्ड एल०/2]

ERRATUM

S.O. 4282—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Chemicals No. 12017/4/74-L&L/II dt. 20-6-75 published vide S.O. No. 2203 dated 12-7-75 from page no. 2525 to 2532 of the Gazette of India part II, Section 3(ii) for Taluka Anand Dist. Kheda Gujarat State, under sub-section (1) of Section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) read as per the schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village: Vadod Taluka: Anand Dist: Kheda Gujarat State
For Read

Sl. No.	Extent	Sl. No.	Extent
	H.A.Sq.M.		H.A.Sq.M.
456/2	0-07-08	465/2	0-07-08
461	0-04-32	463	0-04-32
Village: Hadgood Taluka: Anand Dist: Kheda Gujarat State			
29/2	0-04-00	29/1/2	0-04-00
29/1	0-01-60	29/1/1	0-01-60
Village: Bakrol Taluka: Anand Dist: Kheda Gujarat State			
2136/2	0-00-96	2135/2	0-00-96

[No. 12017/4/74-L&L/II]

शुद्धि पत्र

का० आ० 4283.—पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत गुजरात राज्य के जिला राजकोट, तालुका पधारी के लिये भारत के राजपत्र के भाग-II, खंड 3(ii) के पृष्ठ सं० 2532 से 2534 के तक दिनांक 12-7-75 को प्रकाशित का० आ० संख्या 2204 के द्वारा भारत सरकार, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 12017/4/74-एल एण्ड एल/3 दिनांक 20-6-75 के साथ संलग्न अनुसूची के स्थान पर अब से इसके साथ संलग्न अनुसूची को पढ़ें।

अनुसूची

गांव : हेडमातिया तालुका : पधारी जिला : राजकोट गुजरात राज्य
के लिए पढ़ें

क्रमांक	तक	क्रमांक	तक
एच ए वर्गमील		एच ए वर्गमील	
136	0-23-69	136	0-23-96
गांव : मोसी बनोल तालुका : पधारी जिला : राजकोट गुजरात राज्य			
55/1	0-19-76	50/1	0-19-76
गांव : पधारी तालुका : पधारी जिला : राजकोट गुजरात राज्य			
पधारी		पधारी	

[सं० 12017/4/74-एल एण्ड एल/3]

New Delhi, dated 16th September 1975

ERRATUM

S.O.4283—In the schedule appended to the notification of the Government of India, Ministry of Petroleum & Chemicals No. 12017/4/74-L&L-III dt. 20-6-75 published vide S.O. No. 2204 dated 12-7-75 from page No. 2532 to 2534 of the Gazette of India part II Section 3(ii) for Taluka Paddhari Dist. Rajkot Gujarat State, under Sub-section (1) of Section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) read as per the schedule annexed hereto.

SCHEDULE

Village: Hadmatia Taluka: Paddhari Dist.: Rajkot Gujarat State
For Read

Sl. No.	Extent	Sl. No.	Extent
	H.A.Sq.M.		H.A.Sq.M.
136	0-23-69	136	0-23-96
Village: Moti-Chanol Taluka: Paddhari Dist. Rajkot Gujarat State.			
5/1	0-19-76	50/1	0-19-76
Village : Paddhari Taluka: Paddhari Dist: Rajkot Gujarat State			
Paddhari		Paddhari	

[No. 12017/4/74-L&L/III]

का० आ० 4284.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पत्तन से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय तेल निगम लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एम्पायड अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आदेश एतद्वारा घोषित किया है।

उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आदेश सक्षम प्राधिकारी, भारतीय तेल निगम लिमिटेड, सलाया कोयली/मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, "डोली"-33-री, हरिहर सोसाइटी, राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आदेश करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तालुका :	बादोदरा	जिला : बादोदरा	गुजरात राज्य
गांव	संकेक्षण नं०	तक	एच ए वर्गमील
पवमाला	738		0-03-20

[सं० 12017/6/74-एल० एण्ड एल/2]

S.O. 4284.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/Mathura Pipeline Project, "DOLI" 33-B, Harihar Society, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE		
Taluka: Vadodara	Dist: Vadodara	Gujarat State
Village	Survey No.	Extent
H.A. Sq. M.		
Padmala	738	0-03-20

[No. 12017/6/74-L&L/II]

का० आ० 4285.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मलाया पत्तन से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय तेल निगम लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय तेल निगम लिमिटेड, मलाया कोयाली/मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, "डोली"—33-बी, हरिहर सोसाइटी, राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची		
तालुका : सानन्द	जिला : अहमदाबाद	गुजरात राज्य
गांव	सर्वेक्षण नं०	तक
एच ए वर्गमील		
सानन्द	1657/पी 2	0-04-80

[नं० 12017/2/75-एल० एण्ड एल०]

New Delhi, 16 Sept., 1975

S.O. 4285.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/Mathura Pipeline Project, "DOLI" 33-B, Harihar Society, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE		
Taluka : Sanand	Dist : Ahmedabad	Gujarat State
Village	Survey No.	Extent
H. A. Sq.M.		
Sanand	1657/P2	0 — 04 — 80

[No. 12017/2/75-L & L]

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1975

का० आ० 4286.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जी जी एस कावी से जी जी एस सोभासन तक ट्रंक लाइन मिलाते हुए एन के 76 से एन के 77 से जी जी एस कम सी टी एफ कावी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः, अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

जी जी एस कादी से जी जी एस सोभासन तक ट्रंक लाइन मिलाने हुए कुल 76 से एन के 77 तक जी जी एस कम सी टी एफ कादी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : मेहसाना और कादी

गांव	सर्वेक्षण न०	हेक्टर	ऐमरॉई	सेण्टीऐमर
मेहमादपुरा	354	0	13	50
	351	0	12	00
छालासन	161	0	12	00
	162	0	04	00
	187	0	07	00
	188/1	0	01	00
	191/पी	0	03	00
	192/पी	0	03	00
	192/पी	0	03	00
	195	0	09	50
	कार्ट ट्रैक	0	05	00

[सं० 12016/12/75-एस एण्ड एस-1]

New Delhi, the 17th September, 1975

S.O.4286.- Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from d.s. NK 76 to NK77 to GGS Cum CTF Kadi connecting with Trunk line From GGS Kadi to GGS Sobhasan in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the Right of User in the Land described in the schedule annexed hereto;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

For laying pipeline from well No. NK-76 to NK-77 to GGS-Cum-CTF Kadi connecting with trunk line from GGS Kadi to GGS Sobhasan.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Mehsana & Kadi.

Village	Survey No.	Hec.	Are	Cen-tiare
Mehmadpura	354	0	13	50
	351	0	12	00
Chalasan	161	0	12	00
	162	0	04	00
	187	0	07	00
	188/1	0	01	00
	191/P	0	03	00
	192/P	0	03	00
	192/P	0	03	00
	195	0	09	50
	Cart-track	0	05	00

[No. 12016/12/75-L & LI]

का० आ० 4287.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन जी जी एस कम सी टी एफ दूधसागर डायरी गैस पाइपलाइन पर अनोड बेड से कैथोडिक प्रोटेक्शन स्टेशन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार से उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का आशय एतद्वारा घोषित करती है।

बशर्ते की उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई करने वाला व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

जी जी एस कम सी टी एफ से दूधसागर डायरी गैस पाइपलाइन तक और सोभासन पर अनोड बेड से कैथोडिक प्रोटेक्शन स्टेशन तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला मेहसाना तालुका : मेहसाना

गांव	ब्लॉक न०	हेक्टर	ऐमरॉई	सेण्टीऐमर
			ऐमरॉई	ऐमरॉई
सुभासन	126	0	00	35.5
	बोड	0	00	11.5
	146/1/ऐ/पी	0	09	47.5

[सं० 12016/12/75-एस एण्ड एस/2]

S.O. 4287.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from d.s. Anode Bed to Cathodic Protection station on sobhasan GGS Cum CTF To Dudhsagar Dairy Gas Pipeline in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the RIGHT OF USER in the land described in the schedule annexed hereto;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission; Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

For laying pipeline from anode bed to cathodic protection station on Sobhasan G.G.S. Cum C.T.F. to dudhsagar dairy gas pipeline.

Village	Block No.	Hec.	Are	Centiare
Punasan	126	0	00	35.5
	Road	0	00	11.5
	146/1/A/P	0	09	47.5

[No. 12016/12/75-L&L/II]

का० भा० 4288.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एनोड बेड और वाइर बेड के लिए पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

अर्शों की उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टर	ऐमरई	सेन्टीए
कादी	1975	0	00	17
	1977/पी	0	00	75
	1977/पी	0	00	27
	1976/पी	0	00	50
	काटेंद्रक	0	00	16

[स 12016/12/75 एल एण्ड एल/3]

S.O. 4283.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum for Anode Bed and Wire Bed in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of right of user for anode bed and Wire Bed.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hec.	Are	Centiare
Kadi	1975	0	00	17
	1977/P	0	00	75
	1977/P	0	00	27
	1976/P	0	00	50
	Cart Track	0	00	16

[No. 12016/12/75-L & L/II]

का० भा० 4289.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कैथोडिक प्रोटेक्शन स्टेशन से एनोड बेड और वाइर बेड के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद् द्वारा घोषित किया है।

अर्शों की उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कैथोडिक प्रोटेक्शन स्टेशन से एनोड बेड आर वूतक वाईर बेड बिछाने के लिए आर ओ यू का अर्जन

राज्य गुजरात	जिला: बड़ोदा और बरोघाच	तालुका: कारजन और बरोघाच			
गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टर	एअरई	सेंटीऐ	आरई
गांव मानपुर	जिला बड़ोदा	तालुका कारजन	132	0	00 93
गांव नामीपुर	जिला बरोघाच	तालुका बरोघाच	सर्वेक्षण नं०	247/1	0 61 00

[सं 12016/15/75-एल एण्ड एल]

S.O. 4289.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the Wire bed from Cathodic Protection Station to Anode bed Rau in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. for wire bed from Cathodic Protection Station to Anode Bed R.O.U.
State : Gujarat District Baroda & Broach Taluka : Karjan & Broach

Village	Block No.	Hectare	Acre	Centiare
Village : Manpur	District : Broada	Taluka : Karjan	132	0 00 93
Village : Nabipur	District : Broach	Taluka : Broach	Survey No. 247/1	0 01 00

[No. 12016/15/75-L & L]

नई दिल्ली 18 सितम्बर, 1975

का० प्रा० 4290.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में के 171 से जी जी एस 7 अप से कुएँ के न० 136 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जायी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाक्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बरोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिवृष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

डी एस के 171 से जी जी एस 7 अप से कुएँ न० के-136 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य गुजरात	जिला गांधी नगर	तालुका गांधीनगर			
गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टर	एअरई	सेंटीऐ	आरई
गांव पुनोरासन	जिला गांधीनगर	तालुका गांधीनगर	334	0	07 15
			335	0	09 00
			332	0	06 00
गांव उबारसद	जिला गांधीनगर	तालुका गांधीनगर	सर्वेक्षण नं०	1255	0 28 80
			1253	0	14 25
			1252	0	22 45
			1251	0	11 17

[सं० 12016/14/75-एल०एण्ड एल] टी० पी० सुब्रह्मनियम, अवर सचिव

New Delhi the 18 September, 1975

S.O. 4290.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from d.s. K 171 to GGS VII upto Well No. K 136 in Gujarat State, pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

2. And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed thereto;

3. Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User therein;

4. Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9;

5. And every Person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

For Laying Pipeline from D.S. K-171 to G.G.S.VII up to well No. K-136

State: Gujarat District: Gandhinagar Taluka: Gandhinagar

Village	Block No.	Hec.	Are	Centire
---------	-----------	------	-----	---------

Village : Pundrasan District : Gandhinagar Taluka :				
			Gandhinagar	
	334	0	07	15
	335	0	09	00
	332	0	06	00

Village : Uvarsad District : Gandhinagar Taluka : Gandhinagar				
Survey No.				
	1253	0	28	80
	1253	0	14	25
	1252	0	22	45
	1251	0	11	17

[No. 12016/14/75-L & L]

T. P. SUBRAMANYAN, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

कोयला विभाग

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1975

का० प्रा० 4291.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि उन भूमियों से जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित हैं, कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभाव्यता है ;

अतः अब, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उनमें कोयले के लिए पूर्वेक्षण करने के अपने आणय की सूचना देती है।

इस अधिनियम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) के कार्यालय दरभंगा हाउस, रांची में या कलकत्ता, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक के कार्यालय, 1 कोसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में किया जा सकता है।

इस अधिनियम के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितबद्ध सब व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सब मानचित्र जार्ट और अन्य दस्तावेजों इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची को परिदत्त कर देंगे।

अनुसूची

बीना ब्लॉक कम्पनी कोयला क्षेत्र महाराष्ट्र

[डी० आर० जी० सं० राजस्व/16/75]

दिनांक 2-6-75

(जिसमें पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमियां वर्णित हैं)

क्रम सं०	ग्राम	तहसील	मौजा सं०	जिला	क्षेत्र टिप्पणियां
1.	बीना	सोनौर	136	नागपुर	भाग
2.	भानेगांव	यथोक्त	168	"	"

3. चिचौली	सोनौर	77	"	"
4. सिलेवाड़ा	यथोक्त	224	"	"
5. छद्कापुर	यथोक्त	71	"	"
6. सहोली	रामटेक	351	"	"
7. डोली	यथोक्त	142	"	"

कुल क्षेत्र :—3008.00 एकड़ (लगभग)

या :—1217.28 हेक्टेयर (लगभग)

या :—4.70 वर्गमील (लगभग)

सीमा वर्णन :

ए—बी लाइन सहोली ग्राम में कन्हन नदी से होकर अर्थात् कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन प्रजित काम्पटी ब्लॉक ए की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।

बी—सी लाइन कन्हन नदी की (जो सिलेवाड़ा और सहोली ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा है और साथ ही को० बा० क्षेत्र (अ० और बि०) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन प्रजित काम्पटी ब्लॉक 'ए' की आंशिक सामान्य सीमा भी है) आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है।

सी—डी—ई लाइन सिलेवाड़ा और छद्कापुर ग्रामों से होकर अर्थात् को० बा० क्षेत्र (अ० और बि०) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन प्रजित काम्पटी ब्लॉक 'ए' की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।

ई—एफ लाइन छद्कापुर और चिचौली ग्रामों में रेल की आंशिक सीमा के साथ-साथ जाती है।

एफ—जी लाइन चिचौली और भानेगांव ग्रामों में सड़क की आंशिक उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है।

जी—एच लाइन भानेगांव और बीना ग्रामों से होकर जाती है।

एच—आई लाइन कन्हन नदी की (जो बीना और जूनी ग्रामों काम्पटी की आंशिक सामान्य सीमा है) आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है।

आई—जे लाइन कन्हन नदी की (जो बीना और जूनी काम्पटी ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा, बीना और बटोहन ग्रामों की सामान्य सीमा और साथ ही कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 7(1) के अधीन अधिसूचित काम्पटी ब्लॉक 'सी' की आंशिक सामान्य सीमा भी है) आंशिक मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है।

जे—ए लाइन डोली और सहोली ग्रामों में कन्हन नदी की आंशिक उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है।

[सं० 19/22/75—सैल]

एस० आर० ए० [राजकी, उप सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 11th September, 1975

S.O. 4291.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected in the office of the National Coal Development Corporation Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or at the office of the Collector, Nagpur (Maharashtra) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, National Coal Development Corporation Limited, Darbhanga House, Ranchi within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE

Bina Block Kamptee Coalfield Maharashtra

Drg. No. Rev/16/75
Dated 2-6-75

(Showing lands notified for prospecting).

Serial Village No.	Tahsil	Mouza number	District	Area	Remarks
1. Bina	Saoner	156	Nagpur		Part
2. Bhanagaon	-do-	168	"		Part
3. Chichouli	-do-	77	"		Part
4. Silewara	-do-	224	"		Part
5. Chadkapur	-do-	71	"		Part
6. Saholi	Ramtek	351	"		Part
7. Dorli	-do-	142	"		Part
Total area :—3008.00 acres (approximately) or 1217.28 hectares (approximately) or 4.70 Sq. miles (approximately)					

Boundary description

A-B	line passes through River Kanhan in village Saholi (i.e. along the part common boundary of Kamptee Block Acquired under section 9(1) of C.B.A. (A & D) Act, 1957.
B-C	line passes along the part central line of River Kanhan (which is the part common boundary of villages Silewara and Saholi and also the part common boundary of Kamptee Block 'A' acquire u/s 9 (1) of C.B.A. A & D Act, 1957.
C-D-E	lines pass through villages Silewara and Chadkapur (i.e. along the part common boundary of Kamptee Block 'A' acquired u/s 9 (1) of the C.B.A. (A & D) 1957.
E-F	line passes along the part boundary of the Railway in villages Chadkapur and Chichouli.
F-G	line passes along the part northern boundary of Road in villages Chichouli and Bhanagaon.
G-H	line passes through villages Bhanagaon and Bina.
H-I	line passes along the part central line of River Kanhan (which is the part common boundary of village Bina and Juni Kampti).
I-J	line passes along the part central line of River Kanhan (which is the part common boundary of villages Bina and Ghatrohan and also part common boundary of Kamptee Block 'C' notified under section 7(1) of C.B.A. (A & D) Act, 1957.
J-A	line passes along the part northern boundary of River Kanhan in villages Dorli and Saholi.

[No. 19 (22)/75-CEL]

S.R.A. RIZVI, Dy. Secy.

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1975

का० प्रा० 4292.—केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 208 (प्र), तारीख 16 मई, 1975 के अनुसरण में 1 सितम्बर, 1975 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को संग्रहीकों और नामों का (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम, 1950 (1950 का 12) सिक्किम राज्य में प्रवृत्त होगा।

[का० सं० 23(16)-घाई टी/75]

यू० एस० राणा, उप सचिव।

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies and Cooperation)

New Delhi, the 16th, September, 1975

S.O. 4292.—In pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 208 (E) dated the 16th May, 1975, the Central Government hereby appoints the 1st day of September 1975, as the date on which the Emblems and Names (Prevention of Improper Use) Act, 1950 (12 of 1950) shall come into force in the State of Sikkim.

[F. 23(16)-IT/75]

U. S. RANA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1975

का० प्रा० 4293.—केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 452 (प्र) दिनांक 26 अगस्त, 1975 के अनुसरण में, 2 अक्टूबर, 1975 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 26) सिक्किम राज्य में प्रवृत्त होगा।

[संख्या एल-12012/19/73-सी०एम०पी०]

New Delhi, the 22nd September, 1975

S.O. 4293.—In pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 452 (E), dated the 26th August, 1975, the Central Government hereby appoints the day of October, 1975, as the date on which the National Cooperative Development Corporation Act, 1962 (26 of 1962), shall come into force in the State of Sikkim.

[No. L-12012/19/73-CMP]

का० प्रा० 4294.—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम 1962 (1962 का 26) की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम नियम, 1975 सिक्किम राज्य में 2 अक्टूबर, 1975 से विस्तारित और प्रवृत्त हो जाएंगे।

[संख्या- एल 12012/19/73-सी०एम०पी०]

ए० दास, संयुक्त सचिव

S.O. 4294.—In exercise of the powers conferred by section 22 of the National Cooperative Development Corporation Act, 1962 (26 of 1962), the Central Government hereby

directs that the National Cooperative Development Corporation Rules, 1975, shall extend to, and come into force in, the State of Sikkim with effect on and from the 2nd day of October, 1975.

[No. L 12012/19/73-CMP]

A. DAS, Jt. Secy.

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1975

क्र० आ० 4295.—राष्ट्रपति केन्द्रीय सिविल सेवा वर्गीकरण, (नियंत्रण और अपील) नियम, 1964 के नियम 10 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा करते हैं कि, जहाँ तक इसका संबंध औद्योगिक विकास विभाग के लघु उद्योग विकास संगठन से है, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थानों/उत्पादन केन्द्रों/विस्तार केन्द्रों का भार-साधक उप-निदेशक अपने अधीन कार्य करने वाले वर्ग 3 और वर्ग 4 के सरकारी सेवक को नियंत्रित करने रख सकेगा। राष्ट्रपति यह भी घोषित करते हैं कि नियंत्रण के सभी ऐसे आदेश, जब तक भगने उच्चतर अधिकारी, अर्थात् जहाँ उन आस्थानों पर जहाँ निदेशक पद पर हैं, निदेशक/विकास आयुक्त (एस० एस० आई०) द्वारा आदेशों की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर पृष्ठ नहीं कर दिए जाते, आरम्भ से ही शून्य हो जाएंगे। राष्ट्रपति यह और घोषणा करते हैं कि नियंत्रित करने की शक्ति का प्रयोग लघु उद्योग सेवा संस्थानों/शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थानों/उत्पादन केन्द्रों के निदेशक के पद का जालू भार साधन करने वाले उप-निदेशक द्वारा भी किया जाएगा।

[क्र० सं० 8/1/75-बी आई जी]

एच० एच० तय्यजी, उप सचिव

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 17th September, 1975

S. O. 4295.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 10 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1964, the President hereby declares that in so far as it relates to the Small Industry Development Organisation in the Department of Industrial Development, Deputy Director Incharge of Branch Small Industries Service Institute/Production Centres/Extension Centres, may place a Government servant belonging to Class III and Class IV working under them under suspension. The President further declares that all such orders of suspension would become ab-initio void unless confirmed by the next higher authority viz. the Director in stations where Director is in position/Development Commissioner (SSI), within a period of one month from the date of orders. The President further declares that the power of suspension shall also be exercised by the Deputy Director holding current charge of the post of Director of Small Industries Service Institutes/Branch Small Industries Service Institutes/Production Centres.

[File No. 8/1/75/Vig]

H. H. TYABJI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1975

क्र० आ० 4296.—भूतपूर्व भारी उद्योग मंत्रालय की अधिसूचना जिसे दिनांक 24-8-74 के राजपत्र के भाग 2 के पृष्ठ 2339 में क्र० आ० सं० 2181 के अधीन प्रकाशित किया गया, में आंशिक उपांतरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री ए० एल० कपूर के पदनाम और उनके नियंत्रणाधीन अधिकारिता की सीमा के संबंध में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

अधिकारी का नाम

सार्वजनिक परिसर की कोटि तथा अधिकारिता की स्थानीय सीमा

श्री ए० एल० कपूर,
प्रबंधक (वित्त),
सेंट्रल फाउंड्री कोर्ज प्रोजेक्ट,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड,
रानीपुर, हरिद्वार (उ० प्र०)

कारखाने की इमारतों को छोड़कर
हरिद्वार में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स
लिमिटेड के एककों से संबंधित तथा
प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन
परिसर।

पूर्ववर्ती अधिसूचना में उल्लिखित अन्य अधिकारियों से संबंधित पदनाम और अधिकारिता की सीमाएं अपरिवर्तित रहें।

[क्र० सं० 14-3/74-एच ई एम]

प्रे० ब० सक्सेना, अवर सचिव

New Delhi, the 11th September, 1975

S.O. 4296.—In partial modification of the notification issued by the erstwhile Ministry of Heavy Industry, published under S.O. 2181 on page 2339 in part II of Gazette dated 24-8-1974 The Central Government hereby makes following amendments in respect of designation of Sh. A.L. Kapur and the limits of jurisdiction under his control :

Designation of the officer Categories of public premises and local limits of jurisdiction

Shri A.L. Kapur, Manager (Finance), Central Foundry Forge Project, Bharat Heavy Electricals Ltd., Ranipur, Hardwar (U.P.) Premises belonging to and under the administrative control of Bharat Heavy Electricals Ltd., Units at Hardwar excluding the area of the factory buildings.

The designation and limits of jurisdiction in respect of other officers mentioned in the earlier notification remain unaltered.

[No. F 14-3/74-HEM]

P. B. SAXENA, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1975

क्र० आ० 4297.—नगरोत्ता टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र में संशोधन किए जाने के सम्बन्ध में एक सार्वजनिक सूचना नगरोत्ता में प्रचलित समाचारपत्रों में प्रकाशित की गई थी, जैसा कि भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 (iii) (खख) में भविष्य में है; वे सभी व्यक्ति जिन पर इस संशोधन का प्रभाव पड़ने की सम्भावना है, अपनी आपत्ति और सुझाव इस सूचना के समाचारपत्रों में प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिन के भीतर भेजने का कष्ट करें।

जनसाधारण की जानकारी के लिए उक्त सूचना 8, 9 और 11 फरवरी, 1975 को क्रमशः "हमारा" "सन्देश" तथा "कोमी आवाज" दैनिक समाचार पत्रों में निकाली गई थी।

उक्त सूचना पर जनता से कोई भी आपत्ति और सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है। अतः अब उक्त नियम के नियम 434 (iii) (खख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डाक तार महाविदेशक एतद्वारा घोषणा करते हैं कि 1-10-75 से नगरोत्ता का संशोधित स्थानीय क्षेत्र निम्न प्रकार होगा :—

नगरोता टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली :

नगरोता का स्थानीय क्षेत्र वहीं होगा जोकि नगरोता टेलीफोन एक्सचेंज से 5 कि० मी० ग्रामीय दूरी के भीतर पड़ता है। किन्तु बहिष्ण पश्चिम में यह सीमा जम्मू नगरपालिका की सीमा तक सीमित होगी।

[सं० 3-16/74-पी० एच० बी०]
एच० सी० माथुर, निदेशक

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 9th September, 1975

S.O. 4297.—Whereas a public notice for revising the local area of Nagrota Telephone Exchange System was published as required by rule 434 (III) (bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Nagrota, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 11th February 1975 in Daily "Quami Awaz", on 8th February, 1975 in Daily "Imarat" and on 9th February 1975 in Daily "Sandesh" Newspapers;

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434 (III), (bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 1-10-75 the revised local area of Nagrota shall be as under;

Nagrota Telephone Exchange System.—The local area of Nagrota shall cover as area falling within 5 Kms. radial distance from the Nagrota Telephone Exchange;

Provided that in the South West this limit shall be restricted to Jammu Municipality boundary.

[No. 3-16/74-PHB]

H.C. MATHUR, Director.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1975

का० प्रा० 4298.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के निर्माण, भावास और नगर विकास मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1093 तारीख 26 मार्च, 1966 की अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, सरकार का राजपत्रित अधिकारी होने के नाते, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की शानत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या के अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं

1	2
सम्पदा अधिकारी नव मंग-लोर पत्तन, पनम्बूर।	नव मंगलोर पत्तन की सीमाओं के भीतर केन्द्रीय सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन भवन, भूमियां और अन्य परिसर।

[सं० 5-पी० जी० बी० (3)/72-पीटी]
न्यूटन प्रकाश रस्तगी, अध्वर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 12th September, 1975

S. O. 4298.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Works, Housing and Urban Development, No.S.O. 1093, dated the 26th March, 1966, the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being a Gazetted Officer of the Government, to be Estate Officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on Estate Officers by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
The Estate Officer, Port of New Mangalore, Panambur.	Buildings, lands and other premises under the administrative control of the Central Government within the limits of the Port of New Mangalore.

[No. 5-PGB (3)/72-PT]
N.P. Rustagi, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1975

गुलि पत्र

का० प्रा० 4299.—16 अगस्त, 1975 के भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3(2) में प्रकाशित भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना का० प्रा० सं० 2680 दिनांक 28-7-1975 में—मद (2) तथा (3) के सामने—“20 प्रतिशत से कम नहीं” शब्दों के स्थान पर “25 प्रतिशत से कम नहीं” शब्द रखे जायें। मद संख्या (5) के सामने “25 प्रतिशत से अधिक न हों” शब्दों के स्थान पर “20 प्रतिशत से अधिक न हों” शब्द रखे जायें।

[एम० डब्ल्यू० एस० (10)/75 एम० टी]
दीवान शब्द अहीर, अध्वर सचिव

New Delhi, the 15th September, 1975

CORRIGENDUM

S.O. 4299.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) S.O. No. 2680, dated the 28th July, 1975 published in part II Section 3 (ii) of the Gazette of India dated the 16th August, 1975—

Against item (ii) and (iii), the words "Not less than 20 per cent" shall be substituted by the words "Not less than 25 per cent".

Against item (v), the words "Not exceeding 25 per cent" shall be substituted by the words "Not exceeding 20 per cent".

[MWS(10)/75-MT]
D. C. AHIR, Under Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1975

सार्वजनिक सूचना

का० आ० 4300.—केन्द्रीय सरकार दिल्ली मुख्य योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का विचार कर रही है। इसे सार्वजनिक सूचना के लिए प्रकाशित किया जा रहा है। इस संशोधन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति/सुझाव देना हो तो वे अपने आपत्ति/सुझाव इस आपान के 30 दिन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं। जो व्यक्ति अपनी आपत्ति/सुझाव दें वे अपना नाम व पूरा पता भी लिखें।

संशोधन

"लगभग 4.05 हेक्टेयर (10 एकड़) का क्षेत्र जो पूर्व में नार्थन रिज रोड, उत्तर में रीजनल पार्क, उत्तर-पश्चिम में मलका गंज, आवासीय क्षेत्र तथा दक्षिण-पश्चिम में जी० टी० रोड द्वारा घिरा हुआ है, इसे अब 'व्यवसायिक' (फल एवं सब्जी मण्डी से 'सार्वजनिक एवं अर्धसार्वजनिक' सुविधाओं में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है।"

शनिवार को छोड़कर समस्त कार्यशील दिनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के कार्यालय, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली, में उक्त अवधि में आकर प्रस्तावित संशोधन के मानचित्र का निरीक्षण किया जा सकता है।

[सं० एफ 3(86)/70-एम०पी०]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 4th October, 1975

PUBLIC NOTICE

S.O. 4300.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhavan, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and full address.

MODIFICATION :

"An area measuring about 4.05 hect. (10 acres) bounded by Northern Ridge Road in the East, Regional Park in the North, Malka Ganj Residential Area in the North-west and G. T. Road in the South-west is proposed to be changed from 'commercial' (wholesale fruit and vegetable market) to 'public and semi-public facilities'.

The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi, on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 3(86)/70-M.P.]

सार्वजनिक सूचना

का० आ० 4301.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली मुख्य योजना में आवासीय भूखण्डों पर लागू किये जाने वाले क्षेत्रीय नियमों में निम्नलिखित संशोधन करने का विचार कर रही है। इसे सार्वजनिक सूचना के लिए प्रकाशित किया जा रहा है। इन संशोधनों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति या सुझाव देना हो तो वे अपने आपत्ति/सुझाव इस आपान के 30 दिन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं। जो व्यक्ति अपने आपत्ति/सुझाव दें वे अपना नाम तथा पूरा पता भी लिखें।

संशोधन

पृष्ठ 55 में बाईं ओर ऊपर तीसरी पंक्ति में, 'किन्तु कम नहीं', शब्दों को निम्न प्रकार रखा जायेगा।

"दो आवास इकाईयों के लिये जो प्रत्येक मंजिल पर एक तथा प्रत्येक आवास इकाई के लिए लगभग 33 वर्ग मीटर (40 वर्ग गज) क्षेत्र बिना बरसाती के दो मंजिला भवन।"

शनिवार को छोड़कर समस्त कार्यशील दिनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के कार्यालय, विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली में उक्त अवधि में आकर प्रस्तावित संशोधन का निरीक्षण किया जा सकता है।

[संख्या एफ 20 (4)/75-एम०पी०]

हृदय नाथ कोतेदार, सचिव

PUBLIC NOTICE

S.O. 4301.—The following modification, which the Central Government proposes to make to the zoning regulations applicable to the residential plots in the Master Plan for Delhi, is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person having any objection or suggestion should also give his name and full address.

MODIFICATION :

For the words 'but not less' occurring on page 55, right-hand side, line 4 top, the following will be substituted :—

"for two dwelling units, one on each floor. And about 33 sq. metres (40 sq. yds.) for single dwelling unit—two storey building without a barsati floor".

The proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi, on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 20(4)/75-M.P.]

H. N. FOTEDAR, Secy.

अभ्यन्तरालय

प्रादेश

प्रादेश

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1975

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1975

जा० प्रा० 4302.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पूर्व बासुरिया कोलियरी, डाकघर बांसजोरा, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संख्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची 1

न्या ईस्ट बासुरिया कोलियरी कम्पनी प्राईवेट लि० नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 की ईस्ट बासुरिया कोलियरी, डाकघर बांसजोरा, जिला धनबाद, जिसका प्रबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा 17 अक्टूबर, 1971 से ग्रहण कर लिया गया था और जो अब मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड सिजुआ बिहार बिल्डिंग, डाकघर, झरिया, जिला धनबाद के प्रबन्ध के अधीन है, के प्रबन्धतंत्र की, श्री वी० रहमान मिया, खनिक को 4 जुलाई, 1970 से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[संख्या एल-20025/17/75-डी-3-ए]

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 11th August, 1975

S.O. 4302.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of East Basuria Colliery, Post Office Bansjora, District Dhanbad and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad constituted under section 7-A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of East Basuria Colliery, Post Office Bansjora, District Dhanbad, of The East Basuria Colliery Company Private Limited, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, taken over by the Central Government from 17th October, 1971, and now under the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Sijua, Vihar Building, Post Office Jharia, District Dhanbad, in dismissing Shri Ch. Rahman Mia, Miner, with effect from the 4th July, 1970, is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-20025/17/75-D. III. A]

का० प्रा० 4303.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स भारत कोकिंग कोल लि० की तेतुलमारी कोलियरी के मॉडल अंगारपाथरा सेक्शन, डाकघर सिजुआ, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संख्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

न्या मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की तेतुलमारी कोलियरी के मॉडल अंगारपाथरा सेक्शन, डाकघर सिजुआ, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र की, श्री मकबूल मिया, राज को 31 मार्च, 1973 से काम से रोकने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[संख्या एल-20012/15/75-डी-3-ए]

एल०के० नारायणन्, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 19th August, 1975

S.O. 4303.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Model Angarpathra Section of Tetulmari Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad, and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, constituted under section 7-A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the Management of Model Angarpathra Section of Tetulmari Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad, in stopping Shri Makbul Mian, Mason, from work with effect from the 31st March, 1973 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-20012/15/75/D-III A]

New Delhi, the 17th September, 1975

S.O. 4304.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management to Jamadoba Washery Plant of M/s. Tata Iron and Steel Company Limited, Jamadoba and their workmen which was received by the Central Government on the 16th September, 1975.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 17 of 1975

In the matter of an industrial dispute under section
10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Ministry's Order No. L-2012/174/74-LR.II, dated 10th
February, 1975.)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamadoba
Washery Plant of M/s. Tata Iron & Steel Co.
Limited, Jamadoba, District Dhanbad.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

On behalf of the Employers—Shri S. S. Mukherjee,
Advocate.

On behalf of the Workmen—Shri J. D. Lall, Advoca-
cate.

State : Bihar

Industry : Coal Washery Plant

AWARD

In this reference which was sent by the Government of
India, Ministry of Labour, New Delhi to this Tribunal for
adjudication of industrial dispute two issues were framed
viz.

"(1) Whether the management of Jamadoba Washery
Plant of Tata Iron and Steel Company, Post Office
Jamadoba, District Dhanbad are justified in dis-
missing from service Shri Lachhu Turi, General
Mazdoor with effect from 9th August, 1974 ?

(2) If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. In this reference the written statements were filed
by both sides and the case proceeded according to its course.
Ultimately Shri S. S. Mukherjee, Advocate representing the
employers and Shri J. D. Lall, Advocate representing the
workmen filed a memorandum of settlement signed by both
sides with a prayer that an award may be passed in terms
of the memorandum of settlement. I heard both sides on
the memorandum of settlement and it is submitted by both
sides that without prejudice to the contentions of the parties
concerned the dispute has been amicably settled. The memo-
randum of settlement appears to have been signed by both
sides and it appears that the terms of settlement are bene-
ficial to the parties and therefore, nothing stands in the way
of an award being passed in terms of the settlement.

3. In the result, I pass an award in respect of the indus-
trial dispute under reference in terms of the memorandum of
settlement which do form part of the award.

8th Sept. 1975

K. K. SARKAR, Presiding Officer.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOV-
ERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II, DHANBAD

Reference No. 17 of 1975

The Employers in relation to M/s. Tata Iron & Steel
Co. Ltd., Jamadoba, P.O. JAMADOBA, Distt.
Dhanbad.

V/s

Their Workmen

The parties above named beg to submit as follows :—

1. That the dispute about the dismissal of Sri Lachhu
Turi was raised by the concerned workman under
section 2(a) of the Industrial Disputes Act and
has been referred to this Hon'ble Tribunal for
adjudication.

81 GU/75—6

2. That the concerned workman Sri Lachhu Turi has
since approached the management and without
prejudice in their respective written statement the
pending dispute has been amicably settled on the
following terms :—

- That Shri Lachhu Turi will be reinstated in his
original job as Category I Mazdoor with effect
from the date he reports for duty.
- That Sri Lachhu Turi will have to report for duty
within a period of 7 days from the date of this
settlement, failing which he will have no claim
of reinstatement and his dismissal with effect
from 9-8-1974 will stand.
- That the period from the date of dismissal of
Sri Lachhu Turi till the date of his reinstatement
will be treated as if he was on leave without any
wages for the purpose of continuity of service
only.
- That Sri Lachhu Turi will not be entitled to
any wages or compensation for the period of
his idleness.
- That the parties will bear their own respective
cost of the proceeding.
- That the above terms settle the pending dispute
in the present reference and there remains no
other dispute which needs any further adjudica-
tion.

It is therefore humbly prayed that the above terms of
settlement may kindly be accepted and an Award passed in
terms thereof.

Concerned workman.

For Employer.

Sd/-

(Illegible)

(Sri Lachhu Turi)

[No. 20012/174/74-LR.III]

L. K. NARAYANAN, Section Officer, (Spl.)

भावेन

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1975

का० आ० 4305.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध
अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धतंत्र
से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद
विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए
निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14)
की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त विवाद की उक्त अधिनियम की
धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता
को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या भारतीय स्टेट बैंक कलकत्ता के प्रबन्धतंत्र के लिए श्री गौड़
मोदक को 1 जनवरी, 1974 से दसवरी भत्ता का संघाय बन्द
करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुसूची
का हकदार है ?

[सं० एल-12012/30/74-एल० आर० 3]

ORDER

New Delhi, the 14th August, 1975

S.O. 4305.—Whereas the Central Government is of opinion
that an industrial dispute exists between the employers in

relation to the State Bank of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7-A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the Management of State Bank of India Calcutta is justified in discontinuing the payment of Dafttry allowance from 1st January, 1974 to Shri Gour Modak? If not to what relief is the said workman entitled?

[No. L. 12012/30/74/LRIII]

आदेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1975

का० भा० 4306.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बैंक ऑफ बड़ोदा, मुम्बई के नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, मुम्बई (सं० 1) को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या बैंक ऑफ बड़ोदा, मुम्बई के प्रबन्धतंत्र की श्री एम० बी० भगवत, लिपिक को उक्त बैंक की ठाकुरद्वार शाखा से प्रापेरा हाउस शाखा के लिए स्थानान्तरित करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल-12012/90/75-डी 2/ए]

ORDER

New Delhi, the 18th August, 1975

S.O. 4306.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Baroda, Bombay and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, No. 1, Bombay constituted under section 7-A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the Management of Bank of Baroda, Bombay, on transferring Shri M. V. Bhgwat, Clerk from Thakurdwar Branch to Opera House Branch of the said Bank is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-12012/90/75-DII/A]

आदेश

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1975

का० भा० 4307.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बैंक ऑफ इण्डिया, मुम्बई, के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, मुम्बई (सं० 1) को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या बैंक ऑफ इण्डिया, मुम्बई के प्रबन्धतंत्र की श्री बी० एम० भाटिया को 28 अप्रैल, 1971 से सेवानिवृत्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल-12012/107/74-एल० आर० 3]

ORDER

New Delhi, the 19th August, 1975

S.O. 4307.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of India, Bombay and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal No. 1, Bombay, constituted under section 7-A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the Management of the Bank of India, Bombay is justified in discharging from service Shri B. M. Bhatia with effect from 28th April 1971? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-12012/107/74/LRIII]

आदेश

का० भा० 4308.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बैंक ऑफ बड़ोदा से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके ीठासीन अधिकारी श्री टी० पालानिग्रयन होंगे जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद का उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या बैंक ऑफ बड़ोदा के प्रबंधन की, श्री भार० जयबालन शर्मा एवं लिपिक को आकलित प्रभाव से एक वेतनवृद्धि की कटौती के दण्ड के अतिरिक्त ज्येष्ठता की हानि सहित कोयम्बटूर शाखा से नम्बूर शाखा में स्थानान्तरित करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल-12012/50/75-डी/2/ए]

ORDER

S.O. 4308.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Baroda and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7-A, and clause (d) of sub-section (1) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Palaniappan shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the Management of the Bank of Baroda, Madras in transferring Shri R. Jayabalan, Shorff-cum-Clerk from Coimbatore Branch to Nambiyur Branch with loss of seniority, in addition to the punishment of one increment cut with cumulative effect is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-12012/50/75-D/II/A]

आदेश

क्र० आ० 4309.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० एन० श्रीवास्तव होंगे, जिनका मुख्यालय कानपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के लिए उक्त बैंक की विध्यावल शाखा के राक्ष, श्री विरेन्द्र प्रतापसिंह की सेवाओं को 16 अगस्त, 1973 से समाप्त करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल-12012/75/75/डी 2/ए]

ORDER

S.O. 4309.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in

relation to the State Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7-A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. N. Srivastava shall be the Presiding Officer, with headquarters at Kanpur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the Management of the State Bank of India is justified in terminating the services of Shri Virendra Pratap Singh, Guard at the Vindhyaal Branch of the said Bank with effect from the 16th August 1973? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-12012/75/75-D-II A]

आदेश

क्र० आ० 4310.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, चण्डीगढ़ से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० भार० सोधी होंगे, जिसका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, चण्डीगढ़ के प्रबंधन की, श्री एच० एल० कपूरिया को लिपिक-एवं-टंकक के रूप में पदोन्नति करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल० 12012/80/75-डी-2/ए]

ORDER

S.O. 4310.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India, Chandigarh and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7-A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Central Bank of India, Chandigarh in designating Shri H. L. Kathuria as clerk-cum-typist is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L. 12012/80/75-DII/A]

प्रादेश

का० आ० 4311.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बैंक आफ इण्डिया के नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या बैंक आफ इण्डिया, लखनऊ क्षेत्र, उत्तर प्रदेश के प्रबंधक के लिए सर्वश्री परवेश कुमार एबट, स्वामी दास, राजेन्द्र सिंह, पी० गुप्त, एल० सी० गोयल, एस० सी० जैन, अमरजीत सिंह अहलुवालिया, कु० ऊषा कुमारी तथा कुमारी मधुबाला शर्मा की सेवायें 29 जनवरी, 1975 से समाप्त करना न्यायोचित है ? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

[सं० एल 12012/84/75—डी 2/ए]

ORDER

S.O. 4311.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of Bank of India, U.P. Region, Lucknow, is justified in terminating the services of Sarva Shri Parvesh Kumar Abot, Swami Dass, Rajindra Singh, R. P. Gupta, S. C. Goel, S. C. Jain, Amarjit Singh Ahluwalia, Miss Usha Kumari and Miss Madhu Bala Sharma with effect from 29th January, 1975? If not, to what relief are the said workmen entitled ?

[No. L. 12012/84/75-DII/A]

प्रादेश

का० आ० 4312.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पंजाब नेशनल बैंक के नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद (सं० 1) को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करते हैं ।

अनुसूची

क्या पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधक को, उसकी जैहानाबाद शाखा कार्यालय के अग्रजीत तेहटा स्थित श्री जी० एल० दास, लिपिक एवं भण्डार रक्षक को पुष्ट न मानने तथा उसकी सेवाओं को 26 अगस्त, 1974 से समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है, यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल 12012/85/75—डी 2/ए]

आर० कुंजीथापादम, अवसर सचिव

ORDER

S.O. 4312.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the Management of the Punjab National Bank in not treating Shri G. L. Das, Clerk-cum-godown keeper at Tehta under its Branch Office Jehanabad as confirmed and in terminating his services with effect from the 26th August, 1974 are justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L. 12012/85/75-DII/A]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

प्रादेश

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1975

का० आ० 4313.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स टाटा कैमिकल्स लिमिटेड, डाक घर रानाशाय, जिला जूनागढ़, गुजरात के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० गू० शाह होंगे, जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा, और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या टाटा केमिकल्स लिमिटेड, डाकघर रानावाव, जिला जूनागढ़ के प्रबंधक का पत्थर खदान, रानावाव के ट्रैक्टर चालक, श्री मुरा गिगा की सेवाएं 25 दिसम्बर, 1974 से समाप्त करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल-29011/88/75-डी-3बी]

ORDER

New Delhi, the 23rd August, 1975

S.O. 4313.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs. Tata Chemicals Limited Post Office Ranavav District Jhunagadh Gujarat and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri M. U. Shah as Presiding Officer with head-quarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

Whether the termination of services of Shri Mura Giga, a Tractor Driver of Stone Quarry, Ranavav with effect from 25-12-74 by the management of Tata Chemicals Limited Post Office Ranavav, District Junagadh, is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

[No. L-29011/88/75/D.IIIB]

आदेश

का० आ० 4314.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स लाल जी ब्रदर्स, गिलवर्ट हिल एवेन्यू, अन्धेरी, मुम्बई 400058 के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 बी उप-धारा (i) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, संख्या 2, मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या मैसर्स लालजी ब्रदर्स के प्रबंधक की, उनकी गिलवर्ट पहाड़ी पत्थर खदान, अन्धेरी, मुम्बई में नियोजित श्री आर० आर० श्रीवास्तव लिपिक को 24 दिसम्बर, 1974 से पदच्युत करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[संख्या एल-29011/107/75-डी-3बी]

एम० एच० एल० अस्थायी अनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

S.O. 4314.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in

relation to the management of Messrs Lalji Brothers, Gilbert Hill Avenue, Andheri, Bombay 400058. and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudicate ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay constituted section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Lalji Brothers in dismissing Shri R. R. Srivastava, Clerk employed in their Gilbert Hill Stone Quarry, Andheri, Bombay from 24th December 1974, is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

[No. L-29011/107/75-D.IIIB]

S. H. S. IYER, Section Officer (Spl.)

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1975

का० आ० 4315.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि वि. केरल स्टेट फाइनेंशियल एन्टर्प्राइजेज लिमिटेड, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय, XX/137, लोला बाग, सिविल लाइन्स रोड, त्रिचूर-4 नामक स्थापन जिसके अन्तर्गत :—

- (1) टी०सी० 22/682, हरिबिलास, कान्नेट रोड, त्रिवेन्द्रम,
- (2) नील बिल्डिंग, आर्टिस्टगल,
- (3) क्विन्टोन डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक बिल्डिंग, बिल्लोन,
- (4) जयभारतम् बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, पुनलूर,
- (5) एलेप्पो डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, एलेप्पी,
- (6) XVII/125-बी, मार्केट रोड, एर्नाकुलम,
- (7) एम० डी० कमर्शियल सेंटर, कोट्टायम्,
- (8) थोडूपूजा जंघानन, थोडूपूजा,
- (9) हेन्ड्रीक्राफ्टस् बिल्डिंग, राउन्ड वेस्ट, त्रिचूर-1,
- (10) हायर पब्लिशिंग डिपार्टमेंट, परमेकायू देयसंथम् बिल्डिंग, पेनेस रोड, त्रिचूर-1
- (11) लिजी सैन्ड, गुस्वयूर रोड, कुन्मक्कुलम्,
- (12) 10/276, सुलतानपेट, पालघाट-1,
- (13) मयूर रोड, कासीकट,
- (14) म्युनिसिपल शापिंग सेंटर बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, डाउनहिल, मालापुरम्
- (15) पी० एम० 142, पय्याम्बालम रोड, नारायण पार्क, कन्नानोर, स्थित उसकी शाखाएं भी आती हैं, से संबंधित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और क्यूम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1974 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एल-35019(171)/74-पी०एफ०2]

New Delhi, the 17th September, 1975

S.O. 4315.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Kerala State Financial Enterprises Limited, Registered Office, XX/137, Leela Baugh, Civil Lines Road, Trichur-4, including its branches situated at :—

- (1) T. C. 22/682, Harivilas, Convent Road, Trivendrum,
- (2) Neela Building, Attingal,
- (3) Quilon District Co-operative Bank Building, Quilon,
- (4) Jayabharatham Buildings, Near Railway Station, Punalur,
- (5) Alleppey District Co-operative Bank Building, Alleppey,
- (6) XVII/125 B, Market Road, Ernakulam,
- (7) M. D. Commercial Centre, Kottayam,
- (8) Thodupuzha Junction, Thodupuzha,
- (9) Handicrafts Buildings, Round West, Trichur-1,
- (10) Hire Purchase Division, Paramakkavu Devaswom Building, Palace Road, Trichur-1,
- (11) Lizy Land, Guruvayoor Road, Kunnankulam,
- (12) 10/276, Sultanpet, Palghat-1.
- (13) Mo-voor Road, Calicut,
- (14) Municipal Shopping Centre Building, 2nd Floor, Downhill Malappuram,
- (15) P.M. 142, Payyambalam Road, Narayana Park, Cannanore,

have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1974.

[No. S-35019/171/74-PF. II]

का० भा० 4316.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस आटोमोबाइल स्पेयर मैनुफैक्चर्स, 11 अजीत इन्डस्ट्रियल स्टेट, (पार्ट-1) नागरवल हनुमान रोड, रक्षिमाल, अहमदाबाद, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए :

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के सितम्बर, के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019 (126)/75पी० एफ० 2]

S.O. 4316.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Automobiles Spares Manufacturers, 11, Ajit Industrial Estate, (Part-I) Nagarvel Hanuman Road, Rakhial, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1974.

[No. S. 35019(126)/75-PF. II]

का० भा० 4317.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस एन्टरप्राइजेज ब्लॉक नं० 11-ए पारिख, स्टेट, नागरवल हनुमान रोड, अहमदाबाद, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मई के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019 (130)/75पी० एफ० 2]

S.O. 4317.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sanchem Enterprises, Block No. 11, A. M. Parikh Estate, Nagarvel Hanuman Road, Rakhial, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtyfirst day of May, 1973.

[No. S. 35019(130)/75-PF. II]

का० भा० 4318.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस राजेश फैब्रिक्स सी-36 उद्योग नगर नवसारी जिला बुलसर, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा की 1 उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की फरवरी के अठ्ठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019 (131)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 4318.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajesh Fabrics, C-36, Udyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1975.

[No. S-35019(131)/75-PF. II]

का० भा० 4319.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस हैराल्ड मेटल कारपोरेशन, जी० पी० भो सलपस रोड के पास, अहमदाबाद, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर

सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहियें।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की फरवरी के अठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019-(132) 75-पी० एफ० 2]

S.O. 3219.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Herold Metal Corporation, Near G.P.O. Salapas Road, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S-35019(132)/75-PF. II]

का० आ० 4320.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नीदामंगलम, कोओपरेटिव मिल्क सप्लाय सोसाइटी लिमिटेड, जैड०, सी० 30—नीदामंगलम, तंजौर जिला, नामक स्थान से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहियें।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019/(135)/75-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 4320.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Needamangalam, Co-operative Milk Supply Society Limited Z.C. 30 Needamangalam, Tanjore District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S-35019(135)/75-PF-II(i)]

का० आ० 4321.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् नीदामंगलम, कोओपरेटिव मिल्क सप्लाय सोसाइटी लिमिटेड, जैड० सी० 30, नीदामंगलम, तंजौर जिला नामक स्थापन को

प्रथम जनवरी, 1975 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस-35019 (135)-75 पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 4321.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1975, the establishment known as Messrs Needamangalam, Co-operative Milk Supply Society Limited, Z.C. 30, Needamangalam, Tanjore District, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019 (135)/75-PF.II(ii)]

का० आ० 4322.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रायल मेटल इंडस्ट्रीज, बेल्टरसाड, शाहपुर बहाई सेंटर शाहपुर अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहियें।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की फरवरी के अठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(113)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 4322.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Royal Metal Industries, Belderwad, Shahpur Bahai Centre, Shahpur, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S. 35019(113)/75-PF. II]

का० आ० 4323.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डीलर प्रिन्टर्स, 20, सुप्रभात औद्योगिक स्टेट, रटियापुर गेट के बाहर, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहियें।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(117)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 4323.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dila Printers, 20, Juprabhat Industrial Estate, Outside Dariapur Gate, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1973.

[No. S. 35019(117)/75-PF. II]

का० आ० 4324—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स निकोलाइट प्लाट सं० ए०-10/23 रोड सं० 4 इण्डस्ट्रियल एस्टेट उधना जिला सुरत, नामक स्थान से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 की जनवरी के द्वाविंशत्तये दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(120)/75-पी०एफ०-2]

S.O. 4324.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nicolyte Plot No. A-10/23, Road No. 4, Industrial Estate, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtyfirst day of January, 1974.

[No. S. 35019 (120)/75 PF. II]

का० आ० 4325—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स माडर्न सिल्क फैक्टरी (प्राइवेट) लिमिटेड, 208 शोबराज पार्क, निकोल रोड, थक्कर बापानगर के सामने, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 की फरवरी के अष्टादशत्तये दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(120)/75 पी०एफ०-2]

S.O. 4325.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Modern Silk Factory (Private) Limited, 208, Shobraj Park, Nicol Road, Opposite Thakkar Bapanagar, Ahmedabad, have agreed

that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1974.

[No. S. 35019 (120)/75-PF. II]

का० आ० 4326—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स ग्रेफाइट इण्डिया लिमिटेड, डोडानेकुण्डी औद्योगिक क्षेत्र ह्याइट फील्ड रोड, महादेवपुरम डाकघर, बंगलौर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(36)/75-पी०एफ०-2]

S.O. 4326.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Graphite India Limited, Doddanekkundi Industrial Area, whitefield Road, Mahadevapuran P.O. Bangalore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019 (36)/75-PF. II]

का० आ० 4327—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मसर्स देशाई एण्ड एसोशियेट (प्राइवेट) लिमिटेड, 122, बम्बई ऐयर कन्डीशन मार्फिट सारदेव मेन रोड, मुम्बई-34 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अक्तूबर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(18)/75-पी० एफ०-2]

S.O. 4327.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Desai and Associates (Private) Limited, 122, Bombay Air Conditioned Market, Tardeo Main Road, Bombay-34, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family

Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1973.

[No. S. 35018 (18)/75-P.F. II]

का० धा० 4328.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बन्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् प्रथम अक्तूबर, 1973 से मैसर्स देशाई एण्ड एसोसिएट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 122, मुम्बई ऐर-कन्डाशन मार्केट, टारदेव मेन रोड, बम्बई-34 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या एस० 35018(18)/75-पी०एफ०(ii)]

S.O. 4328.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1973, the establishment known as Messrs Desai and Associates (Private) Limited, 122, Bombay Air Conditioned Market, Tardeo Main Road, Bombay-34 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018 (18)/75-PF. II (ii)]

का० धा० 4329.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इन्डिया बुक हाउस रीप्रिन्ट्स एण्ड बैक वॉल्यूम्स कम्पनी, 29 वोड हाउस रोड मुम्बई-400001 नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर, के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(21)/75-पी० एफ० II(i)]

S.O. 4329.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs India Book House Reprints and Back Volumes Company 29, Wode House Road, Bombay-400001, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35018/21/75-PF. II(i)]

का० धा० 4330.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 81GI/75-7

6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 दिसम्बर, 1972 से मैसर्स इन्डिया बुक हाउस रीप्रिन्ट्स एण्ड बैक वॉल्यूम्स कम्पनी, 29, वोड हाउस रोड, मुम्बई-400001, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35018(21)/75-पी०एफ० II(ii)]

S.O. 4330.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of December, 1972 the establishment known as Messrs India Book House Reprints and Back Volumes Company '29' Wode house Road, Bombay-400001, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/21/75-PF. II(ii)]

का० धा० 4331.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हबीब इस्माइल मैमोरियल ट्रस्ट, हबीब हाउस, 159, जेल रोड, मुम्बई-400009 नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अगस्त, के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(28)/75-पी० एफ० II]

S.O. 4331.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Habib Esmail Memorial Trust, Habib House, 159, Jail Road, Bombay-400009 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1973.

[No. S. 35018/28/75-PF. II]

का० धा० 4332.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मंगललाल श्रीरामदास सन्स, 395/97, नरसी नाथ स्ट्रीट, कथा बाजार, मुम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के नवम्बर, के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(39)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 4332.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Maganlal Shriramdas Sons, 395/97, Narsi Natha Street, Katha Bazar, Bombay-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1974.

[No. S. 35018/39/75-PF. II]

का० प्रा० 4333.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स न्यू एग्रो सीड्स एण्ड सर्विस कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, अकोला, जिसमें (1) मृत्युंजय मार्केट, धारवाड़, कर्नाटक (2) जी० टी० रोड, दारागंज, इलाहाबाद में स्थित इसकी शाखाएं भी सम्मिलित हैं नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1974 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस०-35018(41)/75-पी० एफ० II(i)]

S.O. 4333.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs New Agro Seeds and Service Company (Private) Limited, Akola, including its branches at (1) Mritunjay Market Dharwar, Karnataka (2) G.T. Road, Daraganj, Allahabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1974.

[No. S. 35018/41/75-PF. II(i)]

का० प्रा० 4334.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1974 से मेसर्स न्यू एग्रो सीड्स एण्ड सर्विस कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, अकोला, जिसमें (1) मृत्युंजय मार्केट, धारवाड़, कर्नाटक (2) जी० टी० रोड, दारागंज इलाहाबाद में स्थित इसकी शाखाएं भी सम्मिलित हैं, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35018(41)/75-पी० एफ० II(ii)]

S.O. 4334.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of July, 1974 the establishment known as Messrs New Agro Seeds

and Service Company (Private) Limited Akola including its branches at (1) Mritunjay Market, Dharwar, Karnataka (2) G.T. Road, Daraganj, Allahabad for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/41/75-PF. II(ii)]

का० प्रा० 4335.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स प्रोटेक्टो इंजीनियरिंग (प्राइवेट) लिमिटेड, 26 गवर्नमेण्ट इन्डस्ट्रियल स्टेट, कांडिवली, मुम्बई-400067 नामक स्थान से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थान को एतद्वारा लागू करती है ?

यह अधिसूचना 1973 के अगस्त के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[संख्या एस-35018(111)/74-पी०एफ-2(i)]

S.O. 4335.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Protecto Engineering (Private) Limited, 26, Government Industrial Estate, Kandivli, Bombay-400067 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1973.

[No. S. 35018(111)/74-PF. II(i)]

का० प्रा० 4336.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् इक्कीस अगस्त, 1973 से मेसर्स प्रोटेक्टो इंजीनियरिंग (प्राइवेट) लिमिटेड, 26 गवर्नमेण्ट इन्डस्ट्रियल स्टेट, कांडिवली, मुम्बई-400067 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[संख्या एस०-35018(111)/74-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 4336.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of August, 1973 the establishment known as Messrs Protecto Engineering (Private) Limited, 26, Government Industrial Estate, Kandivli, Bombay-400067 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(111)/74-PF. II(i)]

का० प्रा० 4337.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स गॉर्न बुडरोफ एजेन्सीज (प्राइवेट) लिमिटेड संख्या 1/21, नार्थ बीच रोड, मद्रास [जिसके अन्तर्गत संख्या 45, पोन्नुरंगम रोड (वेस्ट) आर० एस० पुरम कोयमबदूर-2 (2) संख्या 7-2-200, गजमुण्डी रोड

सिकन्दराबाद-3, (3) संख्या 29, मगराथ रोड, बंगलोर-25, (4) डायगोनल रोड, पोर्ट एरिया विशाखापत्तनम्-1 और (5) 23/1593-सी पालियम रोड पो. बा. संख्या 1767 घनकुलम कोचीन-16 स्थित इसकी शाखाएं भी हैं। नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापना को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के मार्च, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस० 350/19(70)/74-पी०एफ०-2]

S.O. 4337.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Gorden Woodroffe Agencies (Private) Limited, No. 1/21 North Beach Road, Madras, including branches at (1) No. 45, Ponurengam Road (West), R.S. Puram, Coimbatore-2, (2) No. 7—2—200, Gazmundi Road, Secunderabad-3, (3) No. 29, Magarath Road, Bangalore-25, (4) Diagonal Road, Port Area, Visakapathnam-1 and (5) No. XXIII/1593-C, Paliam Road, P.B. No. 1767, Ernakulam, Cochin-16] have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1974.

[No. S. 35019(70)/74-PF. II]

का० घा० 4338.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मार्च, 1974 से मैसर्स गोर्डन वुडरोफ एजेन्सी (प्राइवेट) लिमिटेड संख्या 1121 नार्थ बीच रोड, मद्रास [जिसमें संख्या 45 पोन्नुरेंगम रोड (पश्चिम) आर० एस० पुरम कोयम्बटूर-2 (2) संख्या-7-2-200, गजमुंडी रोड, सिकन्दराबाद-3 (3) संख्या 29 मगराथ रोड बंगलोर-25 (4) डायगोनल रोड, पोर्ट एरिया विशाखापत्तनम्-1 और (5) 23/1593-सी पालियम रोड पो. बा. संख्या 1767 घनकुलम कोचीन-16 स्थित इसकी शाखाएं भी सम्मिलित हैं] नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिश्चित करती है।

[संख्या एस-35019(70)/74-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 4338.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st March, 1974, the establishment known as Messrs Gorden Woodroffe Agencies (Private) Limited, No. 1/21, North Beach Road, Madras including branches at (1) No. 45, Ponnurengam Road (West), R.S. Puram, Coimbatore-2, (2) No. 7—2—200, Gazmundi Road, Secunderabad-3, (3) No. 29, Magarath Road, Bangalore-25, (4) Diagonal Road, Port Area, Visakapathnam-1 and (5) No. XXIII/1593-C, Paliam Road, P.B. No. 1767, Ernakulam, Cochin-16 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(70)/74-PF. II(ii)]

का० घा० 4329.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ट्रापिकल एग्रो सिस्टम (प्राइवेट) लिमिटेड, 530/2, बी० बानगरम रोड एथिपेट मद्रास-58, जिसके प्रतर्गत सं० 6 रतलैंड गेट, II स्ट्रीट मद्रास 600006 स्थित इसका मुख्य कार्यालय भी है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के सितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(248)/74-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 4339.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tropical Agrosystems (Private) Limited, 530/2B, Vanagaram Road, Athipet Madras-58 including its Head office at No. 6, Rutland Gate, II Street, Madras-600006 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1974.

[No. S. 35019/248/74-PF. II(i)]

का० घा० 4340.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 सितम्बर, 1974 से मैसर्स ट्रापिकल एग्रो सिस्टम (प्राइवेट) लिमिटेड 530/2 बी बानगरम रोड एथिपेट मद्रास-58 जिसके प्रतर्गत सं० 6 रतलैंड गेट, II स्ट्रीट, मद्रास-600006 स्थित इसका मुख्य कार्यालय भी है नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों लिए विनिश्चित करती है।

[सं० एस० 35019(248)/74-पी०एफ०-2 (ii)]

S.O. 4340.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1974, the establishment known as Messrs Tropical Agro System (P.) Ltd, Athipet Madras-58 including its Head Office at No. 6, Rutland Gate Street, Madras-600006 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/248/74-PF. II(ii)]

का० घा० 4341.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हिमाचल प्रवेश स्टेट फारेस्ट कारपोरेशन लिमिटेड बिलो बैंक, माल, शिमला नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के अक्तूबर, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[संख्या एस० 35019/250/74-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 4341.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Himachal Pradesh State Forest Corporation, Limited, Willow Bank, the Mall, Simla have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1974.

[No. S. 35019/250/74-PF.II(i)]

क्रा० प्रा० 4342.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अक्तूबर 1974 से मैसर्स हिमाचल प्रदेश स्टेट फॉरेस्ट कारपोरेशन लिमिटेड जिलो बैंक माल, शिमला नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करता है ।

[सं० एस० 350119/250/74 पी०एफ०-2/(ii)]

S.O. 4342.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1974, the establishment known as Messrs Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited, Willow Bank, The Mall Simla-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/250/74-PF-II(ii)]

क्रा० प्रा० 4343.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पापीरस कारपोरेशन, 175/1, माउण्ट रोड, मद्रास-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1974 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[संख्या एस० 35019(2)/75-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 4343.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Papyrus Corporation, 175/1, Mount Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1974.

[No. S. 35019/2/75-PF.II(i)]

क्रा० प्रा० 4344.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् प्रथम जून, 1974 से मैसर्स पापीरस कारपोरेशन, 175/1, माउण्ट रोड, मद्रास-2 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[संख्या एस० 35019(2)/75-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 4344.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of June, 1974, the establishment known as Messrs Papyrus Corporation, 175/1, Mount Road, Madras-2 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/2/75-PF.II(ii)]

क्रा० प्रा० 4345.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गिरिसेन प्रासेस, 105, रेलवे फीडर रोड, सिवकाशी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[संख्या एस० 35019(5)/75-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 4345.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Girisen Process, 105, Railway Feeder Road, Sivakasi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019/5/75-PF.II(i)]

क्रा० प्रा० 4346.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1975 से मैसर्स गिरिसेन, प्रासेस, 105, रेलवे फीडर रोड, सिवकाशी नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[संख्या एस० 35019(5)/75-पी० एफ०-2(ii)]

S.O. 4346.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter

hereby specifies with effect from the first day of January, 1975 the establishment known as Messrs Girisen Process, 105, Railway Feeder Road, Sivakasi, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/5/75-PF.II(ii)]

का० आ० 4347.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एस० एस० बी० ट्रेडिंग कम्पनी 31/497, एम० जी० रोड कोचीन-11 जिसमें 4/10 वेस्ट राजा स्ट्रीट बोदीनयानाकर जिला मद्रुरई स्थित इसकी शाखा भी सम्मिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस० 35019(15)/75-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 4347.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs S.S.B. Trading Company, 31/497, M. G. Road, Cochin-11 including its branch at 4/10, West Raja Street, Bodinayakur Madurai have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019/15/75-PF.II (i)]

का० आ० 4348.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1975 से मैसर्स एस० एस० बी० ट्रेडिंग कम्पनी, 31/497 एम० जी० रोड कोचीन 11 जिसमें 4/10 वेस्ट राजा स्ट्रीट बोदीनयानाकर जिला मद्रुरई स्थित इसकी शाखा भी सम्मिलित है नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(15)/75-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 4348.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1975 the establishment known as Messrs. S.S.B. Trading Company, 31/497, M.G. Road, Cochin-11 including its branch at 4/10, West Raja Street, Bodinayakur Madurai District for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/15/75-PF.II(ii)]

का० आ० 4349.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मराट पोलिमर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 11 राजभवन रोड बंगलौर-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन

निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की फरवरी, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस० 35019(29)/75-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 4349.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Maratt Polymers (Private) Limited, 11, Rajbhavan Road, Bangalore-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1975.

[No. S. 35019 (29)/75-PF.II(i)]

का० आ० 4350.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 फरवरी, 1975 से मैसर्स मराट पोलिमर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 11, राजभवन रोड बंगलौर-1 नामक स्थापन को परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(29)/75 पी० एफ०-2(ii)]

S.O. 4350.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of February, 1975, the establishment known as Messrs Maratt Polymers (Private) Limited, 11, Rajbhavan Road, Bangalore-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/(29)/75-PF. II(ii)]

का० आ० 4351.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होली क्रिस्ट स्कूल, 10 मेन, 4 ब्लॉक जयनगर, बंगलौर-11, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(31)/75-पी० एफ०-2 (i)]

S.O. 4351.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Holy Christ School 10th Main, 4th Block, Jayanagar, Bangalore-11 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019/31/75-PF.II(i)]

का० प्र० 4352.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् प्रथम जनवरी, 1975 से मैसर्स होली क्रिस्ट स्कूल, 10 मेन, 4 ब्लॉक, जयानगर, बंगलूर-11, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(31)/75-पी० एफ०-2(ii)]

S.O. 4352.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1975, the establishment known as Messrs Holy Christ School, 10th Main 4th Block, Jayanagar, Bangalore-11 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/31/75-PF.II(ii)]

का० प्र० 4353.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इन्टरकान इंजीनियर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 30/55, औद्योगिक उपनगर, यशवंतपुर, बंगलूर-560022 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(39)/75 पी० एफ०-2]

S.O. 4353.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Intercon Engineers (Private) Limited, 30/55, Industrial Suburb, Yeshwanthpur, Bangalore-560022 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1974.

[No. S. 35019/39/75-PF. II]

का० प्र० 4354.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नियन्त्रक कार्यालय कोम्पारेटिव बैंक लिमिटेड, "महालक्ष्मी" 209, क्यू-बोनपेट मेन रोड, बंगलूर-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(45)/75-पी० एफ०-2]

S.O. 4354.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Comptrollers Office Co-operative Bank Limited, "Mahalakshmi" 209, Cubbonpet Main Road, Bangalore-2 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35019/45/75-PF. II]

का० प्र० 4355.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पायनियर मैच वर्क्स (सदर) [एशियन मैच कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, सदर का एक नि्काय] नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(46)/75-पी० एफ०-2]

S.O. 4355.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Pioneer Match Works (Sattur [A Unit of Asia Match Company (Private) Limited, Sattur] have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S. 35019/46/75-PF. II]

का० प्र० 4356.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बारुड गाम प्राटो इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, 14-18, औद्योगिक एस्टेट, जोधपुर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019(92)/75-पी० एफ०-2]

S.O. 4356.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bald Gaum Auto Industries (Private) Limited, 14-16, Industrial Estate, Jodhpur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1974.

[No. S. 35019/92/75-PF. II]

का० प्रा० 4357—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बरगढ़ को-ऑपरेटिव शुगर मिल्स लिमिटेड, बरगढ़, जिला-सम्बलपुर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के दिसम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(98)/75-पी० एफ०-2]

S.O. 4357.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bargarh Co-operative Sugar Mills Limited, Bargarh, District Sambalpur have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1973.

[No. S. 35019(98)/75-PF. II]

का० प्रा० 4358—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कालपेन प्रोडक्ट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 309, रक्षियाल रोड, अहमदाबाद-23 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के मई के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(107)/75-पी० एफ०-2]

S.O. 4358.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Calpen Products (Private) Limited, 309, Rakhial Road, Ahmedabad-23 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1974.

[No. S. 35019/107/75-PF. II]

का० प्रा० 4359—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गुजरात रोड लाइन्स, एस्टोडिया गेट के बाहर, पुराना लाटी बाजार, रघुनाथपुर, अहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के नवम्बर, के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस० 35019(123)/75-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 4359.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Gujarat Road Lines, Outside Astodia Gate, Old Lati Bazar, Raghunathpura, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1974.

[No. S. 35019(123)/75-PF. II (i)]

का० प्रा० 4360—यतः, केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषयों में आवश्यक जांच करने के पश्चात् तीस नवम्बर, 1974 से मैसर्स गुजरात रोड लाइन्स, एस्टोडिया गेट के बाहर, पुराना लाटी बाजार, रघुनाथपुर, अहमदाबाद नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या एस० 35019(123)/75-पी० एफ०-2(ii)]

S.O. 4360.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of November, 1974 the establishment known as Messrs Gujarat Road Lines, Outside Astodia Gate, Old Lati Bazar, Raghunathpura, Ahmedabad for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(123)/75-PF. II (ii)]

का० प्रा० 4361.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राम कमफैशनरी वर्क्स, सेजपुर बोगा, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के फरवरी, के अट्ठाईसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस० 35019/125/75-पी० एफ०-2]

S.O. 4361.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rama Confectionery Works, Saijpur Bogha, Ahmedabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S. 35019/125/75-PF. II]

का० प्रा० 4362.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नटराजा, 92, अम्मान सन्नाथी, मदुराय नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के सितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019/236/74-पी० एफ०-2]

S.O. 4362.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Nataraja's, 92, Amman Sannathi, Madurai, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1974.

[No. S. 35019/236/74-PF. II]

का० प्रा० 4363.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कुमारन कैलेंडरिंग मिल्स 309 नारायण, बालासू आकबर-छिन्हाल (बाया) ईरोड-4 नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के नवम्बर, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस० 35019/238/74-पी० एफ०-2]

राम प्रसाद मरुला, प्रवर सचिव

S.O. 4363.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Kumaran Calendering Mills, 302, Narayana Valasu, Post Officer Dindal (via) Erode-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1974.

[No. S. 35019/238/74-PF. II]

R. P. NARULA, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1975

का० प्रा० 4364.—केन्द्रीय सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 4 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (i) के खण्ड (क) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, क्रोमाइट की खानों में नियोजित कर्मचारियों के उन प्रवर्गों को, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट हैं, वेय मजदूरों की न्यूनतम दरों को, जैसी कि वे उपरोक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 में सत्संबन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट हैं नियत करने के लिये की गई निम्नलिखित प्रस्थापनाओं को उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (i) के खण्ड (ख) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। यह सूचना भी दी जाती है कि उक्त प्रस्थापनाओं पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मासके अवसान के पश्चात् विचार किया जायेगा।

उपर विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पूर्व उक्त प्रस्थापनाओं के संबंध में जो भी आक्षेप या सुझाव प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

अनुसूची

कार्य का वर्गीकरण	प्रतिदिन मजदूरी की न्यूनतम दर
1	2
क्रोमाइट खानें	रु० पै०
अकुशल	
भाया, परिवार, ब्रेकर (हस्त साधनों का प्रयोग करने वाला), बेलदार (कैन्टीन), चौकीदार, क्लीनर, रसो-द्वारा सहायक, हथौड़ा, भारवाहक, लोरी सहायक, ट्रिपर मजदूर (पुरुष या स्त्री), कार्यालय परिवार, चपरासी। संदेश वाहक, सर्वेक्षण खलासी, शाकू कश (पुरुष	

1	2
या स्त्री), सफाई परिचर, सरफेस लैण्डर, पानी वाला, पानी बाहक, लकड़हारा, अन्य प्रवर्ग जो अकुशल हैं, चाहे वे किसी भी नाम से ज्ञात हों।	₹० ६० 5.80
अर्ध-कुशल या अकुशल पर्यवेक्षी	
उत्स्फोटक (ब्लास्टर) का सहायक, फिटर का सहायक, सहायक ड्रिल प्रचालक, परिचर प्रवर्ग 'ग', सहायक यांत्रिक बैकमैन, ब्रेकर (यांत्रिक साधनों का प्रयोग करने वाला), बटलर एवं रसोइया, रखवाय, रसोइया, चैकर, चार्जकण सहायक, शीघ्रधालय सहायक, मददगार (बढ़ई, लुहार, राजगीर, यांत्रिक खनन), हथौड़िया, बत्तीघर सहायक, पम्प प्रचालक, माली, खनन संगी, यांत्रिक सहायक, हरकारा, पोएन्ट्समैन प्रतियक (सैम्पलर), टेलीफोन परिचारक, टिम्बर मैन, अप्रशिक्षित शिपगृह परिचारक, संवातन पंखापरिचारक। अन्य प्रवर्ग जो अर्ध-कुशल या अकुशल पर्यवेक्षी हैं, चाहे वे किसी भी नाम से ज्ञात हों।	7.25
कुशल	
एयरविच कर्बण प्रचालक, आटो बिजली मिस्त्री, पेंटर, लुहार, उत्स्फोटक, कम्पेसर प्रचालक, ड्राइवर, कंकरीट मिश्रक प्रचालक, चार्जमैन, बढ़ई, कंपाउन्डर, रसायनज्ञ, ड्रिल प्रचालक, ड्रिल यांत्रिक आटो ड्राइवर, बिजली मिस्त्री, बेतार प्रचालक, फोरसेन, फिटर, फेरीड्राइवर, होयूस्ट प्रचालक, ड्राइवर, हमको ड्राइवर, जारीकर्ता, लोरी ड्राइवर, लोको ड्राइवर, लोडर प्रचालक, यांत्रिकलाइनमैन, राजगीर, दाई, मिस्त्री, पम्प प्रचालक, ड्राइवर, कुशल मजदूर, पर्यवेक्षक (यांत्रिक), पर्यवेक्षक विद्युत, प्रस्तर चलित्र (स्टोन क्रशर) प्रचालक, सर्वेक्षक, वरिष्ठ यांत्रिक, टरनर, टिम्बर मिस्त्री, वायरमैन, वेल्डर, संकर्म मिस्त्री, खनन इंजन प्रचालक, प्रभावी पहराय निगरानी, अन्य प्रवर्ग जो कुशल हैं, चाहे वे किसी भी नाम से ज्ञात हों।	8.70
लिपिकीय	
रोकड़िया, सहायक, लिपिक, पत्रिका लिपिक, खांचांची, मुंशी, अभिलेखपाल। फाइल लिपिक, भण्डारी समयपाल, आर्शलिपिक, टंकक, अन्य प्रवर्ग जो लिपिकीय हैं, चाहे वे किसी भी नाम से ज्ञात हों।	8.70

इस सूचना के प्रयोजन के लिये स्पष्टीकरण :

(1) (क) अकुशल कार्य वह कार्य हैं जिसमें बहुत थोड़ी या कुछ भी अकुशलता या कार्य का अनुभव अपेक्षित न करने वाली साधारण क्रियाएँ सम्मिलित हों,

(ख) अर्ध-कुशल कार्य वह कार्य है जिसमें कार्य के अनुभव से अर्जित कुछ मात्रा में कुशलता या सक्षमता सम्मिलित है और जो कुशल कर्मचारी के पर्यवेक्षण या मार्गदर्शन के अधीन किये जाने योग्य हैं और इसके अन्तर्गत अकुशल पर्यवेक्षी कार्य भी आता है,

(ग) कुशल कार्य वह कार्य है जिसमें कार्य के अनुभव से अथवा शिक्षण के रूप में या किसी तकनीकी या व्यावसायिक संस्था में प्रशिक्षण के माध्यम से अर्जित कुशलता या सक्षमता अपेक्षित है और जिसके पालन में स्वप्रेरणा और विवेक बुद्धि आवश्यक है।

(2) प्रस्थापित मजदूरी की न्यूनतम दरें सर्व सम्मिलित दरें हैं जिनमें आधारी दर, जीवन निर्वाह भत्ता, आवश्यक वस्तुओं के रियायत पर किये गए प्रदायों, यदि कोई हों, का नकदी मूल्य, सम्मिलित है तथा साप्ताहिक विश्राम के लिये देय मजदूरी भी सम्मिलित है।

81 GI/75-8

(3) मजदूरी की न्यूनतम दरें ठेकेदारों द्वारा नियुक्त किये गये कर्मचारियों को भी लागू हैं।

(4) जहां संविदा/करार आदि पर प्राधारित मजदूरी की विद्यमान दरें अधिनियम के अधीन अधिसूचित दरों से उच्चतर हैं, वहां उच्चतर दरें इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ न्यूनतम मजदूरी समझी जाएंगी और लागू की जाएंगी।

(5) अठारह वर्ष से कम आयु के और असमर्थ व्यक्तियों के लिये मजदूरी की न्यूनतम दरें समुचित प्रवर्ग के व्यस्क कर्मचारियों को देय दरों की 70 प्रतिशत होंगी।

[सं० एस-32019(8)/75-इन्क्यू० सी० (एम० इन्क्यू०)]

हंस राज छाबड़ा, उप सचिव

New Delhi, the 22nd September, 1975

S.O. 4364.—The following proposals made by the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 3 read with clause (iii) of sub-section (1) of section 4 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948), for fixing the minimum rates of wages as specified in column 2 of the schedule annexed hereto, payable to the categories of employees employed in employments in Chromite Mines as specified in the corresponding entries in column 1 of the said Schedule, are hereby published, as required by clause (b) of sub-section (1) of section 5 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said proposal will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said proposals before the expiry of period specified above will be considered by the Central Government.

SCHEDULE

Classification of work	Minimum rates of wages per day
1	2

CHROMITE MINES

UNSKILLED

Ayah, Attendant, Breaker (using Manual appliances), Beldar (Canteen), Chowkidar, Cleaner, Cook-helper, Hammer-man, Loader, Lorry helper, Trammer Mazdoor (Male/Female), Office boy, Peon/Messenger, Survey Khalasi, Sweeper (Male/Female), Scavenger, surface Lander, Watchman, Waterman, Water Carrier, Wood Cutter, other categories by whatever name called which are unskilled. Rs. 5.80

SEMI-SKILLED/UNSKILLED SUPERVISORY

Assistant to Blaster, Assistant to Fitter, Assistant Drill Operator, Attendant 'C' Category, Assistant Mechanic, Banksman, Breaker (using Mechanical appliances), Butler-cum-Cook, Carc-taker, Cook, Checker, Charge Room Assistant, Dispensary attendant, Helper (Carpenter, Blacksmith, Mason, Mechanic, Mining), Hammerman, Lamp-room Attendant, Pump Attendant, Mali, Mining mate, Mechanical Helper, Mail Runner, Points-man, Sampler, Telephone attendant, Timberman, Untrained Creche attendant, Ventilation-Fan-Attendant. Other categories by whatever name called which are semi-skilled/Unskilled Supervisory. Rs. 7.25

1

2

SKILLED

Airwinch Haulage Operator, Auto-Electrician, Rs. 8.70
Painter, Blacksmith, Blaster, Compressor-
Operator/Driver, Concrete mixer Operator,
Chargeman, Carpenter, Compounder, Chemist,
Drill Operator, Drill Mechanic, Driver Auto,
Electrician, Wireless Operator, Foreman, Fitter,
Ferry Driver, Hoist Operator/Driver, IMCO Dri-
ver, Issuer, Lorry Driver, Loco Driver, Loader
Operator, Lineman, Mechanic, Manson, Midwife,
Mistry, Pump Operator/Driver, Skilled Mazdoor,
Supervisor (Mechanic), Supervisor Electrical,
Stone crusher Operator, Surveyor, Senior Mecha-
nic, Turner, Timber Mistry, Wireman,
Welder, Work Mistry, Mining Engine Driver,
Incharge Watch & Ward, other categories by
whatever name called which are skilled.

CLERICAL

Accountant, Assistant, Clerks, Magazine Clerk, Rs. 8.70
Cashier, Munshi, Record Keeper/File clerks,
Store Keeper, Stenographer, Time-keeper,
Typist, other categories by whatever name called
which are clerical.

EXPLANATION : For the purpose of this notification,—

(1) (a) "Unskilled" work is one which involves simple operations requiring little or no skill or experience on the job,

(b) "Semi-skilled" work is one which involves some degree of skill or competence acquired through experience on the job and which is capable of being performed under the supervision or guidance of a skilled employee, and includes unskilled supervisory work;

(c) "Skilled" work is one which involves skill or competence acquired through experience on the job or through training as an apprentice or in a technical or vocational institute and the performance of which calls for initiative and judgement.

(2) The minimum rates of wages proposed are all inclusive rates including the basic rate, the cost of living allowance and the cash value of concessional supply, if any, of essential commodities and also include the wages payable for the weekly day of rest.

(3) The minimum rates of wages are applicable to employees employed by the contractor also.

(4) Where the prevailing rates of wages based on contract agreement etc. are higher than the rates notified under the Act, the higher rates would be protected and treated as minimum wages.

(5) The minimum rates of wages for young persons below 18 years of age and disabled persons shall be 70% of the rates payable to adult workers of the appropriate category.

[No. S-32019(8)/75-WC(MW)]

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

New Delhi, the 23rd September, 1975

S.O. #365.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamadoba Colliery of Messrs. Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th September, 1975.

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD.**

Reference No. 11 of 1975

In the matter of an industrial dispute under Section 10
(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Ministry's Order No. L-2012/173/74-LRII, dated-
7-2-1975.)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamadoba
Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Company
Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the Employers—Shri S. S. Mukherjee, Ad-
vocate.

On behalf of the Workmen—Shri J. D. Lal, Advocate.

State: Bihar

Industry: Coal.

AWARD

In this reference which was sent by the Government of
India, Ministry of Labour, New Delhi to this Tribunal for
adjudication of the industrial dispute involved, two issues
were framed viz.

"(1) Whether the management of Jamadoba Colliery of
Messrs. Tata Iron & Steel Company Limited, Post
Office Jealgora, District Dhanbad, are justified in
terminating the service of Shri Shanta Turi, Safety
Lamp Cleaner, with effect from 11th September,
1974?

(2) If not, to what relief is the workman entitled?"

The parties duly appeared in this reference by their Advo-
cates authorised for the purpose. Written statements were
filed by the parties and the case proceeded along its course.
Ultimately the employers represented by Shri S. S. Mukherjee,
Advocate and the workman represented by Shri J. D. Lal,
Advocate filed a memorandum of settlement signed by both
parties with a prayer that an award may be passed in
terms of the settlement as filed. I heard the parties on the
matter and it is submitted that they have come to an ami-
cable settlement in the industrial dispute and an award may
be passed accordingly. It appears that the memorandum of
settlement was duly signed by both sides. The terms of the
settlement appear to be beneficial to the parties and nothing
stands in the way of an award being passed.

2. In the result, I pass an award in respect of the indus-
trial dispute involved in this reference in terms of the memo-
randum of settlement which do, form part of the award.

9th Sept. 1975.

K. K. SARKAR, Presiding Officer.

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. II,
DHANBAD**

Reference No. 11 of 1975

The Employers in relation to the Management of Jama-
doba Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd.,
Jamadoba, P.O. Jamadoba, Distt. Dhanbad.

AND

Their Workmen.

The parties above named beg to submit as follows :—

That the concerned workmen Sri Shanta Turi has since
approached the management and requested for the review

of his order of dismissal in view of certain new facts which could not be placed by him at the time of enquiry.

2. That the management discussed the entire dispute afresh in the light of further facts.

3. That after thorough discussion the parties have agreed to settle the dispute on the following terms :—

(a) That Shri Shanta Turi is to be reinstated in his original job of Safety Lamp Cleaner with effect from the date he reports for duty.

(b) That Shri Shanta Turi is to report for duties within 7 days from the date of this agreement, failing which his termination with effect from 11-9-1974 stands.

(c) That the period from the date of termination till the date of his re-instatement will be treated, as if Shri Shanta Turi was on leave without wages for the purpose of continuity of service only.

(d) That Sri Shanta Turi will not be entitled to any wages or compensation for the period of his idleness.

(e) that the parties will bear their respective cost of this proceedings.

4. That the above terms settle the pending dispute in the present reference and there remains no other dispute which needs any further adjudication.

It is therefore humbly prayed that the above terms of settlement may kindly be accepted and an Award passed in terms thereof.

Concerned Workman.

For Employer.

Sd/-

(Illegible)

Sd/-

(Sri Shanta Turi)

Identified by me.

Sd/- (J. D. Lal) Advocate

K. K. SARKAR, Presiding Officer

[No. L 20012/173/74-LRII/D. III A]

G. C. SAKSENA, Under Secy.

New Delhi, the 19th September, 1975

S.O. 4366.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bikaner Gypsum Limited, Bikaner, and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th September, 1975.

CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN JAIPUR

CASE No. CIT 5/69.

Ref:—Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) order No. 24/35/67-LRI dated 18-12-1967.

In the matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

Gypsum Mines Workers Union, Bikaner

AND

Bikaner Gypsum Ltd., Bikaner.

APPEARANCES

For the Unions

Shri Prem Kishan Sharma
Shri I.M. Bafna

For the Management

Shri A.K. Mukarji

AWARD

The Central Government has made the following reference for adjudication to this Tribunal :—

(i) Whether the management of M/s. Bikaner Gypsum Limited Bikaner was justified in laying off 138 workmen without payment of any lay off compensation mentioned below employed in their Jamsar, Dhireta and Suratgarh mines and in their Bikaner office from the date mentioned against each? If not, to what relief are the workmen entitled?

S. No.	Name of the Mine	Name of the workman	Date of lay off
1	2	3	5
1.	Jamsar	Shri Shanti Prakash Asstt. foreman	10-10-67
2.	"	" Kanti Prasad	"
3.	"	" Shri Harjeet Singh	"
4.	"	" S. D. Joshi	"
5.	"	" Omprakash Bansal, Supervisor	"
6.	"	" B.S. Thapa,	"
7.	"	" Ramkaranlal Gupta, Clerk	"
8.	"	" Hazari Peon	"
9.	"	" L.N. Dass, Peon	"
10.	"	" Radey Shyam, Supervisor	"
11.	"	" Ashish Kr. Biswas, Supervisor	"
12.	"	" Sher Singh	"
13.	"	" P.K. Bose	"
14.	"	" K.U. Khan	"
15.	"	" Rajawar	"
16.	"	" Mohan Singh	"
17.	"	" Mohan Singh Lok	"
18.	"	" Pratap Singh, Peon	"
19.	"	" Jahangri Shan, Peon	"
20.	"	" Moolia, Peon	"
21.	"	" Krishna	"
22.	"	" Moda	"
23.	"	" Jadgish	"
24.	"	" Bholiya	"
25.	"	" Chautiya	"
26.	"	" Jamuna	"
27.	"	" Jethiya	"
28.	"	" Dhapoo	"
29.	"	" Ladwai	"
30.	"	" B.L. Ojha, Clerk	14-10-67
31.	"	" Popranmal Khatri, Peon	"
32.	"	" Chhoturam, Driller	"
33.	"	" Ramkishan	"
34.	"	" Joshi	"
35.	"	" Lala	"
36.	"	" Krishna, Blasting Helper	"
37.	"	" Pohkar	"
38.	"	" Ania	"
39.	"	" Premla	"
40.	"	" Deola, Mate	"
41.	"	" Ganga son of Girdhari, Mazdoor	"
42.	"	" Kheta son of Ama, Mazdoor	"
43.	"	" Bhron s/o Pooran	"
44.	"	" Govind s/o Chotiram	"
45.	"	" Tejaram s/o Rajunial	"
46.	"	" Shera son of Bhika	"
47.	"	" Amritya s/o Purkha	"
48.	"	" Smt Deoli w/o Amartia, female mazdoor	"
49.	"	" Chunki w/o Ridmal	"
50.	"	" Rajki w/o Sardarram	"
51.	"	" Kelki w/o Chola	"

1	2	3	4	1	2	3	4
52.	Jamsar Smt.	Aski w/o Rewatia Female Mazdoor	14-10-67	115.	Jamsar Smt.	Ganga Female Mazdoor	21-10-67
53.	"	" Aski w/o Ganga	"	116.	"	" Meera Female Mazdoor	"
54.	"	" Anchi w/o Amritiya	"	117.	"	" Shri Baloo Male Mazdoor	"
55.	"	" Puski w/o Jeru	"	118.	"	" Bhura Male Mazdoor	"
56.	"	" Romeshweridevi, Crech Atten	"	119.	"	" Mohan Singh, Field Asstt.	"
57.	"	" Shri B.G. Ganguli, Water Supply	"	120.	"	" Farida, Khalasi	"
58.	"	" Deem Mohammed, workshop Attendant	"	121.	Suratgarh	" M. L. Sharma, Supervisor	16-10-67
59.	"	" Raghunandan Arya, Air Compressors Att.	"	122.	"	" Wazir son of Kanga Mazdoor	"
60.	"	" Lal Moh.	"	123.	"	" Rakaudin son of Wazir Mazdoor	"
61.	"	" Mangla, Engine Attendant	"	124.	"	" Ganeshlal son of Kishan Mazdoor	"
62.	"	" Bulaki	"	125.	"	" Kirat son of Fallu Shah M.	"
63.	"	" Abdul Sakoor Engine Attendant	"	126.	"	" Gangaram son of Bhairaram Mazdoor	"
64.	"	" Smt. Dhani w/o Udha, Female Mazdoor	"	127.	"	" Trilok Dass s/o Hukamdass Mazdoor	"
65.	"	" Anki w/o Jairam	"	128.	Dhirera	" Gulab Singh Supervisor	14-10-67
66.	"	" Gorly w/o Dhokalia	"	129.	"	" Ratiram Mazdoor	"
67.	"	" Sardari w/o Magga	"	130.	"	" Jetha Mazdoor	"
68.	"	" Sardari w/o Mangla	"	131.	"	" Keshri Singh Mazdoor	"
69.	"	" Durki w/o Jora	"	132.	"	" Lal Singh Diesel Mech.	"
70.	"	" Shri Inder Sain Shoval Operator	20-12-67	133.	"	" Hussain Khan s/o Farid Khan	"
71.	"	" Suroya Khan, Shoval Operator	20-10-67	134.	"	" Kamal Singh Poon	15-10-67
72.	"	" Lal Khan Driver (A)	"	135.	"	" Ratiram Mazdoor	"
73.	"	" Mool Singh Driver (A)	"	136.	"	" Ramdhar Giri, Blaster	"
74.	"	" Ramchandra Driver (B)	"	137.	"	" Jodhram Helper	"
75.	"	" Faizu Driver B	"	138.	"	" Ramjan Helper	"
76.	"	" Mantoo Driver B	"	(2) Whether the management of M/s. Bikaner Gypsum Limited Bikaner was justified in retrenching 48 workmen mentioned below with effect from the 18th November, 67, if not, to what relief are they entitled?			
77.	"	" Prem Singh Driver B	"				
78.	"	" Hari Singh Driver B	"	1.	Shrimati Chandi		
79.	"	" Kishan Singh Driver B	"	2.	" Nirki		
80.	"	" Sultan Singh Driver B	"	3.	" Aski		
81.	"	" Chand Khan Driver B	"	4.	" Jamuna		
82.	"	" Neta, Fitter	"	5.	" Dhanni		
83.	"	" Ahmed Sen, Fitter	"	6.	" Aski		
84.	"	" Jahangri Shah, Fitter	"	7.	" Firojii		
85.	"	" Bhanwar Shah Fitter (Bench)	"	8.	" Anki		
86.	"	" Pusha Blacksmith	"	9.	" Gorly		
87.	"	" Gokul Singh Welder	"	10.	" Jethki		
88.	"	" Pusha, Wireman 'B'	"	11.	" Sardari		
89.	"	" Kishanlal Helper	"	12.	" Chunki		
90.	"	" Sarwar Khan, Helper	"	13.	" Anchi		
91.	"	" Nathu Shah Helper	"	14.	" Phuzhki		
92.	"	" Bishan Singh Helper	"	15.	" Miran		
93.	"	" Faisu Shah Helper	"	16.	" Dhapo		
94.	"	" Noor Shah Helper	"	17.	" Kajki		
95.	"	" Mangtu Helper	"	18.	" Deoli		
96.	"	" Kalia Ram Helper	"	19.	" Sardari		
97.	"	" Nema Ram Helper	"	20.	" Dhurki		
98.	"	" Rahmat Ali Mazdoor	"	21.	" Laduri		
99.	"	" Nareshi Rani Mazdoor	"	22.	" Tejki		
100.	"	" Nathu Singh Mate	"	23.	Shri Sundar Shah		
101.	"	" Smt. Dhapu Maz. Female Mazdoor	"	24.	" Ramjan Shah		
102.	"	" Tejki Female Mazdoor	"	25.	" Ramjan		
103.	"	" Shri Umer Singh, Shoval Operator	21-10-67	26.	" Rehamatali		
104.	"	" Gopal Singh, Driver A	"	27.	" Kheta		
105.	"	" Chatra, Generator Operator	"	28.	" Dhannaram		
106.	"	" Farida, Air Comp. Attendant	"	29.	" Bhairon		
107.	"	" Lalla Khan, Mazdoor	"	30.	" Abdul Shah		
108.	"	" Smt. Neerki Female Mazdoor	"	31.	" Kirat Shah		
109.	"	" Phirozeli Female Mazdoor	"	32.	" Fazal Shah		
110.	"	" Shri Virendra Kumar, Sr. Clerk	"	33.	" Sardar Khan		
111.	"	" Yusuf Poon	"				
112.	"	" Ramanlal Sr. Clerk	"				
113.	"	" R. S. Saxena, Clerk	"				
114.	"	" Smt. Bhura, Female Mazdoor	"				

- 34: Shri Makhan Shah
35. „ Luna
36. „ Shetan Singh
37. „ Narsi Ram
38. „ Ganeshlal
39. „ Nukma
40. „ Reda Ram
41. „ Deepa Ram
42. „ Jotha Ram
43. „ Jagdish
44. „ Rati Ram
45. „ Keshri Singh
46. „ Manohar
47. „ Shafi Shah
48. „ Mahboob Shah

The statement of claim was filed by the Secretary, Gypsum Mines Workers Union, and reply to it was filed on behalf of the management. Thereafter the parties produced their evidence, the case was fixed for arguments. When the parties desired that they would try to settle the dispute mutually, hence adjournments were given. On 28-3-74, a settlement was filed by the management and the Gypsum Mines Workers Union, a copy of the settlement was given to the representative of the Rashtriya Gypsum Karamchari Sangh who had become a party to the reference later on, but had not filed a statement of claim on their behalf. Some objections were raised by this Sangh with regard to three workmen. On 25-6-74, the two unions namely Gypsum Mine Workers Union and Rashtriya Gypsum Karamchari Sangh, settled the matter amongst themselves and prayed before the Tribunal for passing an award on the terms of the settlement. I have gone through the terms of the settlement and find that they are just, reasonable and equitable. Hence an award on the terms of the settlement which shall form a part of the award is passed.

Sd/-

G. N. MATHUR, Presiding Officer

Form H'
(See Rule 58)

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of parties :

- | | | |
|-----------------------------|--|---|
| Representing
Employers : | <ol style="list-style-type: none"> 1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Ltd., Bikaner. 2. Shri A. K. Mukherjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Ltd., Bikaner. | |
| Representing
Workmen : | <ol style="list-style-type: none"> 1. Shri Radhey Shyam, President. 2. Shri Ghulam Shah, Vice President. 3. Shri V. N. Gupta, General Secretary. 4. Shri B. L. Ojha, Secretary | } Gypsum Mine
Workers
Union Jamsar. |

SHORT RECITAL OF THE CASE :

Certain disputes relating to lay off and retrenchment arose at the instance of the Gypsum Mine Workers Union. Later on these disputes were referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur. The dispute was numbered as Reference No. 5/69. These cases have been pursued by the Gypsum Mine Workers Union before the Industrial Tribunal and various hearings have been held from time to time. During the pendency of the case 25 retrenched workers have finally settled their cases. The parties felt that instead of pursuing litigation, efforts should be made to settle these outstanding disputes. All the other disputes between the parties have already been settled. Negotiations were held between the parties both before the Industrial Tribunal during the course of hearings as also separately between the parties and as a result of these negotiations parties arrived at a tentative settlement at the last hearing before the Tribunal on 28-9-73. Parties have now finally settled the dispute on the following amongst other.

TERMS OF SETTLEMENT

REGARDING RETRENCHED WORKMEN :

1. The Workmen as per Annexure I have already accepted the retrenchment compensation in full and final settlement of their accounts and individual settlements have already been arrived at with them and filed before the Industrial Tribunal. It is agreed that the cases of the aforesaid workmen will stand settled in terms of the individual settlements already filed before the Industrial Tribunal and will form part of this settlement and will be annexed as Annexures II I to II 25.

2. Shri Sudhershnan, Ticket No. 2250, has already joined the company's establishment at Udaipur and no dispute now survives with regard to him. As far as Shri Jagdish, Ticket No. 3070, is concerned, he has already been employed elsewhere and is no longer interested in being employed in the company nor has he any claim to compensation. He has already been paid his due compensation and other dues.

3. As regards Shrimati Gorli, Ticket No. 2163, w/o. Dhokalia, Shrimati Deoli, Ticket No. 2143, W/o. Shri Amra, Shrimati Dhoap, Ticket No. 2155, W/o. Pema and Shrimati Aski, Ticket No. 2153, W/o. Jeshia, it is agreed that an ex-gratia payment, equal to the amount of retrenchment compensation already paid to them, shall be made, in full and final settlement of their claims. Their present whereabouts are not known, but the management will send intimation by Registered post at their last known addresses in consultation with the union. If they do not turn up to collect payment within one month of the signing of the settlement, no further claim shall survive.

4. The following 17 workmen will be taken back in the employment of the company and they shall report for duty within 15 days of the signing of the settlement :

1. Shri Rehmat Ali, T. No. 2247
2. Shri Sardar Khan, T. No. 2132
3. Shri Shaitan Singh, T. No. 3057
4. Shri Narsi Ram, T. No. 2258
5. Shri Hukma, T. No. 2270
6. Shri Reda Ram, T. No. 3067
7. Shri Jetha Ram, T. No. 3073
8. Shri Rati Ram, T. No. 3074
9. Shri Manohar, T. No. 2269.
10. Shri Mehboob Shah, T. No. 2273
11. Smt. Hirki, T. No. 2141
12. Smt. Jumna, T. No. 2157
13. Smt. Sardari, T. No. 2154
14. Smt. Phuski, T. No. 2197
15. Smt. Miran, T. No. 2150
16. Smt. Rajki, T. No. 2148
17. Smt. Laduri, T. No. 2147

If they do report for duty, they shall be so taken back and if they do not report for duty, they will forfeit their chances to employment or any other claims against the company. They shall be considered as new employees and their dates of appointment will be counted as from the date of re-employment save and except for the purpose of provident fund which will be from the date they are employed after this settlement. Any earlier service shall not be counted.

REGARDING LAID OFF WORKMEN :

5. Without creating any precedent in future and in the interest of maintaining cordial employer-employee relations, it is hereby agreed with regard to the laid off employees as follows :

- (i) They will be paid compensation at the rate of half wages as prescribed under the Industrial Disputes Act for the period they were laid off without compensation.
- (ii) They will further be paid an ex-gratia amount as per Annexure III attached herewith.

6. The above settlement fully settles all disputes pending before the Industrial Tribunal and referred in Reference No. CIT 5/69. The parties will pray to the Tribunal to make an award in terms of this settlement. Copies of this settlement will also be forwarded jointly by the parties in accordance with Rule 58(4) of the Industrial Disputes (Central) Rules to the authorities

prescribed under the said rules.

Representing Management : Sd/-M. Roy N,
Sd/-A.K. Mukhejee
Representing Workmen : Sd/-Radheyshyam
Sd/-Ghulam Shah
Sd/-V.N. Gupta
Sd/-B.L. Ojha

Annexure to settlement
dated 25-3-74

ANNEXURE—I

Sl. No.	Name	Father/Husband's name :	T.No.	Ex-Gratia Amount :
				Rs.
1.	Shri Kheta	S/o. Amra	2121	490.77
2.	Shri Bhera Ram	S/o. Puran	2123	490.77
3.	Shri Abdul Shah	S/o. Noor Shah	2127	496.26
4.	Shri Kirat Shah	S/o. Pallu Shah	2196	496.26
5.	Shri Ramzan Shah	S/o. Pallu Shah	2267	551.40
6.	Shri Fazal Shah	S/o. Fateh Shah	2243	496.26
7.	Shri Luna	S/o. Jumme Khan	2248	496.26
8.	Smt. Tejki	W/o. Lichman	2185	516.67
9.	Shri Ramzan	S/o. Rahim Bux	2200	551.40
10.	Shri Shafi Shah	S/o. Miran Shah	2272	51.98
11.	Smt. Chandki	W/o. Ramo	2139	534.59
12.	Smt. Dhani	W/o. Uda	2138	540.37
13.	Smt. Aski	W/o. Rewatia	2156	538.60
14.	Smt. Pirojli	W/o. Nabi Bux	2167	521.60
15.	Smt. Anki	W/o. Jairam	2161	541.55
16.	Smt. Chunki	W/o. Ridmal	2144	520.14
17.	Smt. Sardhari	W/o. Mangla	2145	532.40
18.	Smt. Dhurki (Decd.)	W/o. Jausa	2164	511.64
19.	Shri Ganeshlal	S/o. Shroekishan	2259	316.88
20.	Shri Deepa Ram (Decd.)	S/o. Lakha Ram	3069	212.82
21.	Shri Keshari Singh	S/o. Ganpat Singh	3081	208.83
22.	Shri Makhan Shah	S/o. Gulab Shah	2239	496.26
23.	Shri Dana Ram (Decd.)	S/o. Magga	2240	496.26
24.	Smt. Jethki	W/o. Rawat	2183	529.01
25.	Smt. Anchi	W/o. Amra	2162	514.32

ANNEXURE—II 1

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

- Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
- Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

- Shrimati Anki, T. No. 2161, w/o Jai Ram, Jamsar (in Person).

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-1-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer

before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-
(M. N. ROY)
Sd/-
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman :

RTI of Anki.

Witnesses :

- Sd/- Ghulam Shah
- Sd/- Govind Singh

Bikaner, Date : 1-11-73.

ANNEXURE—II 2

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

- Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
- Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Safi Shah, T. No. 2272, s/o Miron Shah, Jamsar (in Person).

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-

(M. N. ROY)

Sd/-

(A. K. MUKHARJEE)

Sd/-

(SAFI SHAH)

Representing Workman :

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Date : 1-11-73

Bikaner.

ANNEXURE II 3

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukherjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Dhani T. N. 2138 W/o Uda Jamsar. (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas, the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammad Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in the question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or other wise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Dispute Act, 1947.

Representing Employers: Sd/-
M. N. Roy
Sd/-
A. K. Mukharjee

Representing Workman R. T. J. Dhauri.
Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Date : 3-11-73

ANNEXURE II/4

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Keseri Singh T. N. 3081
S/o Ganpat Singh, Deherera

(in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26/10/68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name ap-

pears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Dispute Act, 1947.

Sd/

(M. N. Roy)

Representing Employers :

A. K. MUKHERJEE,

Representing Workman :

LTI of Keseri Singh

Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Date : 10-12-73.

ANNEXURE II/5

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner, Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Deeparam T.N. 3069 Deceased (Wife & legal heir Smt. Imrati Devi, Dhesara).

(in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26/10/68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Dispute Act, 1947.

M. N. ROY

Representing Employers :

A. K. MUKHARJEE

Representing Workman : RTI of Imrati Devi Legal heir of Deeparam

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Date : 10-12-73.

ANNEXURE II/6

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Dhurki T. N. 2164 deceased W/o Jaura (husband) Jamsar.

(in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26-10-68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officer, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

M. N. ROY

Sd/-

Sd/-

A. K. MUKHARJEE

Representing Workman :

LTI of Jaura Legal heir of Dhurki

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Date : 28-11-73

ANNEXURE II/7

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

Representing Employers:

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman:

1. Shri Ganeshlal T. N. 2259 S/o Shrikishan Suratgarh (in Person).

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26-10-68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officer, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in the question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award

in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers:

Sd/-
(M. N. ROY)

Sd/-
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman:

Witnesses: ()
(Ganeshlal)

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Date : 8-12-73

ANNEXURE II/8

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

Representing Employers:

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman:

1. Shrimati Jathki T. N. 2183, D/o Rawet Jamsar (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26-10-68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officer, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

Sd/-
(M. N. ROY)

Sd/-
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman:

Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah
 2. Sd/- Govind Singh
- Date : 5-2-74

RTI of Jethki

ANNEXURE II/9

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman:

1. Shrimati Gauran T. N. 2240 Legal heir of Danaram Jamsar (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan

to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers:

Sd/-
(M. N. ROY)

Sd/-
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman:

Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah
2. Sd/- Govind Singh

Date 22-1-1974

RTI of Gauran

Legal heir of Danaram

ANNEXURE II/10

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman:

1. Shrimati Auchi W/o Amra, T. N. 2162, Jamsar (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

ANNEXURE II/11

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur:

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers:

Sd/-
M. N. ROY

Sd/-
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman:

(RTI of Auchi)

Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah
 2. Sd/- Govind Singh
- Date : 22-1-74
Bikaner

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman:

1. Shrimati Janta, Legal heir & W/o Makhan Shah deceased T. N. 2239, Jamsar. (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future:

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years:

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

Sd/-
(M. N. ROY)

Sd/-
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman: (RTI of Janta W/o Makhan Shah)

Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Date : 27-12-73.

Bikaner

ANNEXURE II/12

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties:

Represent Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman:

1. Shri Luma T. N. 2248 S/o Jumuna Khan, Jamsar.

(in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68, Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the Company was referred for adjudication of the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur:

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years:

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference

relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers:

Sd/-
(M. N. ROY)

Sd/-
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman:

Witnesses:

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Date : 18-10-73

Bikaner

ANNEXURE II/13

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman : 1. Shrimati Teejki T.N. 2185 W/o Luchman, (Jamsar) (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3 (ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/59 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in

cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years :

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

M. N. ROY
A. K. MUKHARJEE

Representing Workman : RTI of Teyki

Witnesses :

1. Ghulam Shah
2. Govind Singh
Bikaner : 18-10-73

ANNEXURE II/14

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Sardari T. N. 2145 W/o Mangla, Jamsar. (In Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

M. N. ROY
A. K. MUKHARJEE

Representing Workman : (RTI of Sardari)

Witnesses :

1. Ghulam Shah
2. Govind Singh
Bikaner : 22-10-73

ANNEXURE II/15

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Chandki T. N. 2139, W/o Ramoo. Jamsar. (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed, for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

M. N. ROY
A. K. MUKHARJEE
(RTI of Chandki)

Representing Workman :

Witnesses :

1. Ghulam Shah
2. Govind Singh

Date : 19-10-73
Bikaner

ANNEXURE II/16

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Abdul Shah T. N. 2127 S/o Noor Shah Jamsar. (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3 (ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.
2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.
3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

M. N. ROY

A. K. MUKHARJEE

ANNEXURE II/17

Representing Workman :

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah
 2. Sd/- Govind Singh
- Dated : 18-10-73,
Bikaner.

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Ramzan T. N. 2200. S/o Rahim Box Jaipur (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur ;

2. And whereas the reference was numbered as I. T. 6/67 and renumbered as I. T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Sd/-
(M. N. ROY)

Representing Employers :

Sd/-
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman

L. T. L. of Ramzan

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah
 2. Sd/- Govind Singh
- Dated : 30-10-73.
Bikaner

ANNEXURE II/18

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Khota Ram T. N. 2121 S/o Amra Jaunsar (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I. T. 6/67 and renumbered as I. T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future :

5. And whereas the workman approached the management and expressed desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years :

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all

his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

Sd/-
(M. N. ROY)

Sd/-
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Dated 18-10-73

Bikaner.

L. T. I. of Khota Ram
ANNEXURE II/19

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Chunki T.N. 2144 w/o Ridmal Jaunsar. (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S. O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-1967 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the service of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future :

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Representing Employers :

Sd/-
(M. N. ROY)

Sd/-
(A. K. MUKHARJEE)

Representing Workman

Witnesses :

R. T. I. of Chunki.

1. Sd/- Gulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Dated : 22-10-1973

Bikaner.

ANNEXURE II/20

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsum Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Fazal Shah T.N. 2243 S/o Fateh Shah, Jaunsar. (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) Published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future;

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of Court which has already dragged for a number of years;

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following:

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to be authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act, 1947.

Sd/-

Representing Employers :

(M. N. ROY.)

Sd/-

(A. K. MUKHERJEE)

Representing Workman:

L.T.I. of Fazal Shah

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Dated : 18-10-1973

Bikaner.

ANNEXURE II/21

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukherjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Bharam T. No. 2123.

S/o Pura, Junsar. (in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central

Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years;

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future;

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years;

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claims nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-

(M. N. ROY)

(A. K. MUKHERJEE)

Representing Workman :

LTI of Bharam

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Dated : 18-10-73

Bikaner.

ANNEXURE II/22

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.
Representing Workman :

1. Shri Kirat Shah T. No. 2196 S/o Palu Shah, Jaunsar.
(in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3 (ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15-10-68 published in the Gazette of India dated 26-10-68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years;

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal;

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future;

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years;

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claims nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-
(M. N. ROY)

Sd/-
(A. K. MUKHERJEE)

Representing Workman

LTI of Kirat Shah

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Dated : 18-10-73

Bikaner.

ANNEXURE II23

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shri Ramzan Shah T. No. 2267 S/o Palu Shah, Jaunsar.

(in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3 (ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3 (ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case was transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal;

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future;

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years;

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following :

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claims nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex gratia payment which is in excess of what is due under law,

he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-
(M. N. Roy)

Sd/-
(A. K. Mukharjee)

Representing Workman

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Date : 18-10-73

Bikaner

LTI of Ramzan Shah

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-
(M. N. Roy)

Sd/-
(A. K. Mukharjee)

Representing Workman
Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Date : 1-11-73.

Bikaner

RTI of Pirojli

ANNEXURE II 24

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Pirojli T. N. 2167 W/o Nabi Bax Jamsar,
(in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 18-12-67 Part II, Section 3(ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3(ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur;

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future;

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years;

ANNEXURE II 25

FORM 'H'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Name of Parties :

Representing Employers :

1. Shri M. N. Roy, Mines Superintendent Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

2. Shri A. K. Mukharjee, Personnel Manager, Bikaner Gypsums Limited, Bikaner.

Representing Workman :

1. Shrimati Aski. T. No. 2156 W/o Rewantia Jamsar.
(in Person)

SHORT RECITAL OF THE CASE

Whereas by Order No. S.O. 4652 of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) published in the Gazette of India dated 1-12-67 Part II, Section 3 (ii) and subsequently modified by Government's Order dated 15/10/68 published in the Gazette of India dated 26/10/68 Part II, Section 3 (ii), an industrial dispute relating to lay off and retrenchment of some of the workers of the company was referred for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur.

2. And whereas the reference was numbered as I.T. 6/67 and renumbered as I.T. 5/69 (after this was transferred to Shri Gopal Narain Sharma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, when Shri J. S. Ranawat, Presiding Officer before whom this was originally pending, retired) and the reference is pending before the Central Government Industrial Tribunal now since the last about five years.

3. And whereas the services of the Presiding Officers, Shri Gopal Narain Sharma and Mohammed Yaqub Khan to whom this case transferred are no longer available and this has been transferred to the newly appointed Presiding Officer of the Central Government Industrial Tribunal.

4. And whereas the workman, who was retrenched about five years back from service, is undergoing unnecessary harassment due to the dispute in question lying virtually in cold storage with no certainty of a final decision one way or the other in the near future.

5. And whereas the workman approached the management and expressed a desire to amicably settle the dispute relating to his lay off and/or retrenchment finally out of court which has already dragged for a number of years.

6. That consequently the talks started between the workman and the management and now the parties have settled the dispute on the following.

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the workman who was laid off and subsequently retrenched and/or retrenched and whose name appears in the schedule to the terms of reference relating to retrenchment shall be given ex-gratia payment as per Schedule 'A' attached to the settlement and the workman accepts the amount as fair, just and in full and final settlement of all his claims. He agrees not to raise any dispute of whatever nature under any circumstances in the matter, including lay off for which also he has no further claim nor shall he raise any further claim in respect thereof. In view of the generous ex-gratia payment which is in excess of what is due under law, he further agrees that he shall not have any claim on the company either by way of reinstatement or re-employment or otherwise.

2. The parties will also file this settlement before the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jaipur and pray for a 'no dispute' award in the matter of the pending reference referred to above.

3. That a copy of this settlement shall be sent to the authorities as prescribed for making the settlement binding under the Industrial Disputes Act 1947.

Representing Employers :

Sd/-
(M. N. Roy)

Sd/-
(A. K. Mukharjee)

Representing Workman

Witnesses :

1. Sd/- Ghulam Shah

2. Sd/- Govind Singh

Date : 30-10-73

Bikaner

RTI of Aski

ANNEXURE III

1. Shri Kanti Pd.	J.L.F.	58.16
2. Shri Shanti Prakash	J.L.F.	51.36
3. Shri Harjit Singh	J.L.F.	322.46
4. Shri R.K. Lall Gupta	Asst.	47.35
5. Shri Radheysyam	Sampling Asst.	42.43
6. Shri A.K. Biswas	"	43.79
7. Shri Sher Singh	"	42.02
8. Shri P.K. Bose	"	43.79
9. Shri K.U. Khan	"	47.16
10. Shri Ramjeevan	"	88.04
11. Shri Jhangir Shah	Peon	25.55
12. Shri Moolia	Peon	33.41
13. Shri Krishna	Helper	21.84
14. Shri Moda	"	21.84

81 GI/75-11

15. Shri B.L. Ojha	Assistant	535.00
16. Shri Shera	Helper	21.84
17. Shri Jamura	Helper	72.02
18. Shri Ladoori	Helper	72.02
19. Shri Ram Kishan	Driller	203.95
20. Smt. Rajki	Helper	64.74
21. Smt. Phoski	Helper	64.74
22. Shri Raghu Nandan	Attendant	220.97
23. Shri Lal Mohd.	"	194.66
24. Shri Bulaki	"	32.57
25. Shri Gouli	Helper	64.74
26. Smt. Sardari W/o Magha	Helper	64.74
27. Shri Indar Sain	Shovel Optr.	377.00
28. Shri Bhurey Khan	Shovel Optr.	249.63
29. Shri Lal Khan	D-7 Operator	245.71
30. Shri Maloo Singh	Driver	79.12
31. Shri Faizu	"	203.95
32. Shri Hari Singh	"	203.95
33. Shri Ahmed Shah	"	112.95
34. Shri Jhangir Shah	Fitter	112.95
35. Shri Bhanwar Shah	"	236.82
36. Shri Kishan Lal	Helper	26.18
37. Shri Sarwar Khan	"	55.01
38. Shri Nathoo Shah	"	55.01
39. Bishan Singh	"	55.01
40. Shri Faizu Shah	"	55.01
41. Shri Noor Shah	"	53.52
42. Shri Mangtoo	Chowkidar	55.01
43. Shri Nema Ram	"	55.01
44. Shri Rehmat Ali	Helper	53.82
45. Shri Narsi Ram	"	53.82
46. Shri Gopal Singh	D-7 Operator	279.72
47. Shri Chitra Ram	Gen. Operator	24.33
48. Smt. Hirki	Helper	52.00
49. Shri R.S. Saxena	Assistant	245.92
50. Smt. Bhoori	Helper	50.17
51. Smt. Miran	"	52.00
52. Shri Mohan Singh	Field Asst.	131.38
53. Shri Farida	Survey Asst.	31.19
54. Shri Tirlok Ram	Helper	12.05
55. Shri Lal Singh	D. Mech.	263.51
56. Shri Hussain Khan	Helper	69.05
57. Shri Kamal Singh	Peon	155.26
58. Shri Ramzan	Helper	48.36
59. Shri Mohan Lal	Sampling Asst.	76.04
60. Shri Ganga Ram	Helper	5.47
61. Shri Gulab Singh	Sampling Asst.	20.21
62. Shri Rati Ram	Helper	7.30
63. Shri Jetha Ram	Helper	7.30
64. Shri B.C. Ganguli	Asst.	8.17
65. Shri O.P. Bansal	Asst.	37.06
66. Shri B.S. Thapa	Asst.	16.84
67. Shri Hazari	Asst.	21.62
68. Shri Rati Ram	Peon	5.90

Note: 1. Amounts to be paid subject to leave taken which period shall not be lay-off period.

2. Errors and omissions excepted.

SCHEDULE 'A'

Sl. No.	Name	Father/Husband's Name	T. No.	Ex-Gratia Amount
1	2	3	4	5
				Rs.
1.	Shri Kheta	S/o Amra	2121	490.77
2.	Shri Behra Ram	S/o Puran	2123	490.77
3.	Shri Abdul Shah	S/o Noor Shah	2127	496.26
4.	Shri Kirat Shah	S/o Pallu Shah	2196	496.26

1	2	3	4	5
				Rs.
5.	Shri Ramzan Shah	S/o Pallu Shah	2267	551.40
6.	Shri Fazal Shah	S/o Fateh Shah	2243	496.26
7.	Shri Luna	S/o Jumma Khan	2248	496.26
8.	Smt. Tejki	W/o Lichman	2185	516.67
9.	Shri Ramzan	S/o Rafim Bux	2200	551.40
10.	Shri Shafi Shah	S/o Miron Shah	2272	51.98
11.	Smt. Chandki	W/o Ramoo	2139	534.59
12.	Smt. Dhani	W/o Uda	2138	540.37
13.	Smt. Aski	W/o Rewatia	2156	538.60
14.	Smt. Pirojli	W/o Nabi Bux	2167	521.60
15.	Smt. Anki	W/o Jairam	2161	541.55
16.	Smt. Chunki	W/o Ridmal	2144	520.14

1	2	3	4	5
				Rs.
17.	Smt. Sardhari	W/o Mangala	2145	532.40
18.	Smt. Dhurki	W/o Jaura	2164	511.64
19.	Shri Ganesh Lal	S/o Shrikishan	2259	316.88
20.	Shri Deepa Ram	S/o Akha Ram	3069	212.82
21.	Shri Keshri Singh	S/o Ganpat Singh	3081	208.83
22.	Shri Makhan Shah	S/o Gulab Shah	2239	496.26
23.	Smt. Anchi	W/o Amra	2162	514.32
24.	Smt. Jethki	W/o Rawat	2183	529.01
25.	Shri Dana Ram	S/o Magga	2240	496.26

[No. 24/35/67-LRIV]
S.H.S. Iyer, Section Officer (Spl).